फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 114 प्रभात जयपुर, बुधवार 25 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



From Cholamandalam to Coromandel

"Coromandel," a name Europeans applied to the eastern coastline of India. What began as a regional identity became, in European usage, a geographic label

"Toe the line!"

The Window Tax of 1696

जेनसेन हुआंग की वापसी से कोई भी गौरवान्वित नहीं हुआ है

न तो राष्ट्रपति ट्रंप, न ही हुआंग और न ही अमेरिका का कॉरपोरेट कल्चर

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सबसे बड़ी बात तो यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का कंपनी के निदेशक मंडल से इस मुद्दे पर सीधे बात करना व उन्हें हुआंग को वापस लेने के निर्देश देना पूर्णतया गैरवाजिब है और निंदनीय है
- साथ ही इस प्रकरण ने यह भी उजागर किया कि कंपनी का निदेशक मंडल पूर्णतया सीईओ से अनुग्रहित था तथा उसमें ''प्रौफैश्नलिज़्म'' का नितांत अभाव था।
- निदेशक मंडल के सभी सदस्य वृद्ध थे और तीस-तीस साल से कंपनी निदेशक पद पर आसीन थे।
- निदेशक मंडल की कॉरपोरेट जिम्मेवारी होती है कि हर वरिष्ठ के विकल्प उसके पास तैयार हों तथा जरूरत पड़ने पर उस वैकल्पिक व्यवस्था को तुरन्त प्रभाव से क्रियान्वित किया जा सके।
- इन परिस्थितियों में कंपनी को, सीईओ के निंदनीय लज्जापूर्ण आचरण के बावजूद थूक कर चाटना पड़ा तथा हुआंग को उसके पुराने पद पर पुनः स्थापित करना पड़ा।

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। जेनसेन हुआंग की वापसी के पीछे के रहस्य सार्वजनिक हो गए हैं। इससे न तो इस प्रसिद्ध सीईओ की छवि अच्छी बनी है और न ही अमेरिका में निष्पक्ष कॉरपोरेट गवर्नैंस (कॉर्पोरेट कामकाज के नियमों) की कोई अच्छी तस्वीर सामने आई है।

खबरों के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस पूरे घटनाक्रम में सक्रिय रूप से शामिल थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कंपनी के बोर्ड को फोन किया था और हुआंग को वापस लाने का निर्देश दिया था।

तथापि, बोर्ड की अक्षमता को देखते हुए अब कई सुझाव दिए जा रहे हैं कि पूरे बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स को इस्तीफा दे देना चाहिए या कंपनी के मौजूदा बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स को हटा दिया जाना चाहिए।

इस पूरे घटनाक्रम में डॉनल्ड ट्रंप खुद शामिल थे। कुछ वरिष्ठ शिक्षाविद भी इसमें सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। इसके अलावा, एक मैनेजमैंट एक्सपर्ट भी इस पूरी प्रक्रिया में शामिल था, जिसके बाद हुआंग की वापसी हुई।

जैसे-जैसे यह खबर सामने आ रही है कि हुआंग की वापसी में ट्रंप का हाथ था, निवेशक राष्ट्रपति के हस्तक्षेप की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। इस घटना से पता चलता है कि वहाँ कॉर्पोरेट गवर्नैंस के नियमों का पूरी तरह से अभाव है।

अमेरिका में ऐसा बहुत कम होता है कि राजनीतिक नेता कंपनियों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के चयन और नियुक्ति में सीधे दखल दें। लेकिन जैसे ही ट्रंप की भूमिका की खबरें सामने आने लगीं, निजी निवेश के मामलों में सरकार के हस्तक्षेप को लेकर व्यापक आलोचना होने लगी।

कंपनी का बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव पर 50 हजार रूपए का हर्जाना लगाया

- छः साल में फैमिली कोर्ट की दयनीय स्थिति पर ठोस जवाब पेश नहीं कर पाए।

जयपुर, 24 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट में संसाधनों के अभाव से जुड़े मामले में छह साल पहले दिए आदेश की पालना में ठोस जवाब पेश नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में मुख्य सचिव पर पचास हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। सीजे संजय के. अग्रवाल की खंडपीठ ने ये आदेश ''जागो जनता'' सोसायटी की ओर से साल 2011 में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट ने 29 अगस्त, 2019 को राज्य सरकार को निर्देश दिए थे, जिनमें कहा गया था कि राज्य सरकार फैमिली कोर्ट में न्यायिक कक्षों की उपलब्धता, पेयजल, शौचालय, रिकॉर्ड रूम, फोटोकॉपी जैसे सुविधा के लिए नवीनतम स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। इसके साथ ही, अदालत ने इन सुविधाओं का सारणीबद्ध विवरण छह सप्ताह में दायर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने चुपचाप, अकाली दल को ''बड़ा भाई'' सहर्ष स्वीकार किया

गठबंधन के बाद भाजपा 46 सीटों पर तथा अकाली दल 71 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- और अमित शाह ने सार्वजनिक तौर पर घोषणा की कि ''बड़ा भाई'' ही मु.मंत्री बनेगा।
- कई महीनों से भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन व बादल के बीच गठबंधन पर बातचीत चल रही थी और अंतिम दौर में अमित शाह भी वार्ता में शामिल हुए, छोटी-छोटी सलवटें दूर करने के लिए।
- नवीन सर्वेक्षणों के अनुसार, दोनों पार्टियाँ अगर अलग-अलग अस्तित्व बनाए रखती हैं तो दोनों का राजनीतिक भविष्य खास उज्जवल नहीं है। पर, अगर गठबंधन कर चुनाव लड़ती हैं तो सशक्त राजनीतिक ताकत बन कर उभरने की काफी संभावना बनती है।

नई दिल्ली, 24 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल ने मंगलवार को छह साल के अलगाव के बाद, एक बार फिर अपना गठबंधन बहाल कर लिया। इसके साथ ही 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के खिलाफ एक त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बन गई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में गठबंधन की घोषणा की। अमित शाह ने कहा कि दोनों दल पंजाब की सभी 117 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेंगे। अकाली दल गठबंधन में ''बड़े भाई'' की भूमिका में रहेगा और मुख्यमंत्री का पद भी अकाली दल को ही मिलेगा। सूत्रों के अनुसार, भाजपा करीब 46 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि बाकी 71 सीटें अकाली दल के हिस्से में आएंगी।

उन्होंने कहा कि गठबंधन की प्राथमिकता नशे की समस्या को खत्म करना, किसानों का कल्याण और हिंदू-सिख एकता को मजबूत करना होगा। इस गठबंधन की वापसी से पंजाब के चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। सन् 2022 में दोनों दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था और उन्हें बहुत कम सीटें मिली थीं। अकाली दल को तीन और भाजपा को दो सीटें मिली थीं, जबकि आम आदमी पार्टी ने भारी जीत हासिल कर सत्ता संभाली थी। अब भाजपा और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सांगानेर में तोड़फोड़ की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगाई सुप्रीम कोर्ट ने

बम्बाला गांव स्थित खसरा नंबर 403 पर बसे लोगों को नोटिस देकर सुनवाई करने के बाद अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे राजस्थान हाईकोर्ट ने

-यादवेन्द्र शर्मा-

- सुप्रीम कोर्ट पहुंचे याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि, हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद नगर निगम ने लोगों का पक्ष सुने बिना ही सीधे तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी।

जयपुर, 24 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने सांगानेर-प्रताप नगर के खसरा नंबर 403 में अतिक्रमण हटाने के लिए ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी है। न्यायाधीश एम.एम.सुंदरेश और न्यायाधीश प्रसन्ना बी. वराले की खंडपीठ ने यह आदेश मनोज व अन्य द्वारा विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता हिमांशु जैन, ताराचंद सिंह व ऋषिराज माहेश्वरी व अन्य पैरवी के लिए पेश हुए थे।

याचिका में बताया गया कि राजस्थान हाईकोर्ट ने वर्ष 2022 में प्रताप नगर सेक्टर-5 की विकास समिति की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए, सांगानेर के बंबाला गांव स्थित खसरा नंबर 403 में अतिक्रमण के संदर्भ में ध्वस्तीकरण के आदेश दिए थे। अदालत को बताया गया था कि यह क्षेत्र राजस्थान हाउसिंग बोर्ड द्वारा विकसित किया गया था, यहां काफी अतिक्रमण हुए हैं, जिन्हें हटाया नहीं गया था। हाईकोर्ट को बताया गया था कि यह भूमि हाउसिंग बोर्ड के क्षेत्राधिकार में नहीं है, क्योंकि इसे नगर निगम जयपुर को सौंप दिया गया है।

अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए नगर निगम को आदेश दिए थे कि सभी अतिक्रमियों को नोटिस देकर सुनवाई करे और कानून सम्मत कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाए। गौरतलब है कि इस मामले की रिव्यू पिटिशन भी हाईकोर्ट में दायर की गई थी, परंतु अदालत ने अपना फैसला बरकरार रखा।

अब इस मामले को लेकर एसएलपी सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है, जिसमें याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद भी उन्हें नगर निगम जयपुर ने सुनवाई का कोई मौका नहीं दिया, सीधे ही मकानों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी।

अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि नगर निगम ने तोड़फोड़ की यह कार्रवाई पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की उस नीति के विपरीत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जहर पीकर युवती शिकायत करने थाने पहुँची

- जवाहर सर्किल पुलिस ने तुरंत अस्पताल पहुँचाया, स्थिति खतरे से बाहर।

जयपुर, 24 नवम्बर। जवाहर सर्किल थाने में सोमवार देर शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवती जहर पीकर शिकायत दर्ज करवाने पहुंच गई। युवती ने पुलिसकर्मियों को जहर पीने की जानकारी दी तो उन्होंने तुरंत एम्बुलेंस की मदद से उसे जयपुरिया अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद युवती को एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, युवती एक युवक से बातचीत करती है, जिसका उसके परिजन विरोध कर रहे थे। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि जवाहर सर्किल थाने पहुंचने से पहले युवती ने परिजनों को वीडियो कॉल किया और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शेख हसीना को हथकड़ी पहने, पुलिस की निगरानी में ही वापस आना होगा'

बाँग्लादेश के विदेश मंत्री हुमायूं कबीर ने शेख हसीना के, एयरलाइंस से 16 दिसंबर को बाँग्लादेश आने के प्लान को सरासर मन का भ्रम व भ्रांति और आधारहीन कल्पना बताया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- कबीर ने व्यंग्य कसते हुए कहा, मनोकामना व यथार्थ में बहुत फर्क होता है।

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। बाँग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने मंगलवार को कहा कि अपदस्थ प्रधानमंत्री और अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना को देश में एक कैदी के रूप में ''हथकड़ी पहनकर और कड़ी निगरानी में'' वापस आना होगा। उन्होंने भारत से 16 दिसंबर को ''बिमान बाँग्लादेश एयरलाइंस'' की उड़ान से वापस लौटने की हसीना की कथित योजना को कोरी कल्पना करार दिया। दूसरी ओर, बाँग्लादेश के इन्टरनैशनल क्राइम्स ट्रिब्युनल (आईसीटी) के मुख्य अभियोजक ने हसीना की उस मांग को ''पागलपन'' बताया, जिसमें उन्होंने घर लौटने के लिए विमान उपलब्ध कराने को कहा था।

''प्रोथोम आलो'' की रिपोर्ट के अनुसार, ढाका में विदेश मंत्रालय में विदेशी राजनयिकों को जानकारी देने के बाद, पत्रकारों से बात करते हुए कबीर ने कहा, ''इच्छा और वास्तविकता दो अलग-अलग बातें हैं।''

''द बिजनेस स्टैंडर्ड'' के अनुसार, ''वास्तविकता यह है कि किसी आतंकवादी को प्रत्यर्पण के अलावा किसी और तरीके से वापस आने की अनुमति नहीं दी जा सकती। वे कोई सामान्य कमर्शियल यात्री नहीं हैं। उन्हें केवल हथकड़ी लगाकर और कड़ी निगरानी में ही वापस लाया जा सकता है।''

ये बयान उस समय आए, जब कुछ घंटे पहले ही हसीना के प्रवक्ता ने ''रॉयटर्स'' को बताया था कि पूर्व प्रधानमंत्री 16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटने का इरादा रखती हैं, जिस दिन देश में ''विजय दिवस'' मनाया जाता है।

एक बयान में हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने कहा कि वे चाहती हैं कि बांग्लादेश सरकार राष्ट्रीय विमान सेवा, बिमान बाँग्लादेश एयरलाइंस के विमान से दिल्ली से उनकी वापसी की व्यवस्था करे।

अली ने कहा, ''चूंकि शेख हसीना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

युवती ने पुलिसकर्मी पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया

- सोशल मीडिया पर डाले वीडियो की पुलिस ने जाँच शुरु की।

जयपुर, 24 नवम्बर। राजधानी जयपुर में एक युवती ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर पुलिसकर्मी पर अभद्र व्यवहार करने और परेशान करने का आरोप लगाया है। युवती का दावा है कि मानसरोवर स्थित पैसिफिक मॉल से ऑटो में बैठकर जाते समय एक कार ने उसका पीछा किया। कार में सवार पुलिसकर्मी ने कथित तौर पर ऑटो चालक से उसका मोबाइल नंबर मांगने के लिए कहा और अभद्र इशारे भी किए। युवती ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो रिकॉर्ड करने के साथ ही, कार का नंबर भी अपने पास होने की बात कही है।

युवती के अनुसार, यह घटना रविवार की है। उसने घटना का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है। वीडियो में युवती ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जिला प्रमुख : कांग्रेस के पास 23 जिलों में बढ़त, पर एक तिहाई पर खतरा

भाजपा के पास 5 जिलों में स्पष्ट बहुमत, बाकी आठ जिलों में निर्दलीय व अन्य दलों के हाथ में जीत की चाबी

-कार्यालय संवाददाता-

- वैसे तो प्रदेश के ग्रामीण मतदाताओं ने काफी हद तक स्पष्ट जनादेश दिया है, पर इस चुनाव में दल-बदल रोधी कानून लागू नहीं होने के कारण सियासी जोड़-घटाव चरम सीमा पर है।

जयपुर, 24 नवम्बर। राजस्थान में जिला प्रमुख की कुर्सी को लेकर बुधवार को सियासी घमासान होगा। प्रदेश की सभी 37 जिला परिषदों में जिला प्रमुख के चुनाव के लिए कांग्रेस और भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। चुनाव परिणामों के मुताबिक, कांग्रेस के पास 23 जिलों में स्पष्ट बहुमत है, जबकि भाजपा के पास केवल 5 जिलों में बहुमत है। नागौर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के पास बहुमत है। वहीं, 8 जिलों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण, वहां निर्दलीय और अन्य दलों की भूमिका जिला प्रमुख बनाने में अहम होगी।

उधर भाजपा की ओर से सभी 37 जिलों में चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद, कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों के नाम भी उजागर नहीं किए हैं। बहुमत के बावजूद कांग्रेस को अपने सदस्यों को एकजुट रखने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने भाजपा पर हॉर्स ट्रेडिंग, प्रलोभन और पुलिस-प्रशासन के दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। पार्टी ने भरतपुर में 3 जिला परिषद सदस्यों को उठा ले जाने का आरोप भी लगाया है। कांग्रेस ने जिला प्रमुख के उम्मीदवार तय करने की जिम्मेदारी सांसदों और जिला अध्यक्षों को सौंपी है। संबंधित विधायकों की राय लेकर स्थानीय समीकरणों के आधार पर नाम तय किए जाएंगे। उम्मीदवारों की घोषणा देर रात या ऐन वक्त पर हो सकती है।

आंकड़ों के मुताबिक, कांग्रेस के पास 23 जिलों, अलवर, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, धौलपुर, हनुमानगढ़, जयपुर, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, जोधपुर, कोटपूतली-बहरोड़, फलौदी, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही और टोंक में स्पष्ट बहुमत हैं। इसी प्रकार, भाजपा के पास 5 जिलों, अजमेर, ब्यावर, झालावाड़, पाली और उदयपुर में स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा है, जबकि आरएलपी के पास नागौर में स्पष्ट बहुमत है।

इनके अलावा, शेष 8 जिलों - बालोतरा, बांसवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, डीग, डूंगरपुर, खैरथल-तिजारा, प्रतापगढ़ और सलूंबर में त्रिशंकु स्थिति बनी हुई है। इन जिलों में किसी भी दल के पास स्पष्ट बहुमत नहीं है। ऐसे में यहां निर्दलीय अथवा अन्य दलों का समर्थन ही जिला प्रमुख बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

देखा जाए तो प्रदेश के ग्रामीण मतदाताओं ने हालांकि बहुत हद तक स्पष्ट जनादेश दिया है, लेकिन इस चुनाव में दल-बदल रोधी कानून लागू नहीं होने के कारण सियासी जोड़-घटाव चरम पर है और भाजपा व कांग्रेस दोनों ही दल अपनी बढ़त वाले जिलों को भी सुरक्षित नहीं मान पा रहे हैं। यही कारण है कि सभी जिलों में अपने निर्वाचित जिला परिषद सदस्यों को किसी भी तरह एकजुट रखने की कवायद अखिरी क्षण तक चलती रही और मतदान तक भी चलती रहने के आसार हैं।

सूत्रों के मुताबिक, सीटों के लिहाज से भाजपा वैसे तो 5 जिलों अजमेर, ब्यावर झालावाड, पाली और उदयपुर में बढ़त में है, लेकिन पूरी तरह सुरक्षित अजमेर और पाली माने जा रहे हैं, जबकि ब्यावर, झालवाड और उदयपुर में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीटों का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है। ऐसे में दो-तीन निर्वाचित सदस्यों की क्रॉस वोटिंग भी पार्टी के लिए खतरा बन सकती है।

कांग्रेस के पास 23 जिलों में बढ़त है। इनमें से 17 जिलों में पार्टी के पास इतनी बढ़त है कि भाजपा को अपना बोर्ड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी क पूर्व सांसद को तीन साल की सजा

- उन पर 28 साल पहले अधिकारियों के साथ मारपीट व सरकारी वाहन जलाने का आरोप था।

लखनऊ, 24 नवंबर। लखनऊ की एमपी/एमएलए कोर्ट ने मंगलवार को 28 साल पुराने मामले में पूर्व राज्यसभा सदस्य बनवारी लाल कंछल समेत, तीन दोषियों को तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। इसके अलावा, सभी दोषियों पर जुर्माना भी लगाया गया है। यह पूरी घटना 28 साल पहले 12 अगस्त 1998 की है। आरोप है कि हजरतगंज स्थित व्यापार कर भवन में अधिकारियों से मारपीट, सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी और एक सरकारी वाहन को आग के हवाले कर दिया गया था। तत्कालीन असिस्टेंट कमिश्नर एमएम कटियार की तहरीर पर हजरतगंज थाने में पूर्व राज्यसभा सांसद बनवारी लाल कंछल के अलावा हुकुमचंद अग्रवाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

थोड़ा सा झूठ भी मनुष्य का नाश कर सकता है। –महात्मा गाँधी

उच्च शिक्षा संस्थानों को बेहतर बनाने की कवायद

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल, 2025 के प्रारूप पर एक संयुक्त संसदीय समिति विचार कर रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा के लिये एक नियंत्रक संस्था बनाने की सलाह दी गई थी। उसे बनाने के लिये ही लोकसभा में प्रस्तुत इस अधिनियम पर यह समिति विमर्श कर रही है। इस नई संस्था को 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान' नाम दिया गया है, जिसे भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था के नियामक ढांचे में एक नए युग की शुरुआत बताया जा रहा है और यह तर्क दिया जा रहा है कि इससे रेगुलेशन, एक्रेडिटेशन, और स्टैंडर्ड या क्वालिटी निर्धारण में नीतिगत दखल संभव होगा। यह कानून एक गुंबज के तौर पर होगा, जिसके तीन मुख्य स्तम्भ होंगे - विकसित भारत शिक्षा विनियमन परिषद् (रेगुलेटरी काउंसिल), विकसित भारत शिक्षा गुणवत्ता परिषद् (एक्रेडिटेशन काउंसिल), और विकसित भारत शिक्षा मानक परिषद् (स्टैंडर्ड्स काउंसिल)। ये तीनों परिषदें भी शिक्षा नीति 2020 में बताए गए सुझावों के मुताबिक ही हैं। नई शिक्षा नीति में एक और स्तम्भ उच्च शिक्षा अनुदान परिषद भी सुझाया गया है, जिसके बारे में बताया गया है कि सरकार बाद में फैसला लेगी। यह कानूनन बनाने के पीछे जो वजह बताई जा रही है वह है कि इससे बहुत सारी नियंत्रक एजेंसियों की ज़रूरत नहीं होगी, जिससे कम परेशानियां होंगी और अनेक नियंत्रक एजेंसियों के बीच की ओवरलैपिंग भी नहीं होगी। नये कानून से बनाई जाने वाली व्यवस्था में रेगुलेटरी नियमों का पालन कराने की जिम्मेवारी राज्य सरकारों की होगी। इसमें राज्य सरकारों का सही समर्थन पहली शर्त है। किन्तु इस बात की शिकायत हो रही है कि इस बिल में राज्य सरकारों का सही प्रतिनिधित्व नहीं है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि इसमें राज्य सरकारों के फैसले लेने और प्रस्तावित गवर्नेंस सुधार में ज़िम्मेदारियां बांटने की भी कोई गुंजाइश नहीं है। नई व्यवस्था में एक्रेडिटेशन काउंसिल और स्टैंडर्ड्स काउंसिल के लिए, राज्य सरकारों की अपनी मर्ज़ी की गुंजाइश शायद बहुत कम रहेगी। यहां पर कागज़ पर कम्प्लायंस और जमीनी कम्प्लायंस के बीच का फ़र्क सामने आता है। यह अभी कहना कठिन है कि सुधार के इन उपायों को लागू करने के बाद उच्च शिक्षा व्यवस्था कैसे और किस हद तक बदलेगी, क्योंकि हमारे संघीय ढांचे में उच्च शिक्षा व्यवस्था बहुत जटिल स्तरों वाली और उलझी हुई है। उच्च शिक्षा व्यवस्था की प्रक्रिया में कई तरह के समझौते होते हैं। मुख्य समझौते अकादमिक स्वायत्तता और अकाउंटेबिलिटी, यूनिफ़ॉर्मिटी और डाइवर्सिटी, इक्विटी (पहुंच में) और क्वालिटी के मामले में सेंट्रलाइज़ेशन और डीसेंट्रलाइज़ेशन के बीच होते हैं। वित्तीय दिक्कतें हमेशा बनी रहती हैं। नीति निर्माताओं और भागीदारों के लिए ये समझौते आसान नहीं होते हैं। शिक्षा नीति सलाह देती है कि नियंत्रण कम होने चाहिए लेकिन जो हों उन्हें सख्ती से लागू किया जाय। इसके पीछे यह सोच है कि अधिक नियंत्रण से शिक्षक अक्सर टीचिंग और रिसर्च में क्रिएटिव और इनोवेटिव होने की अपनी कोशिशों में घुटन महसूस करते हैं। उनके लिये बहुत सारे रेगुलेशन का पालन करना एक बोझ होता है।

अकादमिक स्वायत्तता किसी भी विश्वविद्यालय की पहचान होती है। मगर भारतीय परिवेश में उसी पर सबसे अधिक हमले होते हैं। दुनिया भर में अब सार्वजनिक प्रबंधन के नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। ऐसा टेक्निकल एफिशिएंसी पाने के लिए होता है। इसका मतलब होता है विश्वविद्यालयों द्वारा संस्थानिक स्तर पर संसाधनों का,ख़ासकर समय का, बेहतर इस्तेमाल हो। विश्वविद्यालयों की फ़ैकल्टी की अकादमिक स्वायत्तता की सीमा शिक्षक, संस्थानिक, और राष्ट्रीय तीन स्तर पर तय होती है। नई व्यवस्था से शिक्षकों पर अपने इंस्टीट्यूशनल कॉन्टेक्स्ट की परवाह किए बिना काम करने का दबाव पड़ सकता है। हालांकि नई शिक्षा नीति में सुझाया गया है कि इसे बनाने में पूरे अकादमिक समुदाय और विश्वविद्यालय प्रशासन को शामिल किया जाय। मगर बहुतों को लगता है कि संस्थागत विकास योजना बनाने और उसे लागू करने से सिस्टम नीचे से ऊपर की बजाय ऊपर से नीचे की ओर हो सकता है, जिससे शिक्षकों की स्वायत्तता बाधित हो सकती है। नियामक व्यवस्था कितनी हल्की है, यह उसके नेचर और कंटेंट पर भी निर्भर करती है। शिक्षण की ज़िम्मेदारियां मुख्य रूप से दिए जाने वाले कोर्स और कार्यक्रमों से तय होती हैं। शिक्षकों का मूल्यांकन ज़्यादातर उनकी रिसर्च के आधार पर होता है, जबकि कई संस्थानों में उनपर शिक्षण की ज़िम्मेदारियों के साथ प्रशासनिक बोझ भी उठाना पड़ता है। इससे विद्यार्थियों को मिलने शिक्षण की क्वालिटी से भी समझौता होता है। स्टैंडर्डाइज़ेशन का कॉन्सेप्ट इस तरह से बनाया गया है कि वह उच्च शिक्षा संस्थान को बनाने और चलाने के लिए स्पष्ट न्यूनतम मानक तय करने के साथ-साथ करिकुलम, पेडागॉजी असेसमेंट के इनोवेटिव डेवलपमेंट के लिए नॉन-बाईंडिंग फ्रेमवर्क बनाने की कोशिश करता है। यह बात ठीक है कि रेगुलेशन को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए, लेकिन अगर हम उच्च शिक्षा की बड़ी तस्वीर देखें तो रेगुलेशन को कम करना इतना आसान नहीं है। हालांकि, उच्च शिक्षण संस्थाओं से मल्टीडिसिप्लिनरी ऑटोनॉमस इंस्टीट्यूशन्स के तौर पर विकसित होने का आग्रह किया जा रहा है, लेकिन, संस्थानों में ऐसा स्टेटस पाने के लिए प्रक्रिया से जुड़ी स्वायत्तता नहीं है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और उसे नई दिशा देने के लिए सबको फंडिंग के तरीके के बजाय रेगुलेशन पर अधिक भरोसा करना आसान लगता है। स्वायत्तता की गुंजाइश तभी होती है जब फंडिंग की ज़रूरतें इनपुट-बेस्ड कॉस्ट के साथ-साथ संस्थानों के फैसलों के भरोसे से तय होती हैं। अगर आउटकम-बेस्ड फंडिंग के पक्ष में झुकाव होता है, तो इसे अकाउंटेबिलिटी तय करने और ट्रांसपेरेंट तरीके से बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम माना जाता है। इसके लिये उच्च शिक्षा संस्थाओं को उनकी क्षमता बढ़ाकर सक्षम बनाना जरूरी होता है।

उच्च शिक्षा व्यवस्था की प्रक्रिया में कई तरह के समझौते होते हैं। मुख्य समझौते अकादमिक स्वायत्तता और अकाउंटेबिलिटी, यूनिफ़ॉर्मिटी और डाइवर्सिटी, इक्विटी (पहुंच में) और क्वालिटीके मामले में सेंट्रलाइज़ेशन और डीसेंट्रलाइज़ेशन के बीच होते हैं। वित्तीय दिक्कतें हमेशा बनी रहती हैं। नीति निर्माताओं और भागीदारों के लिए ये समझौते आसान नहीं होते हैं।

नई शिक्षा नीति और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल में सुझाए गए संस्थानों को ऑटोनॉमस मल्टीडिसिप्लिनरी संस्थानों के तौर पर डेवलप करने में मदद करने के लिए उन्हें अकादमिक स्वायत्तता देने पर पूरा फोकस, लॉजिक और प्रैक्टिस दोनों के मामले में काफी कमजोर नींव पर आधारित लगता है। हालांकि, बिल में सही कहा है कि उच्च शिक्षा संस्थानों को यह बताना ज़रूरी होगा कि उनके पास मौजूद इनपुट का इस्तेमाल कैसे किया जाना है। लेकिन लक्ष्यों की सिर्फ सूची बना लेने से जरूरी प्रैक्टिकल सोच, सच्चाई और ईमानदारी नहीं दिखती। हालांकि, फंडिंग मैकेनिज्म को पूरी तरह से देखने के लिए, राज्यों द्वारा हायर एजुकेशन की फंडिंग और प्राइवेट फंडिंग की सीमा और तरीके को देखना होगा। हालांकि यह बिल तीन परिषदों के सपोर्ट से एक बड़ी बॉडी बनाकर मौजूदा नियामक व्यवस्था को आसान बनाने की कोशिश करता है, लेकिन असल में उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन कई प्राधिकरण और एजेंसियां करती रहेंगी। भले ही इनके क्राइटेरिया और मकसद अलग-अलग होंगे, फिर भी इनके काम में काफी ओवरलैप होगा। एक असरदार और डायनैमिक लीडरशिप वाली यूनिवर्सिटी को आमतौर पर कई मूल्यांकन एजेंसियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए ह्यूमन, फाइनेंशियल और फिजिकल रिसोर्स का सबसे अच्छा एलोकेशन और इस्तेमाल पक्का करने की मुश्किलें आती हैं। ये एजेंसियां अलग-अलग वेटेज वाले इंडिकेटर्स के अलग-अलग सेट का इस्तेमाल करके उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करती हैं, ताकि यूनिवर्सिटी के इनपुट और आउटपुट की क्वालिटी का आकलन किया जा सके, खासकर टीचिंग, टीचिंग-लर्निंग आउटकम, रिसर्च, आउटरीच एक्टिविटीज़, इंटरनेशनलाइज़ेशन वगैरह का। अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटाने और नए कोर्स के लिए विद्यार्थियों की मांग और कौशल के लिए इंडस्ट्री की मांग को पूरा करने की ज़रूरतें यूनिवर्सिटी चलाने वालों के काम को और मुश्किल बना देती हैं।

भारतीय उच्च शिक्षा के पूरे रेगुलेटरी ढांचे में बदलाव के पीछे का तर्क सही लगता है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या व्यवस्था इसे सही तरीके से लागू करने के लिए तैयार है? ज़्यादातर उच्च शिक्षा संस्थानों की क्षमता लगातार गिरती जा रही है। अत: ऑटोनॉमी और अकाउंटेबिलिटी, यूनिफॉर्मिटी और डाइवर्सिटी, लोकलिज़्म और ग्लोबलिज़्म के साथ-साथ सेंट्रलाइज़ेशन और डीसेंट्रलाइज़ेशन के बीच ज़रूरी ट्रेडऑफ़ का विमर्श बहुत ज़रूरी है। सेंट्रलाइज़ेशन विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान के कॉन्सेप्ट का ज़रूरी हिस्सा है, लेकिन यह अंदाज़ा लगाना मुश्किल है कि अलग-अलग श्रेणियों के उच्च शिक्षा संस्थान वाले संघीय ढांचे में डाइवर्सिटी को कैसे बढ़ावा दिया जाएगा और बनाए रखा जाएगा। जब तक फंडिंग नहीं बढ़ाई जाती और राज्य सरकारें कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज़ की कैपेसिटी बनाने के लिए आगे नहीं आतीं, तब तक ज़्यादातर संस्थान शिक्षा नीति में सोचे गए मल्टी-डिसिप्लिनरी ऑटोनॉमस इंस्टीट्यूशन्स के तौर पर डेवलप होने में मुश्किल का सामना करेंगे। इसे सफल और सार्थक तरीके से लागू करने में सबसे बड़ी चुनौति शिक्षकों और छात्रों के साथ-साथ प्रशासनिक स्टाफ के उत्साही समर्थन की भी ज़रूरत होगी, क्योंकि एक उच्च शिक्षण संस्थान के कामकाजको टेक्नोलॉजी या जिसे एजुकेशन प्रोडक्शन फंक्शन कहते हैं, के जरिए सख्ती से नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। भले ही शिक्षक, छात्र और प्रशासनिक स्टाफ सभी नियमों का पालन करें, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वे उनका नैतिक और सार्थक तरीके से पालन करेंगे। इसके अलावा टीचिंग-लर्निंग की गुणवत्ता की कोई गारंटी नहीं है। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता का फैसला स्कॉलर्स के समर्पण और काबिलियत तथा मानव संसाधन की क्षमता तथा गुणवत्ता पर निर्भर करता है। यह एक प्रक्रिया होती है। भारतीय उच्च शिक्षा मेंयही सबसे बड़ी चिंता का बड़ा मुद्दा लंबे समय से बना हुआ है। इसीलिए नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल से मिलने वाले स्कोर और नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क से मिलने वाली रैंकिंग अक्सर संदेह की निगाह से देखी जाती रही है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

समाचार पत्रों की मेहनत, डिजिटल मीडिया का मुनाफा : यह कैसा सिस्टम?

खबर किसी की, कमाई किसी और की, तो जिम्मेदारी किसकी ?



रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

भारत में पत्रकारिता का इतिहास केवल खबर छापने का इतिहास नहीं है। यह उस व्यवस्था के निर्माण की कहानी है जिसमें गांव, कस्बे और शहर तक संवाददाता मौजूद रहे, वर्षों तक संस्थानों ने अपना नेटवर्क खड़ा किया और पत्रकारों ने घटनाओं की जानकारी जुटाकर उसे संपादकीय जांच के बाद पाठकों तक पहुंचाया। भारतीय प्रिंट मीडिया की अपनी कमियां हो सकती हैं, लेकिन दुनिया के कई हिस्सों के मीडिया की तुलना में भारत के बड़े अखबारों की पत्रकारिता आज भी अपेक्षाकृत संयमित और संस्थागत दिखाई देती है। किसी खबर को प्रकाशित करने के पीछे रिपोर्टर, संपादक और पूरा संपादकीय तंत्र जिम्मेदारी लेता है। लेकिन डिजिटल क्रांति ने इस व्यवस्था के सामने एक नई चुनौती खड़ी कर दी है।

आज किसी घटना की खबर सबसे पहले उस अखबार की वेबसाइट पर नहीं, बल्कि Facebook, YouTube, Instagram और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिखाई देती है। समस्या इन प्लेटफॉर्मों के अस्तित्व से नहीं है। समस्या उस व्यवसाय मॉडल और सूचना संस्कृति से है, जिसमें खबर की सत्यता से ज्यादा महत्वपूर्ण कई बार उसकी गति, सनसनी और वायरल होने की क्षमता बन जाती है।

एक घटना होती है और देखते ही देखते उसके अलग-अलग पहलुओं का घंटों पोस्टमार्टम शुरू हो जाता है। एक ही खबर पर दर्जनों वीडियो, लाइव कार्यक्रम, प्रतिक्रियाएं और अनुमान सामने आने लगते हैं। जांच पूरी होने से पहले निष्कर्ष बनने लगते हैं और अदालत का फैसला आने से पहले जनता की अदालत अपना फैसला सुना देती है। यहीं से टीवी और सोशल मीडिया ट्रायल का खतरा पैदा होता है।

आरुषि तलवार हत्याकांड की कवरेज इस बहस का महत्वपूर्ण उदाहरण है। गंभीर अपराध की रिपोर्टिंग मीडिया का अधिकार और जिम्मेदारी दोनों है, लेकिन किसी परिवार या व्यक्ति को लगातार संदेह, आरोप और अटकलों के बीच सार्वजनिक रूप से कटघरे में खड़ा कर देना टीवी मीडिया की जिम्मेदारी से आगे जा सकता है।

विजय माल्या का मामला भी इस बहस को दूसरे कोण से देखने का अवसर देता है। किसी कारोबारी के खिलाफ बैंकिंग देनदारी, वित्तीय अनियमितता या आपराधिक आरोपों की जांच होना एक गंभीर विषय है और इसकी रिपोर्टिंग होनी चाहिए। लेकिन आरोप और न्यायिक रूप से सिद्ध अपराध के बीच का अंतर पत्रकारिता में हमेशा कायम रहना चाहिए।

आज भी टीवी और सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक मामले दिखाई देते हैं जहां किसी व्यक्ति, कंपनी या संस्था के खिलाफ आरोप सामने आते ही बिना सत्यता की जांच किये, खबर की जगह एक पूरा नैरेटिव तैयार हो जाता है।

असली सवाल सोशल मीडिया का नहीं, उसके मॉडल का है

हमें यह स्वीकार करना होगा कि सोशल मीडिया ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया है। एक सामान्य नागरिक भी अपनी बात करोड़ों लोगों तक पहुंचा सकता है। छोटे शहर का पत्रकार राष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंच सकता है। यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक बदलाव है। लेकिन Facebook, YouTube, Instagram और Google जैसे बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म मुख्य रूप से पत्रकारिता संस्थान नहीं हैं। वे सूचना के वितरण और डिजिटल विज्ञापन की विशाल वैश्विक अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं। यहां एक महत्वपूर्ण असंतुलन पैदा होता है। भारत का कोई अखबार खबर जुटाने के लिए पत्रकार रखता है। जिला और तहसील स्तर पर संवाददाता रखता है। कार्यालय चलाता है। यात्रा, रिपोर्टिंग, संपादन, प्रिंटिंग और वितरण पर खर्च करता है। फिर वही खबर डिजिटल दुनिया में पहुंचती है। उस खबर को कोई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपने एल्गोरिदम के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंचाता है। उस पर वीडियो बनते हैं, प्रतिक्रियाएं आती हैं, विज्ञापन चलते हैं और हिंसहू पैदा होता है। सवाल यह है कि मूल पत्रकारिता की लागत कौन उठा रहा है और उस सूचना से पैदा होने वाली डिजिटल अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा किसके पास जा रहा है? यह सवाल केवल भारतीय प्रिंट मीडिया के भविष्य का नहीं है। यह भारत की सूचना संप्रभुता का भी सवाल है।

विदेशी प्लेटफॉर्म, भारतीय सूचना -भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और विशाल डिजिटल बाजार है। यहां पैदा होने वाली सूचनाएं, घटनाएं, समाचार और नागरिकों की प्रतिक्रियाएं इन वैश्विक प्लेटफॉर्मों के लिए अत्यंत मूल्यवान हैं। इसलिए सरकार को यह सुनिश्चित करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारत में पत्रकारिता संस्थानों द्वारा तैयार की गई मूल समाचार सामग्री का व्यावसायिक इस्तेमाल करने वाले बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिए

उचित attribution, licensing और revenue-sharing की व्यवस्था हो। जैसे मोबाइल टेलीकॉम नेटवर्क इंडस्ट्री में कंपनियां एक दूसरे के नेटवर्क/इंफ्रास्ट्रक्चर को इस्तेमाल करने का भुगतान करती हैं। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। सरकार को ऐसा कानून नहीं बनाना चाहिए जिससे किसी अखबार को सामान्य तथ्यों पर मालिकाना अधिकार मिल जाए। किसी घटना का तथ्य किसी एक संस्था की निजी संपत्ति नहीं हो सकता। अधिकार original reporting और उसके रचनात्मक प्रस्तुतीकरण पर होना चाहिए, न कि सार्वजनिक तथ्यों पर।

भारत को अपनी पत्रकारिता व्यवस्था की ताकत बचानी होगी

आज यदि कोई भारतीय अखबार किसी जिले में वर्षों से अपना संवाददाता नेटवर्क चला रहा है, तो उस नेटवर्क के पीछे केवल कागज और मशीन नहीं, बल्कि दशकों का निवेश और पत्रकारिता का संस्थागत अनुभव और उनकी प्रतिष्ठा एवं विश्वसनीयता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए यह व्यवस्था खड़ी करना जरूरी नहीं। उसे तैयार खबर मिलती है और उसका एल्गोरिदम तय करता है कि उसे किसको और क्या दिखाना है। इसलिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों को पत्रकारिता संस्थानों का विकल्प नहीं, बल्कि वितरण माध्यम मानना अधिक उचित होगा। भारत को ऐसी नीति चाहिए जिसमें डिजिटल नवाचार भी बढ़े और पारंपरिक पत्रकारिता का आर्थिक आधार भी नष्ट न हो।

सबसे जरूरी है जिम्मेदारी - अंतत: सवाल यह नहीं है कि खबर प्रिंट में छपे या पर आए। सवाल यह है कि खबर किसने जुटाई, उसकी पुष्टि किसने की, उसे किसने संपादित किया और उसके गलत होने पर जिम्मेदारी कौन लेगा। एक पत्रकार की एक गलत रिपोर्ट किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, परिवार और कारोबार को नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन सोशल मीडिया के एल्गोरिदम में वही गलत सूचना कुछ घंटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच सकती है। इसलिए जिस माध्यम की पहुंच करोड़ों लोगों तक है, उसकी जिम्मेदारी भी उसी अनुपात में होनी चाहिए। प्रिंट मीडिया को आप उस रसोई की तरह समझिए, जहां भोजन बनाने से पहले सामग्री जुटाई जाती है, उसे साफ किया जाता है, पकाया जाता है और फिर परोसा जाता है। सोशल मीडिया कई बार उस फास्ट-फूड काउंटर जैसा हो जाता है, जहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह बन जाता है कि प्लेट सबसे पहले किसकी पहुंची।

समस्या फास्ट-फूड में नहीं है, समस्या तब है जब परोसने की रफ्तार स्वाद, गुणवत्ता और स्वास्थ्य से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाए। पत्रकारिता में भी यही फर्क समझना होगा। खबर सबसे पहले पहुंचाना उपलब्धि हो सकती है, लेकिन सही खबर पहुंचाना जिम्मेदारी है। भारत को ऐसी डिजिटल व्यवस्था चाहिए जहां तकनीक खबर को तेज करे, लेकिन उसकी सत्यता और जिम्मेदारी को पीछे न छोड़े। क्योंकि एल्गोरिदम खबर को वायरल कर सकता है, लेकिन भरोसा केवल पत्रकारिता ही पैदा कर सकती है।

आज जरूरत डिजिटल दुनिया को रोकने की नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदार बनाने की है। भारत के अखबारों ने खबर तक पहुंचने के लिए दशकों में जो नेटवर्क और भरोसा बनाया है, उसे कुछ सेकंड की वायरल दौड़ के हवाले नहीं किया जा सकता। एल्गोरिदम यह तय कर सकता है कि कौन-सी खबर कितने लोगों तक पहुंचेगी, लेकिन यह तय करने का अधिकार उसे नहीं दिया जा सकता कि सच क्या है और दोषी कौन है। भारत को ऐसी मीडिया व्यवस्था चाहिए जहां खबर की रफ्तार भी हो, तकनीक की ताकत भी हो, लेकिन पत्रकारिता की विश्वसनीयता और जवाबदेही सबसे ऊपर हो। आखिरकार, खबर सिर्फ बिकने वाला कंटेंट नहीं है, खबर समाज के भरोसे की अमानत है। और इस अमानत पर किसी विदेशी एल्गोरिदम का एकाधिकार नहीं हो सकता।

प्रिंट मीडिया को भी समय के साथ डिजिटल होना होगा, लेकिन उसकी दशकों की रिपोर्टिंग व्यवस्था को वैश्विक डिजिटल कंपनियों के मुफ्त कंटेंट-स्त्रोत में बदलने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ब्रैकिंग न्यूज़ से शुरू हुई कहानी सुपर ब्रैकिंग, अल्ट्रा फ़ास्ट, सुपर फ़ास्ट, फर्स्ट ऑन आवर चैनल या ओनली ऑन आवर चैनल जैसे शब्दों से सनसनी पैदा करके ऐसा लगता है जैसे ख़बरें बेची जा रही हैं।

खबर केवल कंटेंट नहीं है।

खबर के पीछे पत्रकार की मेहनत, संस्थान का निवेश और समाज के प्रति एक जिम्मेदारी होती है। और लोकतंत्र में सबसे बड़ा सवाल यही होना चाहिए:-

जिसने खबर पैदा की, क्या उसे उसका उचित मूल्य मिला? और जिसने खबर करोड़ों लोगों तक पहुंचाई, क्या उसने उसकी जिम्मेदारी भी उठाई?

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

"किसानों को क्या मिला ?" प्रधानमंत्री के इस प्रश्न की उन्हीं के मापदंडों पर सटीक समीक्षा



रामपाल जाट

12 नवंबर को 'किसान तक के भारत कृषि सम्मेलन-2026' में प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में "अन्न भंडारों के भरने से ही संतुष्ट होना पर्याप्त नहीं है, इससे किसानों को क्या मिला?", तत्कालीन शासकों को इस प्रश्न के माध्यम से कटघरें में खड़ा किया। पूर्वाग्रहों और दुराग्रहों से अप्रभावित रहते हुए प्रधानमंत्री के इस प्रश्न की समीक्षा उनके कार्यकाल के आधार पर उनकी ही कसौटी पर करना समीचीन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभालने के पहले हरित क्रांति की चर्चा करते हुए खाद्यान्न के भंडार भरने एवं भंडारण की व्यवस्था करने से तत्कालीन शासकों की संतुष्टि पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए इस उपलब्धि को अपर्याप्त बताया, जो तथ्यत: सत्य के निकट है। उनके द्वारा वर्णित उनके एक दशक के शासन के गुणगान किए जाने के औचित्य पर विचार करना भी प्रासंगिक एवं समयोचित है।

यह सही है कि वर्ष 2015-16 के बजट में कृषि नीति में उत्पादन एवं उत्पादकता के साथ किसानों की आय को भी जोड़ा गया है। इसी दिशा में वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुणा करने का संकल्प व्यक्त किया गया। इसी श्रृंखला में वर्ष 2018-19 के बजट में डॉ. एम एस स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय किसान आयोग के आधार पर लागत में कम से कम डेढ़ गुणा लाभांश जोड़कर 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' के निर्धारण का प्रावधान किया गया है। संपूर्ण विश्व में लागत का अर्थ संपूर्ण लागत होता है, उसे अनदेखा कर गणना का आधार आधी-अधूरी लागत को बनाया गया। भारत सरकार की संस्था 'कृषि लागत एवं मूल्य आयोग' संपूर्ण लागत को 'सी-2' से संबोधित करता है, जिसमें आधी- अधूरी एवं संपूर्ण लागत की गणना को पृथक-पृथक दर्शाया जाता है। दूसरा विषय आय संबंधी है। 'राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय' के सर्वेक्षण के 70वें चक्र के अनुसार जनवरी 2013 से दिसंबर 2013 की अवधि में कृषि परिवारों की मासिक आय 6,426 रुपए थी, उसी संस्था के 77 वें चक्र के सर्वेक्षण में जनवरी 2019 से दिसंबर 2019 की अवधि में कृषि परिवारों की मासिक आय 10, 218 रुपए थी। इन 6 वर्षों की अवधि में आय में बढ़ोतरी 3,792 रुपए है, जो 59 प्रतिशत है। दो गुणी आय के लिए 'कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र की वार्षिक विकास दर की वृद्धि 10 प्रतिशत तक होनी चाहिए थी, उस समय तक यह वृद्धि दर तीन प्रतिशत से कम थी। डॉ. एम एस स्वामीनाथन की अनुशंसा के अनुसार तो किसानों की घर ले जाने वाली वास्तविक आय को सिविल कर्मचारियों से तुलना योग्य बनाने के लिए औसत भारित लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत लाभांश जोड़ना चाहिए। इस लागत का आशय संपूर्ण लागत सी-2 ही है।

देशभर में वेतन भोगियों की संख्या 5 प्रतिशत से कम है, यदि इसी युक्ति को कृषि क्षेत्र में लागू किया जाए तो देश के 80 प्रतिशत की जेब में पैसा आएगा, तब 'मांग और आपूर्ति' का चक्र तीव्र गति से घूमेगा, उससे आर्थिक विकास की गति के पंख लग जाएंगे। इसकी पुष्टि के लिए जॉन मेनार्ड कीन्स सहित अनेक अर्थशास्त्रियों ने ऐसे सिद्धांत प्रतिपादित किये है।

सरकार ने तो अर्थशास्त्र के इन सिद्धांतों की अवहेहना ही नहीं की, वरन् वर्ष 2007-08 से वर्ष 2022-23 तक 16 फसलों के राज्यों द्वारा अनुशंसित मूल्यों से भी कम मूल्यों पर 'न्यूनतम समर्थन मूल्यों' का निर्धारण किया है, जिससे किसानों को 2,41,436 करोड रुपए का घाटा उठाना पड़ा है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय संस्था 'आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन' (ओईसीडी) 'के आकलन के अनुसार निर्यात प्रतिबंधों, घरेलू बाज़ार नियन्त्रण नीतियों एवं 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' पर खरीद नहीं करने के कारण भारतीय किसानों को वर्ष 2000 से 2025 तक 110 लाख करोड़ की राशि से वंचित किया गया है। तब भी सरकार किसान हितेषी होने का दंभ भरती है।

ऐसा भी नहीं है कि सरकार की समझ कमजोर हो। तब भी अनेक आयोगों एवं समितियों द्वारा किसानों के हितों के संरक्षण के लिए की गई अनुशंसाओं को स्वीकार करने को सरकार तैयार नहीं है। 18 जुलाई 2022 को 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' को और अधिक प्रभावी तथा पारदर्शी बनाने, फसल विविधीकरण एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए पूर्व कृषि सचिव संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया, जिसके उपसमूह ने 21 अप्रैल 2023 को 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' को 'आरक्षित मूल्य' घोषित करते हुए 'न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दामों में क्रय-विक्रय को रोकने हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य से ही नीलामी आरंभ करने' के लिए की गई अनुशंसाएं साढे तीन वर्ष व्यतीत होने के बाद भी लंबित है। इसी प्रकार वर्ष 2000 से आरंभ चिंतन-मंथन के उपरांत 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' की सुनिश्चितता की दिशा में तैयार आदर्श कृषि उत्पाद एवं पशुधन विपणन (संवर्धन एवं सरलीकरण) अधिनियम 2017 के प्रारूप का क्रियान्वयन भी लंबित है, यथा-इस प्रारूप के आधार पर राजस्थान राज्य में राजस्थान कृषि उत्पाद एवं पशुधन विपणन (संवर्धन एवं सरलीकरण) विधेयक 2018 कृषि पंत भवन की अलमारी में बंद है, 8 वर्षों में भी यह विधेयक विधानसभा तक नहीं पहुंच सका, जबकि कृषि पंत भवन से विधानसभा की दूरी 2 किलोमीटर से भी कम है। इसी प्रकार कृषि उपजों की मजबूरीवश बिक्री को रोकने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ग्राम सेवा सहकारी समितियों के स्तर पर खरीद का विस्तार करने, परिवहन व्यय में बचत को भी खाद्य सुरक्षा के लिए सहायक स्वीकार किया गया है।

किसानों की दोगुणा आय के लिए 13 अप्रैल 2016 को गठित अंतर मंत्रालयी समिति ने सितंबर 2018 में अपना अंतरिम प्रतिवेदन सौंप दिया था, जिसमें विभिन्न नीतियों, सुधारों और कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों की आय दो गुणा करने की अनुशंसाएं की गई। जिनमें आय वृद्धि के लिए किसानों की उपजों पर लाभकारी मूल्य, पशुधन उत्पादकता में वृद्धि, उत्पादन लागत में कमी जैसे सात स्त्रोतों की चर्चा है। इसके साथ ही विभिन्न योजना एवं कार्यक्रमों में कृषि उत्पादों पर लाभकारी मूल्यों की प्राप्ति के द्वारा आय वृद्धि करने का मार्ग प्रशस्त किया गया। उस हेतु से उत्पादन लागत पर कम से कम डेढ़ गुना लाभांश जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण करने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने, मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराने, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उच्च प्रौद्योगिकी को प्रोन्नत करने, खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने, किसानों की आय के स्थिरीकरण के लिए प्राकृतिक आपदाओं के कारण कृषि में होने वाले जोखिमों की सरकार द्वारा प्रतिपूर्ति करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसे उपायों के लिए बजटीय प्रावधान किए गए। उनके क्रियान्वयन में सरकार गंभीर नहीं होने से अपेक्षित परिणाम नहीं आ पाए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के आरंभ के पांच वर्षों में बीमा कंपनियों ने 34,000 करोड रुपए से अधिक प्राप्त किये। इस योजना में "धन किसानों का, तंत्र सरकारों का और लाभ कंपनियों का" होने से कंपनियां मालामाल हो गई और किसानों से बीमा के प्रीमियम राशि के उपरांत भी बीमा क्लैम प्राप्त करना एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने जैसा हो गया। आधे अधूरे मन से किए गए प्रयासों से इच्छित परिणाम आना संभव नहीं है। इसके लिए कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिए जाने को वर्ष 2017 के तारांकित प्रश्न संख्या 44 द्वारा भारत सरकार ने संसद में स्वीकार किया है। यह स्थिति तो तब है जब प्रधानमंत्री के उद्बोधन में कृषि भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक जीवन की नींव है, किसानों की समृद्धि के बिना देश की समृद्धि संभव नहीं है, यही विकसित भारत के स्वप्न की आधारशिला है, जैसे तथ्यों की स्वीकारोक्ति है। इसी उद्बोधन में किसानों के सामर्थ्य का भी उ

भाजपा ने किया सभी 37 सीटों पर जिला प्रमुख चुनाव लड़ने का ऐलान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पंचायत चुनावों में भाजपा के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन के बाद प्रदेश संगठन में चल रहे सियासी मंथन के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जिला प्रमुख चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश के सभी 37 जिलों में जिला प्रमुख का चुनाव लडेगी। पार्टी किसी भी स्थान पर चुनावी मैदान नहीं छोड़ेगी, और अपने दम पर मुकाबला करेगी।

चुनाव में हार के जिम्मेदारों पर कार्रवाई के सवाल पर मदन राठौड़ ने साफ कहा कि जवाबदेही तय करने में कोई नहीं बचेगा, वे खुद भी नहीं। चुनाव हर परिस्थिति में लड़ना पार्टी का दायित्व है, हम कोई भी स्थान क्यों छोड़े, सभी जिलों में चुनाव लडेंगे और जो भी परिस्थितियां सामने आएंगी, उनका मुकाबला करेंगे। पंचायत चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद जिला प्रभारियों पर कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम भी बचे हुए नहीं हैं, सब पर कार्रवाई होगी। उनके इस बयान को प्रदेश भाजपा में जिम्मेदारी तय करने और संगठनात्मक स्तर पर संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

- **सत्ता और संगठन में फेरबदल को लेकर पूछे गए सवाल पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि "हमारा काम है कि जिस मोर्चे पर सैनिक को भेजा जाए, वह वहां अपना दायित्व निभाए। किसे किस मोर्चे पर भेजना है, यह सेनापति का काम है।"**
- **हॉर्स ट्रेडिंग के आरोपों पर मदन राठौड़ ने कहा "हॉर्स ट्रेडिंग तो अशोक गहलोत करते हैं। कांग्रेस के नेता हमेशा खरीद-फरोख्त करते आए हैं। गहलोत जब मुख्यमंत्री बने थे, तब उनकी सरकार अल्पमत में थी। उस समय बसपा विधायकों और निर्दलीय विधायकों का समर्थन हासिल किया गया था।"**

सत्ता और संगठन में फेरबदल को लेकर पूछे गए सवाल पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि हमारा काम है कि जिस मोर्चे पर सैनिक को भेजा जाए, वह वहां अपना दायित्व निभाए। किसे किस मोर्चे पर भेजना है, यह सेनापति का काम है। उनके इस बयान से संगठन में संभावित बदलाव को लेकर चल रही चर्चाओं को और हवा मिली है।

कांग्रेस नेताओं की ओर से जिला परिषद सदस्यों की खरीद-फरोख्त की आशंका जताने पर राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि हॉर्स ट्रेडिंग तो अशोक गहलोत करते हैं। कांग्रेस के नेता हमेशा खरीद-फरोख्त करते आए हैं। गहलोत जब मुख्यमंत्री बने थे, तब उनकी सरकार अल्पमत में थी। उस समय बसपा विधायकों और निर्दलीय विधायकों का समर्थन हासिल किया गया था।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सचिन पायलट की बगावत के दौरान विधायकों को होटलों में ठहराने की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय विधायकों पर दबाव बनाने और उन्हें लालच देने के प्रयास किए गए थे। हॉर्स ट्रेडिंग में कांग्रेस के नेता माहिर हैं, भाजपा ने तो जनादेश को स्वीकार किया है। पंचायत चुनाव परिणामों के बाद केंद्रीय नेतृत्व की ओर से बुलाए जाने के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि उन्हें अभी तक दिल्ली से कोई आमंत्रण नहीं मिला है। हालांकि केंद्रीय नेतृत्व कभी भी किसी को भी बुला सकता है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तंज कसते हुए राठौड़ ने कहा कि डोटासरा बिना गेंद के फुटबॉल खेलते रहते हैं। थोड़ा परिणाम पक्ष में क्या आ गया, अपनी भुजाएं फड़काने लगते हैं।

उन्होंने कांग्रेस के ईवीएम संबंधी रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस हारने पर ईवीएम को खराब बताती है, जबकि जीतने पर उसी ईवीएम को सही मानती है। संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव प्रक्रिया पर इस तरह सवाल उठाना कांग्रेस का दोहरा चरित्र दर्शाता है।

400 करोड़ की "ई-स्क्रिप" चोरी मामले में 9 महीने से फरार आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर थाना पुलिस ने करीब 400 करोड़ रुपए की "ई-स्क्रिप" चोरी और धोखाधड़ी के मामले में नौ महीने से फरार चल रहे एक आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ज्ञान रंजन स्वान के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की गई "ई-स्क्रिप" के हस्तांतरण, बिक्री और इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।



आरोपी ज्ञान रंजन

स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश पासवान के अनुसार आरोपी मुख्य अभियुक्तों के साथ मिलकर चोरी की गई "ई-स्क्रिप" को अपने "आईस गेट" खाते में ट्रांसफर करवाता था। भारतीय सीमा शुल्क विभाग के द्वारा 'आईस गेट अकाण्डट' बनाया जाता है जिसमें आयात-निर्यात कस्टम, ब्रोकर से जुड़े दस्तावेज, बिल, ड्यूटी भुगतान और रिफण्ड मिलता है। आरोपी इन स्क्रिप को आयातकों को बेच दिया जाता था। बिक्री से मिलने वाली रकम आरोपी मुख्य अभियुक्तों के साथ आपस में बांट लेते थे। साइबर थाना पुलिस पिछले 9 महीने से आरोपी की तलाश में जुटी थी। आखिरकार विशेष टीम ने गुजरात में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी में सहायक उप निरीक्षक (साइबर कमांडो) ओमप्रकाश और कांस्टेबल शिवकुमार की अहम भूमिका रही।

पुलिस ने इस साइबर घोटाले का खुलासा करते हुए अप्रैल 2026 में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें जोधपुर निवासी सुल्तान खान, नंदकिशोर, अशोक कुमार भंडारी और प्रमोद खत्री तथा पाली निवासी निर्मल सोनी शामिल थे। इनमें से चार आरोपी फर्जी डिजिटल हस्ताक्षर तैयार करने का काम करते थे। जांच में सामने आया था कि आरोपियों ने विदेश व्यापार महानिदेशालय के पोर्टल पर देशभर की 400 से अधिक कंपनियों के निदेशकों की प्रोफाइल में बदलाव कर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की। आरोपियों ने 400 से अधिक फर्जी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र तैयार किए थे। पुलिस जांच में एक डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से करीब 93 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया था। पुलिस के अनुसार, प्रत्येक खाते से औसतन करीब एक करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई, जिससे कुल घोटाले की राशि करीब 400 करोड़ रुपए आंकी गई। पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी आधार और पैन कार्ड के आधार पर डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र तैयार करवाते थे। इसके बाद विदेश व्यापार महानिदेशालय पोर्टल पर कंपनियों के निदेशकों की प्रोफाइल बदलकर नई आईडी बनाई जाती थी। इस प्रक्रिया के जरिए निर्यातकों के खातों में जमा छूट की राशि को ऑनलाइन फर्जी म्यूल खातों में ट्रांसफर किया जाता था। बाद में इस राशि को अन्य लोगों के माध्यम से बेचकर नकदी हासिल की जाती थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

चुनाव में खरीद-फरोख्त की कोशिशें लोकतंत्र के लिए चिंताजनक : जूली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ जनता में व्याप्त नाराजगी अब इस सरकार के जाने के बाद ही खत्म होगी। भाजपा नेतृत्व मुख्यमंत्री बदलकर सत्ता विरोधी माहौल को खत्म करने का सपना देख रहा है, लेकिन उसे समझ लेना चाहिए कि मुख्यमंत्री ही नहीं, पूरा मंत्रिमंडल बदल देने के बावजूद प्रदेश की जनता भाजपा को माफ करने वाली नहीं है।

जूली ने मंगलवार को पत्रकार बंधुओं से बातचीत करते हुए कहा कि राजस्थान में अब केवल चेहरा नहीं, राज बदलेगा। भाजपा नेतृत्व यदि यह मान रहा है कि मुख्यमंत्री बदलने से चुनावी हार के असर को खत्म किया जा सकता है तो यह उसकी बड़ी भूल है।

प्रदेश की जनता सरकार के दो वर्षों के कामकाज को देख रही है। भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं है, अपराध लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं और आमजन अपनी समस्याओं को लेकर परेशान है। जनता के बीच भाजपा के प्रति नाराजगी इतनी गहरी हो चुकी है कि अब लोग कहने लगे हैं कि कमल का फूल हमारी भूल।

जूली ने जिला प्रमुख एवं पंचायत समिति प्रधान पदों के चुनाव को लेकर कहा कि कुछ स्थानों पर भाजपा वही हथकंडे अपना रही है, जो उसने निकाय चुनावों के दौरान आजमाए थे। जहां किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता और निर्दलीय या अन्य दलों के समर्थन से जिला प्रमुख अथवा प्रधान चुना जाता है, वहां किसी को आपत्ति नहीं हो सकती। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन जहां दबाव, जबरदस्ती और कथित खरीद-फरोख्त के जरिए जनादेश को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है, वहां यह लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि जनता ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर जनप्रतिनिधियों को चुना है। उनके फैसले का सम्मान होना चाहिए। सत्ता के दबाव या अन्य प्रलोभनों के जरिए निर्वाचित प्रतिनिधियों की स्वतंत्रता को प्रभावित करना लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा के अनुरूप नहीं है। भाजपा को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में सत्ता का आधार जनादेश होता है, न कि जोड़-तोड़ और दबाव की राजनीति।

राज्यपाल ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे गुरुनानक जयंती, प्रकाश पर्व पर जयपुर स्थित गुरुद्वारे में आयोजित विशेष शबद कीर्तन समागम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका और गुरबाणी सुनते हुए इसे भारतीय धर्म और अध्यात्म परंपरा की अनुपम दृष्टि बताया। बागडे ने गुरु नानक की शिक्षाओं का स्मरण करते हुए अपने किरत करो, नाम जपो, वंड छको के सिद्धांतों का अधिकाधिक प्रसार करने का आव्हान किया।

राजस्थान में 6000 मेगावाट-ऑवर बैटरी भंडारण परियोजनाएं नवंबर 2027 तक पूरी होंगी

जयपुर (कासं)। राजस्थान में 6000 मेगावाट-ऑवर क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) परियोजनाओं की प्रगति को लेकर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने विद्युत भवन में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी परियोजनाओं को दिसंबर 2026 से नवंबर 2027 के बीच निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय पर काम पूरा नहीं करने वाले डेवलपर्स के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

- **ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने डवलपर्स को समयबद्ध काम के निर्देश दिए**
- **देरी होने पर होगी सख्त कार्रवाई**
- **गिरल और सूरतगढ़ की परियोजनाएं दिसंबर 2026 तक पूरी करें : ऊर्जा मंत्री**



ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्थान में 6000 मेगावाट-ऑवर क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली प्रोजेक्ट पर चर्चा की।

बैठक में ऊर्जा विभाग, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम तथा एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम द्वारा चयनित बीईएसएस डेवलपर्स के प्रतिनिधि शामिल हुए। परियोजनाओं की समय-सीमा, निर्माण कार्य, भूमि उपलब्धता, ग्रिड कनेक्टिविटी और आवश्यक स्वीकृतियों की समीक्षा की गई। मंत्री ने जेएसडब्ल्यू को गिरल और सूरतगढ़ में स्थापित की जा रही 250 मेगावाट-ऑवर क्षमता की परियोजनाएं दिसंबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए। उत्पादन निगम के अधिकारियों को सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी करने को कहा। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिशा-निर्देशन में राजस्थान को ग्रीन एनर्जी हब बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बीईएसएस परियोजनाएं नवीकरणीय ऊर्जा के बेहतर उपयोग, ग्रिड की स्थिरता और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इनसे बिजली की अधिक मांग के समय सस्ती बिजली भी उपलब्ध हो सकेगी।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) और पीएसडीएफ योजनाओं के तहत 6000 मेगावाट-ऑवर क्षमता के कार्यादेश जारी किए गए हैं। इनमें राज्य घटक के तहत 1000, केंद्रीय घटक के तहत 1000 तथा पीएसडीएफ योजना के तहत 4000 मेगावाट-ऑवर की परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के लिए 1.77 लाख से 2.85 लाख रुपए प्रति मेगावाट प्रति माह की दर प्राप्त हुई है। बैठक में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता, राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक शिव प्रसाद नकाते, ऊर्जा सलाहकार नवीन अरोड़ा, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी सहित वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न डेवलपर कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनमें जेएसडब्ल्यू लियो एनर्जी, सोलर वर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस, ओरियाना पावर, रेज पावर एक्सपर्ट्स, सोलर91 क्लीनटेक, इनॉक्स रिन्यूएबल सॉल्यूशंस और पतंजलि रिन्यूएबल एनर्जी सहित अन्य कंपनियां शामिल थीं।

पैनल वकीलों की नियुक्ति में पक्षपात बताकर हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को आदेश भेजा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड से जुडे मामले में पैनल वकीलों की नियुक्ति में पक्षपात बताकर आदेश की कॉपी मुख्य सचिव को भेजी है।

अदालत ने मुख्य सचिव को कहा कि नौकरशाही के प्रमुख होने के चलते उन्हें इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि डिस्कॉम में पैनल वकीलों की नियुक्ति को लेकर क्या हो रहा है। वहीं अदालत ने कहा कि यदि निगम आठ सप्ताह में निचली अदालत में पांच लाख रुपए जमा करा देता है तो निचली अदालत के गत 3 अगस्त के आदेश के तहत शेष राशि की वसूली पर आगामी सुनवाई तक रोक रहेगी। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की अपील पर दिए।

- **अदालत ने मुख्य सचिव को कहा कि, नौकरशाही के प्रमुख होने के चलते उन्हें इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि डिस्कॉम में पैनल वकीलों की नियुक्ति को लेकर क्या हो रहा है?**

अदालत ने कहा कि अधिवक्ताओं की पैनल में नियुक्ति के दौरान वरिष्ठता और अनुभव को नजरअंदाज किया जा रहा है। यह स्थिति पक्षपात और भाई-भतीजावाद को दर्शाती है। अदालत ने कहा कि मामले के कानूनी बिंदु के संबंध में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए आदेश को भी अपील में नहीं उठाया गया।

अदालत ने कहा कि निचली अदालत में घातक दुर्घटना अधिनियम की धारा 1 ए के तहत दावा पेश किया गया था, जबकि अदालत ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत गुणक विधि और भविष्य की संभावना के आधार पर राशि तय की है।

अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट हाल ही में एक मामले में तय कर चुका है कि घातक दुर्घटना के मामलों और करंट से मौत के मामले में राशि की गणना में गुणक पद्धित नहीं अपनाने को कहा है, लेकिन निगम के वकील ने इसे अपील में आधार ही नहीं बनाया। जिससे साबित है कि वकील पूरी तैयारी से नहीं आ रहे हैं।

मामले के अनुसार मुनेश कंवर ने बिजली के करंट से मौत के मामले में झुंझुनूं के अतिरिक्त जिला न्यायालय में दावा किया था। जिसमें अदालत ने गत तीन अगस्त को अवार्ड पारित कर मुआवजा राशि तय की थी। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि निचली अदालत ने मुआवजे की गणना में गलत पद्धित अपनाई है। वहीं मृतक की उम्र 45 और उसकी मां की उम्र 50 साल बताई गई है, जो कि असंभव है।

केनरा बैंक के एटीएम में चोरी का प्रयास

जयपुर। जयपुर के कोटखावदा थाना क्षेत्र के गरुडवासी गांव में अज्ञात बदमाशों ने केनरा बैंक के एटीएम में चोरी का प्रयास किया। बदमाशों ने एटीएम का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वारदात को अंजाम देने से पहले वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ दिया। इसके बाद गैस कटर की मदद से एटीएम मशीन को नुकसान पहुंचाकर नकदी निकालने की कोशिश की।

जानकारी के अनुसार बदमाशों ने पहले एटीएम के शटर को तोड़ा और फिर अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षितग्रस्त कर दिया। इसके बाद गैस कटर से मशीन को जलाकर नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया।

मतगणना में धांधली का आरोप लगाकर प्रत्याशी ने मोर्चा खोला

जयपुर। पंचायत समिति तूंगा की ग्राम पंचायत रोजवाडी में 16 नवंबर को हुए पंचायत चुनाव की मतगणना और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। चुनाव में प्रत्याशी रहीं सोनू देवी ने मतदान से लेकर मतगणना तक कई गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि मतदान के दौरान मतपेटी खुली मिली, मतगणना के समय मतदान कक्ष की बिजली काट दी गई और आपत्तियों के बावजूद पुनर्मतगणना कराए बिना परिणाम घोषित कर दिया गया।

प्रत्याशी सोनू देवी के अनुसार मतदान के दौरान मतपेटी खुली हुई मिली थी। इस संबंध में प्रत्याशियों ने मौके पर मौजूद निर्वाचन अधिकारी को शिकायत दी थी। उनका कहना है कि अधिकारी ने भी मतपेटी खुली होने की बात देखी और घटना को रिकॉर्ड पर लेने का आश्वासन दिया था, ताकि आवश्यकता पड़ने पर दोबारा मतदान कराया जा सके। इसके बावजूद न तो घटना को आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज किया गया और न ही नियमानुसार कार्रवाई की गई।

- **जिला निर्वाचन अधिकारी से शिकायत भी की**

प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि मतगणना के दौरान कुछ समय के लिए मतदान कक्ष की बिजली काट दी गई। उन्हें आशंका है कि इसी दौरान मतगणना में गड़बड़ी की गई। मतदान केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद उनकी रिकॉर्डिंग नहीं दिखाई गई। सोनू देवी ने बार-बार सीसीटीवी फुटेज दिखाने और पुनर्मतगणना कराने की मांग की, लेकिन अधिकारियों ने उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने मतगणना के दौरान कई बार पुनर्मतगणना कराने की मांग की और सीसीटीवी फुटेज दिखाने को कहा, लेकिन उनकी आपत्तियों को अनसुना कर दिया गया। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने उन पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया और कहा कि हस्ताक्षर तो करने ही पड़ेंगे, बाद में मतगणना होती रहेगी। इसके बाद उनकी असहमति के बावजूद परिणाम घोषित कर दिया गया।

कांग्रेस में जिला प्रमुख उम्मीदवारों के नाम लगभग तय हुए, परंतु घोषणा नहीं

प्रदेश भाजपा की ओर से सभी 37 जिलों में चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद प्रदेश कांग्रेस ने उम्मीदवारों के नाम गोपनीय रखे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश भाजपा की ओर से प्रदेश में सभी 37 जिलों में जिला प्रमुख का चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद प्रदेश कांग्रेस के रणनीतिकार जिला प्रमुख के उम्मीदवार का नाम निर्धारित करने में फूंक-फूंक कर कदम आगे बढ़ा रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्रदेश कांग्रेस ने मंगलवार रात तक लगभग उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए, लेकिन उनके नामों की घोषणा नहीं की गई है। इन नामों पर से पर्दा बुधवार सुबह 10 बजे नामांकन के समय ही उठ पाएगा।

ज्ञात रहे कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पिछले कुछ दिनों से लगातार जयपुर में अपने सरकारी आवास और प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बैठकर प्रदेश भर के पार्टी की ओर से नियुक्त किए गए जिला पर्यवेक्षक, पार्टी के जिला अध्यक्ष, पार्टी के जनप्रतिनिधियों और जिला स्तर पर मौजूद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से लगातार जिला प्रमुख पद के उम्मीदवार के लिए चर्चा करके आवश्यक फीडबैक ले रहे हैं, जिसमें जानकारी मिली है कि प्रदेश कांग्रेस ने कई जिला परिषदों में जिला प्रमुख के उम्मीदवार के लिए करीब-करीब नाम निर्धारित कर लिए हैं, सिर्फ कुछ ही जिला परिषद बाकी है, जहां जिला प्रमुख के उम्मीदवार के नाम को लेकर कांग्रेस के नेताओं में मंथन का दौरा जारी है, लेकिन कांग्रेस पार्टी जिला प्रमुख पद के उम्मीदवारों के नाम का ऐलान फिलहाल सार्वजनिक करने के मूड में नहीं दिख रही है, आज सुबह करीब 10 बजे जब जिला प्रमुख पद के लिए प्रदेश में विभिन्न जिलों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी, तभी उम्मीदवारों के नाम से पर्दा उठ पाएगा।

- **कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, जयपुर जिला परिषद के लिए युवक कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सिंह सूरा का नाम बताया जा रहा है, जिन्होंने अशोक तंवर को चुनाव में हराया था। इसी तरह बीकानेर में कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे दिवंगत रामेश्वर डूडी की पुत्रवधू निकिता डूडी तथा सीकर में सुनीता गठाला, हनुमानगढ़ में रेनू जांगू, फलौदी में कुंभ सिंह पातावत, चित्तौड़गढ़ में रतनी देवीजगपुरा, प्रतापगढ़ में इंदिरा मीणा, धौलपुर में अनीशा सिंह का नाम जिला प्रमुख पद के लिए करीब करीब तय माना जा रहा है।**

जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस की ओर से जिन जिला परिषदों में करीब-करीब जिला प्रमुख पद के उम्मीदवार के लिए नाम निर्धारित कर दिए गए हैं, उनमें जयपुर जिला परिषद के लिए यशवीर सिंह सूरा का नाम बताया जा रहा है, जिन्होंने अशोक तंवर को चुनाव में हराया था।

यशवीर सिंह पूर्व में युवक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रह चुके हैं और इन्हें पार्टी के संगठन के कामकाज का भी अच्छा अनुभव है।

इसी तरह से बीकानेर में कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे दिवंगत रामेश्वर डूडी की पुत्रवधू निकिता डूडी को उम्मीदवार बनाए जाने का निर्णय करीब करीब ले लिया गया है, इसी तरह से सीकर में सुनीता गठाला, हनुमानगढ़ में रेनू जांगू, फलौदी में कुंभ सिंह पातावत, चित्तौड़गढ़ में रतनी देवीजगपुरा, प्रतापगढ़ में इंदिरा मीणा, धौलपुर में अनीशा सिंह का नाम जिला प्रमुख पद के लिए करीब करीब तय कर लिया गया है।

पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस के रणनीतिकार जिला प्रमुख पद के चयन के संदर्भ में इस बात का भी पूरा ख्याल रख रहे हैं कि उम्मीदवारों के नाम का ऐलान होने के बाद पार्टी के वार्ड मेंबरों में नाराजगी नहीं हो, और सभी वार्ड मेंबर पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में वोट करें, क्योंकि भाजपा ने जिस तरह से 37 जिला परिषदों में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है, उसे देखते हुए प्रदेश कांग्रेस के रणनीतिकार यह सोच रहे हैं कि अगर कांग्रेस पार्टी की और से उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करने के बाद अगर कहीं पर भी पार्टी के वार्ड मेंबरों में नाराजगी होगी तो उसका फायदा उठाने में बीजेपी पीछे नहीं हटेगी, इसीलिए प्रदेश कांग्रेस के रणनीतिकार काफी सोच विचार करके और सामूहिक सहमति बनाकर ही हर जिला परिषद में ऐसे उम्मीदवार का नाम निर्धारित कर रहे हैं, जिसको लेकर पार्टी के वार्ड मेंबरों में नाराजगी नहीं हो।जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस के नेतृत्व ने भरतपुर और डीग में कांग्रेस पार्टी के वार्ड पार्षदों के बिखराव की स्थिति के बाद प्रदेश में उन सभी जिला परिषदों में जहां कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला है, वहां पार्टी के जिलों के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेताओं और पार्टी के जिला अध्यक्ष को अंतिम समय तक पार्टी के वार्ड मेंबरों के साथ लगातार संवाद करके उन्हें एकजुट बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विरोधी दलों को कांग्रेस पार्टी के वार्ड मेंबरों को तोड़ने का अवसर न मिल सके।

जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस उन जिला परिषदों में भी जहां पर किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं है, लेकिन कांग्रेस पार्टी सबसे ज्यादा सीट लेकर पहले नंबर पर है, वहां भारत आदिवासी पार्टी, निर्दलीय और अन्य राजनीतिक दलों के पार्षदों का सहयोग लेने का प्रयास कर रही है, ताकि पार्टी का बोर्ड बनाया जा सके।

जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस और भारत आदिवासी पार्टी का हो सकता है गठबंधन!

जयपुर । प्रदेश में जिला प्रमुख के चुनाव में कांग्रेस और भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के बीच आपस में गठबंधन होने की संभावना है, हालांकि भाजपा भी बीएपी के नेताओं के संपर्क में है, लेकिन बीएपी ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं, हालांकि डूंगरपुर में कांग्रेस पार्टी के जिला पर्यवेक्षक और वरिष्ठ नेता रफीक खान, कांग्रेस के विधायक गणेश घोघरा तथा कांग्रेस पार्टी के कुछ अन्य क्षेत्रीय वरिष्ठ नेताओं के साथ भारत आदिवासी पार्टी के बड़े लीडर मोहनलाल रौत और शांतिलाल रोत के साथ सर्किट हाउस में एक बड़ी बैठक होने की जानकारी मिली है, बैठक म कांग्रेस पार्टी के नेता भारत आदिवासी पार्टी के साथ गठबंधन करने के विषय पर गंभीरता से चर्चा कर रहे हैं, ताकि बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और सलूंबर में भारतीय जनता पार्टी को अपना जिला प्रमुख बनाए जाने से रोका जा सके। इन सभी जिलों में किसी भी राजनीतिक दल को पूरा बहुमत नहीं मिला है इनमें कहीं पर कांग्रेस पार्टी पहले नंबर पर है, तो कहीं पर भाजपा, तो कहीं पर भारत आदिवासी पार्टी को भी अच्छी सीट मिली है, इन सभी जिलों में भारत आदिवासी पार्टी किंग मेकर के रूप में अपनी भूमिका निभा सकती है, इसीलिए कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों के नेताओं के साथ भारत आदिवासी पार्टी के नेताओं की लगातार मीटिंग हो रही है, अब देखने वाली बात यह है कि भारत आदिवासी पार्टी कांग्रेस के साथ जुड़ेगी या फिर भाजपा के साथ।

- **डूंगरपुर में दोनों ही दलों के बड़े नेताओं की बैठक हुई**

हालांकि भारत आदिवासी पार्टी के विधायक जय कृष्णा पटेल ने अपनी पार्टी का जिला प्रमुख बनाने की बात कही है, पटेल ने बांसवाड़ा में अपनी पार्टी का जिला प्रमुख बनाने की बात कही है तो दूसरी तरफ डूंगरपुर में भाजपा और भारत आदिवासी पार्टी दोनों में प्रत्येक को 14-14 सीट पर जीत मिली है इसलिए डूंगरपुर में भी भारत आदिवासी पार्टी अगर भारतीय जनता पार्टी से गठजोड़ करती है तो यहां भी अपनी पार्टी का जिला प्रमुख बनाने का दावा कर सकती है। फिलहाल राजनीतिक विश्लेषकों का भी कहना है कि भारत आदिवासी पार्टी के नेता काफी सोच समझकर कदम उठाएंगे, भारत आदिवासी पार्टी के नेता काफी महत्वाकांक्षी प्रवृत्ति के हैं, और सभी नेता अपनी पार्टी की जड़ों को मजबूत करने के लिए भी हमेशा गंभीर रहे हैं, इसलिए कांग्रेस और भाजपा दोनों राजनीतिक दलों में से किस पार्टी के साथ गठबंधन करने से उन्हें फायदा होगा, इस विषय पर भी गंभीरता से मनन कर रहे है।

फैक्टरी में टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस के रिसाव से दो मजदूरों की मौत

भीलवाड़ा जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित आरएसडब्ल्यूएम फैक्टरी में हादसा हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। हमीरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित आरएसडब्ल्यूएम फैक्टरी में काले पानी के टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस के रिसाव से दो मजदूरों की मौत हो गई। घटना के बाद फैक्टरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि एक मजदूर को बचाने के प्रयास में दूसरा मजदूर भी टैंक में उतरा और दोनों गैस की चपेट में आ गए।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, फैक्टरी में काले पानी के टैंक की सफाई का कार्य किया जा रहा था। इस दौरान एक मजदूर सफाई के लिए टैंक के अंदर गया। काफी देर तक उसके बाहर नहीं आने पर बाहर मौजूद दूसरे मजदूर ने उसकी तलाश में टैंक में प्रवेश किया। टैंक के भीतर मौजूद जहरीली गैस के प्रभाव से दोनों बेहोश हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों के शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं।



मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों मजदूरों को बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

- बताया जा रहा है कि एक मजदूर को बचाने के प्रयास में दूसरा मजदूर भी टैंक में उतरा और दोनों गैस की चपेट में आ गए
- प्रारंभिक तौर पर दोनों मजदूरों के जयपुर क्षेत्र के निवासी होने की जानकारी सामने आई है, परिजनों को सूचित किया

प्रारंभिक तौर पर दोनों मजदूरों के जयपुर क्षेत्र के निवासी होने की जानकारी सामने आई है। परिजनों को सूचित कर दिया गया है और पुलिस की ओर से अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि इस हादसे के बाद औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। बंद टैंकों की सफाई के दौरान गैस, वेंटिलेशन और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग को लेकर प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर जांच के दायरे में आने की संभावना है। पुलिस और संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच कर घटना के कारणों और जिम्मेदारियों का पता लगाया जाएगा।

यूपी पुलिस के जवान ने पड़ोसी की गोली मारकर हत्या की

धौलपुर/भरतपुर, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित अर्जुन नगर कॉलोनी में मंगलवार सुबह प्रेम प्रसंग से जुड़े विवाद ने खूनी रूप ले लिया। उत्तर प्रदेश पुलिस की पीएसी में तैनात एक जवान ने अपने पड़ोसी बहादुर कश्यप की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने मृतक की गर्दन और छाती पर दो गोलियां दागीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जवान रोहित और मृतक की पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

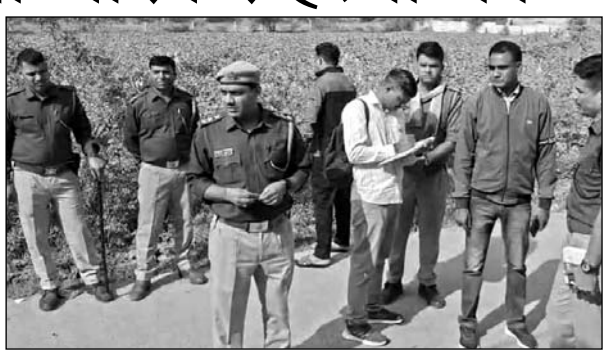

हत्या की वारदात के बाद पुलिस टीम व उच्चाधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाये।

- पुलिस ने आरोपी जवान रोहित और मृतक की पत्नी को हिरासत में लिया

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब सात बजे अर्जुन नगर में उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी। बताया जा रहा है कि आरोपी रोहित मृतक बहादुर के घर पहुंचा था। वहां किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर देसी कट्टे से बहादुर पर दो फायर कर दिए। गोली लगने से वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा और मौके पर ही दम तोड़ दिया।

प्रारंभिक पुलिस जांच में हत्या के पीछे मृतक की पत्नी और आरोपी जवान के बीच कथित प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच नजदीकियों को लेकर मृतक और आरोपी के बीच पहले भी विवाद हुआ था। एक अन्य जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह पत्नी को साथ ले जाने की बात को लेकर भी कहासुनी हुई थी। हालांकि, हत्या के वास्तविक कारणों और घटनाक्रम की पुलिस विस्तृत जांच कर रही है। इस सनसनीखेज वारदात ने एक परिवार को उजाड़ दिया। मृतक बहादुर कश्यप के तीन बेटे हैं। पिता की अचानक हुई हत्या से तीनों बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही सीओ सिटी प्रदीप नेहरा और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया।

पुलिस ने आरोपी रोहित और मृतक की पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सीओ प्रदीप नेहरा के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़े विवाद का प्रतीत हो रहा है। पुलिस हत्या के कारणों, घटनाक्रम और किसी अन्य व्यक्ति की संभावित भूमिका सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कोटा : ज्वेलरी की दुकान में हुई चोरी की वारदात का खुलासा

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर इलाके में ज्वेलरी की दुकान मे हुई चोरी के दर्ज मामले में जवाहर नगर पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही मामले में एक नाबालिग को विधि से संघर्षरत निरूद्ध किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 23 नवम्बर को फरियादी मुकुट बिहारी सोनी ने जवाहर नगर थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि दोपहर 3.45 बजे में अपनी दुकान महावीर ज्वेलर्स पर दुकानदारी कर रहा था, तभी एक व्यक्ति दुकान पर आया उसने अंगूठी दिखाने को कहा और देखकर वापस कर दी। उसके बाद सोने की चैन दिखाने के लिए बोला तो उसको एक-एक करके 5 सोने की चैन दिखाई तो वह व्यक्ति मोबाईल से किसी को वीडियो काल करके चैनों को दिखा रहा था। फरियादी ने रिपोर्ट मे कहा कि उसका ध्यान कहीं ओर गया तो वह व्यक्ति नजर चुरा कर 5 सोने की चैन उठा कर ले भागा जिसे पकड़ने की कोशिश की तो वह व्यक्ति आगे बाइक लेकर खड़े अपने अन्य साथी के साथ मौके से फरार हो गया। चोरी हुई सोने की चैनों की कीमत लगभग 6 से 7 लाख रूपये है एवं सभी चैनों पर 20 कैरेट 83.33 का होलमार्क लगा हुआ है।

- पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को विधि से संघर्षरत निरूद्ध किया है

शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन मे जवाहर नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा घटना स्थल के आसपास लगे सैकडो सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया एवं कई संदिग्ध व आदतन अपराधियों पर निगरानी रखते हुये चोरी व नकबजनी के पुराने चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ की गई। पुलिस ने ज्वेलरी की दुकान में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुये आरोपी बालिता रोड कुन्हाडी निवासी दिलीप पंकज चोटी (25) को गिरफ्तार किया गया एवं मामले में एक नाबालिग को निरूद्ध किया गया है।

जोधपुर में अलग-अलग जगह से तीन वाहन चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर में अलग-अलग स्थानों से तीन गाड़ियां चोरी हो गई। घर के बाहर से अज्ञात चोर बोलेरो चोरी कर ले गए, वहीं दो जगहों से बाइक पार हो गई। सूरसागर पुलिस के अनुसार गढा रतनपुर शेरगढ़ हाल अंबेडकर नगर कालीबेरी निवासी भीमाराम ने रिपोर्ट दी कि उसकी एक बोलेरो घर के बाहर खड़ी की थी, जोकि रात के समय में अज्ञात चोर चुरा ले गए। गाड़ी 19 नवंबर को चोरी हुई थी। दूसरी तरफ प्रतापनगर पुलिस ने बताया कि हड्डी मिल बासनी हाल कबीर नगर की जीनत पत्नी अनवर खां ने रिपोर्ट दी कि उसकी बाइक आखलिया चौराहा के पास एक पेट्रोल पंप के सामने से चोरी हो गई। इधर शास्त्रीनगर पुलिस के अनुसार रमजान का हत्था एकता नगर बनाड़ निवासी रिजवान की बाइक चोरी हो गई।

पंजाब से फरार तीन इनामी आरोपियों को कोटा ग्रामीण पुलिस ने डिटेन किया

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की मंडाना पुलिस टीम ने सूचना पर कार्रवाई करते हुए 20 हजार के फरार इनामी तीन आरोपियों को डिटेन किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि नारकोटिक्स कट्रोल ब्यूरो चंडीगढ़ जोनल यूनिट द्वारा सूचना मिली कि उनके यहां के तीन वांछित 20 हजार रूपये के इनामी आरोपी जो कोकिन व चरस के बड़े सप्लायर हैं, लम्बे समय से फरार चल रहे हैं। तीनों आरोपी कार से रवाना होकर उज्जैन से 8 लाईन होते हुए दिल्ली की तरफ जाने की फिराक में है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सूचना पर पुलिस उप अधीक्षक नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।



कोटा में मंडाना पुलिस टीम ने बीस हजार के फरार इनामी तीन आरोपियों को डिटेन किया।

- पुलिस को नारकोटिक्स कट्रोल ब्यूरो चंडीगढ़ जोनल यूनिट द्वारा सूचना मिली थी कि उनके तीन वांछित आरोपी कार से दिल्ली की तरफ जाने की फिराक में है

गठित टीम ने दिल्ली-मुम्बई हाइवे पर निगरानी एंव नाकाबंदी शुरू की। नाकाबंदी में 8 लेन पर से आने-जाने वाले वाहनों को चेक किया गया एवं वाहन की टोल गेट जहाँ-जहाँ से निकली थी डिटेल प्राप्त की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि वाहनों की चेकिंग के दौरान एक कार तेज गति से आती हुई दिखाई दी, जिसे रोकने की कोशिश करने पर कार चालक ने नाकाबंदी तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन समय पर आगे बेरिकेटस व अन्य वाहन रोककर टर्नल के अन्दर ही घेराबंदी कर कार को रूकवाया।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए जिला मोहाली पंजाब थाना खरड़ के लांडरा रोड निवासी तेजपाल सिंह उर्फ लक्की लाहोरिया, कोटली रोड सुभाष नगर मुक्तसर पंजाब निवासी अंकुश कुमार मीढा उर्फ बिल्ला, लांडरा रोड थाना खरड जिला मोहाली पंजाब निवासी चरणजीत सिंह उर्फ नव लाहोरिया को डिटेन किया।

तीनों आरोपियों पर 20 हजार का ईनाम घोषित किया गया, जिनके खिलाफ नारकोटिक्स कट्रोल ब्यूरो चंड़ीगढ़ में दो प्रकरण दर्ज है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि आरोपियो को डिटेन करने के बाद नारकोटिक्स कट्रोल ब्यूरो चंड़ीगढ़ जोनल यूनिट को अवगत करवाया गया, जिन्होंने इन तीनों के वांछित अपराधी होने की पुष्टि की।

पाटन के ग्राम स्यालोदड़ा में बदहाल रास्तों से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ी

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा में बदहाल रास्तों की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। गांव के विभिन्न रास्तों पर जगह-जगह बिखरे पत्थर, जमा मलबा और उगी झाड़ियां ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। रास्तों की बदहाल स्थिति को लेकर ग्राम पंचायत की व्यवस्थाओं और जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के रोजमर्रा के आवागमन से जुड़े इन रास्तों पर हालात ऐसे हैं कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। दोपहिया वाहन चालकों को भी दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। वहीं, किसी आपात स्थिति में मरीज को अस्पताल पहुंचाना भी चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

- पत्थर, मलबे और झाड़ियों से अटे पड़े रास्ते, स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को परेशानी हो रही है
- ग्रामीणों के रोजमर्रा के आवागमन से जुड़े इन रास्तों पर हालात ऐसे हैं कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है

जानकारी के अनुसार स्थानीय स्तर पर सामने आए वीडियो और तस्वीरें गांव के रास्तों की बदहाल स्थिति की हकीकत बयां कर रहे हैं। इसके बावजूद रास्तों से मलबा हटाने, झाड़ियों की सफाई करवाने और आवागमन सुचारू बनाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की दरकार है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसी दिन गंभीर हादसा हो सकता है।

हाल ही में पंचायत राज चुनाव संपन्न हुए हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में नई पंचायतों के गठन के साथ विकास की उम्मीदें भी बढ़ी हैं। हालांकि नवनिर्वाचित सरपंचों के सामने फिलहाल विकास कार्यों के लिए बजट की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन और ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि गांव के सभी क्षतिग्रस्त एवं अवरुद्ध रास्तों का प्राथमिकता से निरीक्षण करवाया जाए। रास्तों से पत्थर और मलबा हटवाने के साथ झाड़ियों की सफाई करवाकर आवागमन सुचारू बनाया जाए।

अनियंत्रित ट्रक पलटा

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में 100 फीट रोड स्थित राजस्थान टेंट हाउस के पास मोड़ पर खाखले से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक के डिवाइडर और सड़क किनारे पलटने से खाखला सड़क व आसपास के क्षेत्र में बिखर गया। गनीमत रही कि हादसे के दौरान किसी वाहन चालक या राहगीर को गंभीर चोट नहीं आई।

स्थानीय लोगों ने स्थिति को संभालने में सहयोग किया। वहीं, जेसीबी की मदद से सड़क पर बिखरे खाखले को समेटने और यातायात व्यवस्था सुचारू करने की कार्रवाई की गई। मौके पर पहुंचे अन्य ट्रक के जरिए माल को शिफ्ट करने की व्यवस्था भी की गई। हादसे के चलते कुछ समय तक आवागमन में सावधानी बरतनी पड़ी। जेसीबी से माल हटाने और मार्ग की सफाई कर स्थिति सामान्य करने का कार्य जारी रहा।

बुजुर्ग और युवक से ठगी

सीकर, (निसं)। सीकर में 61 साल के बुजुर्ग और 36 साल के युवक से साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया है। बुजुर्ग के अकाउंट से 2.50 लाख और युवक के अकाउंट से 1 लाख रुपए निकले, जो अलग-अलग बैंक अकाउंट में ट्रांसफर हुए। अब पुलिस दोनों मामलों में जांच कर रही है।

बुजुर्ग नारुराम ने साइबर पुलिस थाने में शिकायत देकर बताया कि 21 नवंबर को उनके बैंक अकाउंट से 2.50 लाख रुपए निकल गए। कोई भी ओटीपी या कॉल उनके पास नहीं आया। मैसेज आने पर उन्हें अकाउंट से पैसे निकलने का पता चला। अकाउंट से जो रुपए निकले, वह अलग-अलग खातों में ट्रांसफर हुए। वहीं, 36 साल के युवक इंद्रकुमार ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनके बैंक अकाउंट से 1 लाख रुपए 22 नवंबर के दिन निकल गए।

अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले का भव्य समापन, विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए

अजमेर, (कासं)। अन्तर्राष्ट्रीय श्री पुष्कर मेला-2026 का समापन मंगलवार को भव्यता के साथ हुआ। समापन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी एवं जल संसाधन मंत्री सुरेशसिंह रावत ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। पुलिस महानिरीक्षक डॉ. रवि एवं जिला कलैक्टर लोक बन्धु ने भी विजेताओं का उत्साहवर्धन किया।

- पुष्कर मेला आत्मा, मन एवं शरीर को पवित्र करने का स्थल है : वासुदेव देवनानी



विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी एवं जल संसाधन मंत्री सुरेशसिंह रावत आदि ने विजेताओं को पुरस्कार दिये।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि पुष्कर मेला आत्मा, मन एवं शरीर को पवित्र करने का स्थल है। यह मेला सांस्कृतिक विरासत है। परम्पराओं और संस्कारों को इस मेले ने संजोए रखा है। यह मेला सामाजिक समरसता एवं आध्यात्मिकता का प्रतीक है। पुष्कर सरोवर सहित समस्त तीर्थ क्षेत्र की महिमा अपरम्पार है, विदेशी मन की शान्ति के लिए यहा आते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्म कॉरीडोर की परियोजना का काम आरम्भ हो गया है। इससे पुष्कर नए रूप में दिखाई देगा। पुष्कर के विकास में राजस्थान एवं भारत का विकास निहित है। पुष्कर सनातन संस्कृति की श्रेष्ठता का प्रतीक है।

केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक पहचान है। भारत विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति है। सनातन काल से भरने वाला पुष्कर मेला इसका प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पुष्कर के इस धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटक महोत्सव के दौरान सुंदर आयोजन किए गए। इन आयोजनों में कई प्रतियोगिताएं भी हुई। इन प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को निरन्तर आगे बढ़ने के प्रेरणा लेनी चाहिए। साथ ही उप विजेताओं को अगली प्रतियोगिता में विजेता बनने के लिए अभी से तैयारी आरम्भ कर देनी चाहिए। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि तीर्थराज पुष्कर का पूरे विश्व में विशिष्ट महत्व है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशन में सरकार पुष्कर के विकास के लिए पूरी गंभीरता के साथ काम कर रही है। पुष्कर विकास की बड़ी रूपरेखा तैयार कर कार्य किया जाएगा। उन्होंने मेले के सफल आयोजन पर सभी को बधाई दी।

मेला समापन की घोषणा मेला मजिस्ट्रेट गुरू प्रसाद तंवर ने की। समारोह में 150 से अधिक छात्राओं ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। ऊंट परेड एवं कला जत्था यात्रा का आयोजन भी किया गया। कला जत्था यात्रा में बीकानेर के रोबिले अनिल बोडा, जयपुर के प्रभु लाल मीणा का आदिवासी नृत्य, श्रवण कुमार संखवास नागौर का मशक वादन, राजेश भट अजमेर का कच्छी घोड़ी, राम प्रसाद टोंक निवाई का राजस्थानी नृत्य, राजेश नाथ कालबेलिया पुष्कर एवं नरेंद्र सोलंकी पुष्कर का शंख वादन आकर्षण का केन्द्र रहा। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. नवीन परिहार ने अपने प्रतिवेदन में कहा कि यह मेला पूर्ण रूप से शुरू से ही नवाचारों से भरा रहा है।

नए मेला मैदान एवं पशु प्रदर्शनी स्थल में आयोजित विभिन्न पशु प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ मेला पशु एवं सर्वश्रेष्ठ गिर नस्ल पशु के विजेता पशुपालक मानमल सुगनचंद जोशी अजमेर को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ दुधारू पशु के विजेता मानमल सुगनचंद जोशी अजमेर को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अगरवाल, अतिरिक्त जिला कलैक्टर डॉ. अभिषेक गोयल एवं प्रवीण कुमार, पुष्कर नगर परिषद सभापति राजेन्द्र बाकोलिया, उप सभापति लक्ष्मी पाराशर, प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता गेना सहित गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

सोलर प्लांट में लूट करने के तीन आरोपियों से पूछताछ में कई खुलासे हुए

जोधपुर, (कासं)। करवड़ थाना क्षेत्र में एक सोलर प्लांट में लूट करने के गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कई खुलासे हुए है। चोरी या लूट के बाद माल को अलग-अलग जगहों पर कबाड़ी को बेच देते थे।

थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि खारी खुर्द स्थित सोलर प्लांट में रात के समय फाटक तोड़कर घुसने, सुरक्षा गार्डों के साथ मारपीट करने और सामान लूटने के मामले में जांच चल रही है। इस मामले में अब तक सात आरोपियों को पकड़ा जा चुका है, जिनमें से तीन आरोपी पुलिस रिमांड पर है, जबकि अन्य को जेल भिजवाया गया है। इनमें से मुख्य आरोपी राजूसिंह है, जिसने अन्य आरोपियों को लालच देकर अपने साथ वारदात में शामिल करवाया था। इस मामले में जयसिंह और जितेंद्र सिंह ने सोलर प्लांट की रेकी की थी, जिस पर उन्हें भी पकड़ा गया। इधर पुलिस की अब तक की पड़ताल में सामने आया कि मुख्य आरोपी राजूसिंह का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पुलिस के अनुसार 13- 14 जून को तड़के करीब 2 से 4 बजे के बीच रात्रि करीब 3 बजे खारी गांव की देवतों की ढाणी स्थित जैक्सन ग्रीन सोलर प्लांट के मुख्य गेट पर सुरक्षा गार्ड अचलाराम ड्यूटी पर तैनात थे। दो बिना नंबर प्लेट की सफेद महिंद्रा पिकअप गाड़ियों में कपड़ों से चेहरा ढांपे करीब 10 से 12 लोग पहुंचे और सीधे फाटक में टक्कर मारकर अंदर घुस आए। आरोपियों ने केबिन में बैठे अचलाराम का फोन फेंक दिया और सरिये व लाठियों से मारपीट की। उन्हें घसीटकर पिकअप में डाला गया और तांबे के बारे में पूछताछ की गई। इसके बाद बदमाश स्टोर की तरफ ले गए, जहां तैनात दूसरे सुरक्षा गार्ड बाबूसिंह निवासी भवाद के साथ भी मारपीट की गई और उनका फोन तोड़ दिया गया। बदमाशों ने धमकी दी कि यदि किसी को फोन किया तो जान से मार देंगे। इसके बाद वे स्टोर से सामान पिकअप में लादकर फरार हो गए।

पुलिस ने इस मामले में सबसे पहले भुरजगढ़ फलसूंड जिला जैसलमेर निवासी महावीर सिंह उर्फ एमडी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने 21 नवंबर को राजू सिंह पुत्र गोपाल सिंह, विक्रम सिंह और रावल सिंह उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया। इसके बाद 23 नवंबर को जयसिंह, जितेंद्र सिंह और तिबानिया पुलिस थाना मंडली, जिला बालोतरा निवासी राधेश्याम पुत्र द्वारकादास वैष्णव को गिरफ्तार किया।

खाते से राशि पार

जोधपुर, (कासं)। शहर के देवनगर स्थित कांति नगर निजी अस्पताल के पीछे रहने वाले युवक के बैंक एकाउंट से शातिर ने 75 हजार रूपए निकाल लिए। पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दी। देवनगर पुलिस ने जीरो नंबर एफआईआर पर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि धनवंतरी अस्पताल के पीछे कांति नगर निवासी राजेंद्र बोथरा पुत्र चिंतामणदास की तरफ से रिपोर्ट दी गई।

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांकः-लेखा/भ.वि.प्रा/2026-27/ दिनांकः- यथाहस्ताक्षिरत

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 59/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से एजेंसियों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 01 कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्यों का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेवसाईट https://bhda.rajasthan.gov.in/home/dptHome, http://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है। निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://sppp.raj.nic.in portal, http://eproc.rajasthan.gov.in का अवलोकन करें।

UBN No. 01. WAQ2627SLRC00138

सचिव

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

बेकाबू कार डिवाइडर से टकराकर तीन बार पलटी; एक की मौत, पांच घायल

निवारू रोड बाइपास पर सोमवार देर रात हुआ हादसा, एक युवक की हालात गंभीर

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के निवारू रोड बाइपास पर सोमवार देर रात तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार तीन बार पलट गई। हादसे में कार सवार उदयपाल सिंह की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। इनमें एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मृतक का शव कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

करधनी थाने के एसआई मुकेश सिंह ने बताया कि हादसा देर रात करीब दो बजे निवारू बाइपास पर हुआ। कार नंबर आरजे 21 सीबी 6176 में छह लोग सवार थे। कार निवारू की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही थी। इसी दौरान चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से टकराकर कई बार पलट गई। हादसे में उदयपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे कांवटिया अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

■ **तीन घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिली, हादसे की जांच में जुटी पुलिस टीम**

हादसे में घायल परमवीर सिंह के सिर में गंभीर चोट आई है और कान से खून निकल रहा था। उसे सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। वहीं, मूंडियावास निवासी भारत सिंह और भीम सिंह तथा ब्यावर निवासी सुरेंद्र सिंह सहित अन्य घायलों को भी अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें तीन घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस के अनुसार, हादसे में कुल पांच लोग घायल हुए थे।

प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, वह अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान निवारू की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही कार अचानक डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद कार कई बार पलटी और हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार तीन लोग उछलकर बाहर जा गिरे। पुलिस के अनुसार मृतक उदयपाल सिंह के निवास स्थान और परिजनों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव उन्हें सौंपा जाएगा। फिलहाल मृतक का पोस्टमार्टम नहीं हुआ है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक पर देशी कट्टे से जानलेवा फायरिंग करने वाले दो गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार और बाइक बरामद



खोराबीसल पुलिस ने युवक पर अवैध देशी कट्टे से जानलेवा फायरिंग करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जयपुर । खोराबीसल थाना पुलिस ने आपसी झगड़े के दौरान एक युवक पर अवैध देशी कट्टे से जानलेवा फायरिंग करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा, फायर किया हुआ खाली कारतूस का खोल और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। प्रारंभिक अनुसंधान में सामने आया है कि आरोपी विष्णु कुमार ने देशी कट्टा और कारतूस मेवात से खरीदना बताया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि खोराबीसल थाना पुलिस ने आपसी झगड़े के दौरान एक युवक पर अवैध देशी कट्टे से जानलेवा फायरिंग करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा, फायर किया हुआ खाली कारतूस का खोल और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। प्रारंभिक अनुसंधान में सामने आया है कि आरोपी विष्णु कुमार (19) निवासी अटलबंध जिला भरतपुर हाल लालचंदपुरा जयपुर और अभिषेक जाजोरिया उर्फ यश (20) निवासी खोराबीसल जयपुर को गिरफ्तार किया है।पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही उनके अन्य आपराधिक वारदातों में शामिल होने और संभावित साथियों के संबंध में जांच पड़ताल की जा रही है।

खोराबीसल थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह के अनुसार मनसारामपुरा खोराबीसल निवासी गणेश शर्मा (20) पुत्र ईश्वर लाल शर्मा ने 15 नवंबर 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि 15 नवंबर को शाम करीब सात बजे वह लालचंदपुरा स्थित विधायक कैफे की तरफ जा रहा था। इसी दौरान विष्णु धोबी और यश मोटरसाइकिल पर सवार होकर उसके सामने आए। दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज की और लाठियों से मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने उस पर देशी कट्टे से फायरिंग कर दी। परिवादी ने किसी तरह बचकर अपनी जान बचाई, जबकि आरोपी मोटरसाइकिल से मौके से फरार हो गए। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई।

पुलिस टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों के साथ ही निवारू रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

फुटेज में मिले हुलिए के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। इसी दौरान जिला विशेष टीम के कांस्टेबल मुकुट बिहारी मीणा को मुखबिर से आरोपियों के संबंध में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने निवारू पुलिया के पास दबिश देकर दोनों वांछित आरोपियों को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर वारदात के बाद छिपाया गया अवैध देशी कट्टा, फायर किया हुआ खाली कारतूस का खोल और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी विष्णु कुमार ने देशी कट्टा और कारतूस मेवात से खरीदना बताया है। वहीं वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल अभिषेक जाजोरिया की होना सामने आया है। पुलिस के अनुसार अभिषेक जाजोरिया के पिता मूल रूप से दिल्ली के निवासी थे और पिछले कई वर्षों से लालचंदपुरा निवारू रोड क्षेत्र में रह रहे हैं।

सीसी सड़कों का शिलान्यास

जयपुर । मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 80 सोमेश्वरपुरी स्कूल के पास 6 दुकान चौराहे पर सीसी सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नटवर कुमावत ने बताया कि सराफ के द्वारा पीडब्ल्यूडी से गली नंबर 11 में सोमेश्वरपुरी स्कूल से नाले तक, गली 12, 13, 14, 23 एवं ई-ब्लॉक शॉपिंग सेंटर के तीनों ओर सीसी सडकें बनेंगी। स्थानीय पार्षद रेनू चौधरी ने बताया कि सड़कें बन जाने से बच्चों को स्कूल आने जाने और स्थानीय लोगों को बाजार आने-जाने में सुविधा होगी। इस अवसर पर पार्षद रेनू जितेंद्र चौधरी, मंडल अध्यक्ष मोहित मूलचंदानी मौजूद थे।

सड़क हादसे में घायल युवक की पांच दिन बाद मौत

जयपुर । जवाहर सर्किल थाना इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा 16 नवंबर की रात करीब 11:30 बजे एनडब्ल्यूआर कार्यालय के सामने हुआ था। घायल ने एसएमएस अस्पताल में पांच दिन तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद 21 नवंबर को दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राजकुमार (38) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से झुंझुनूं जिले के गुढ़ा गोडजी क्षेत्र स्थित दरबासा की ढाणी का रहने वाला था और वर्तमान में जयपुर के सरस्वती नगर में रह रहा था।

परिवादी इंद्रजीत सिंह (58) ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 16 नवंबर की रात एनडब्ल्यूआर कार्यालय के सामने किसी अज्ञात वाहन ने राजकुमार को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर जवाहर सर्किल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। राजकुमार की मौत के बाद परिजनों ने अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र गुर्जर ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक का शव एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

टाइगर फेस्टिवल की तैयारियां शुरू

जयपुर । बाघ एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) के आठवें संस्करण जेटीएफ-2026 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। दिसंबर में जयपुर के जवाहर कला केंद्र में आयोजित होने वाले इस फेस्टिवल के तहत बाघ संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। केरल के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने जेटीएफ-2026 के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जयपुर टाइगर फेस्टिवल बाघ संरक्षण के प्रति जनचेतना फैलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

बुजुर्ग दंपत्ति को डिजिटल अरेस्ट कर 5 लाख रुपए ठगने वाले गिरफ्तार

जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने आरोपियों को दिल्ली से दबोचा

जयपुर (कासं)। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर मुंबई निवासी एक बुजुर्ग दंपती से पांच लाख रुपये की ठगी करने के मामले में दो आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शोभित मिश्रा (28) और मनीष सेठी (49) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस उनसे ठगी की रकम बरामद करने और वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि मुंबई निवासी जयंत नारायण साहा (68) ने 22 सितंबर 2026 को जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपनी पत्नी के इलाज तथा जोड़ों के दर्द के उपचार के सिलसिले में मुंबई से जयपुर आए हुए थे और यहां एक होटल में ठहरे थे और 10 सितंबर 2026 को होटल में ठहरने के दौरान उनके मोबाइल पर अज्ञात नंबरों से वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को पुलिसकर्मी बताते हुए परिवादी को आतंकवाद, मनी लॉन्ड्रिंग और हथियार उपलब्ध कराने जैसे गंभीर आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी दी। आरोपियों ने गिरफ्तारी और मारपीट का भय दिखाकर उन्हें मानसिक रूप से डराया तथा बताए गए बैंक खाते में पांच लाख रुपये जमा करवा लिए। इस संबंध में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। साथ ही जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने मामले की



आरोपी शोभित मिश्रा और मनीष सेठी

जांच के दौरान संबंधित बैंक खातों, संदिग्ध मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और कैफ आईडी का विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों और लोकेशन के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर उन्हें दिल्ली से डिटेन किया गया। पूछताछ और अनुसंधान के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र के अनुसार आरोपी डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी की वारदात को अंजाम देने के लिए अज्ञात मोबाइल नंबरों से बुजुर्ग महिला और पुरुषों को वीडियो कॉल करते

■ **आरोपियों ने आतंकवाद, मनी लॉन्ड्रिंग और हथियार उपलब्ध कराने जैसे गंभीर आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी देकर पीड़ितों को डराया**

थे। कॉल के दौरान एक आरोपी पुलिस की वर्दी में दिखाई देता था और पीड़ितों को मनी लॉन्ड्रिंग तथा आतंकी गतिविधियों से जुड़े मामलों में फंसाने का डर दिखाता था। इसके बाद दूसरे आरोपी को फोन पर बात कराई जाती थी, जो पीड़ितों को गिरफ्तारी, पंखे से लटकाकर मारपीट करने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देता था। इस तरह लगातार दबाव बनाकर पीड़ितों को भयभीत किया जाता था।

आरोपी इसके बाद व्हाट्सएप के माध्यम से बैंक खातों और फर्जी फर्मों से संबंधित विवरण भेजते थे तथा तत्काल रकम ट्रांसफर करने के लिए दबाव बनाते थे। पीड़ित से राशि जमा करवाने और उसकी रसीद प्राप्त करने के बाद आरोपी अपने मोबाइल फोन बंद कर लेते थे, जिससे उनसे संपर्क नहीं हो पाता था। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी वर्तमान में पुलिस रिमांड पर हैं। उनसे ठगी गई पांच लाख रुपये की राशि की बरामदगी के लिए पूछताछ की जा रही है। साथ ही बैंक खातों, फर्जी फर्मों और वारदात में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबरों के संबंध में तस्दीक कर जांच पड़ताल की जा रही है।

प्लॉट और सरकारी नौकरी का झांसा देकर 23.11 लाख रुपए ठगने वाला गिरफ्तार

■ **आरोपी से धोखाधड़ी की रकम, प्लॉट दिलाने के नाम पर किए गए लेन-देन और सरकारी नौकरी लगवाने के झांसे से जुड़े अन्य तथ्यों के संबंध में पूछताछ करने में जुटी है पुलिस टीम**

जयपुर । खोह नागोरियान थाना पुलिस ने प्लॉट दिलाने और नगर निगम में सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर 23 लाख 11 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में एक साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महेश कुमार मीना (40) निवासी टोडाभीम जिला करौली को गिरफ्तार कर विस्तृत पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) रंजीता शर्मा के अनुसार पुलिस के अनुसार, आरोपी से धोखाधड़ी की रकम, प्लॉट दिलाने के नाम पर किए गए लेन-देन और सरकारी नौकरी लगवाने के झांसे से जुड़े अन्य तथ्यों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

खोह नागोरियान थानाधिकारी सुनील गोदारा के अनुसार परिवादी सूरज मल ने 26 अगस्त 2025 को खोह नागोरियान थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी महेश कुमार मीना ने उसे प्लॉट नंबर 54, 55 और 56 दिलाने तथा नगर निगम जयपुर में सफाई कर्मचारी भर्ती के तहत सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। आरोपी ने इन कामों के बदले परिवादी से कुल 23 लाख 11 हजार रुपये प्राप्त कर लिए, लेकिन न तो उसे प्लॉट दिलवाए और न ही सरकारी नौकरी लगवाई। इस प्रकार आरोपी ने परिवादी के साथ धोखाधड़ी कर रकम हड़प ली। इस संबंध में खोह नागोरियान थाने में मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की गई। गठित पुलिस टीम ने तकनीकी संसाधनों, पारंपरिक पुलिसिंग और मुखबिर तंत्र की सहायता से फरार आरोपी की तलाश की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने आरोपी महेश कुमार मीना को गिरफ्तार किया।

सार-समाचार

15 मेधावी बच्चों का सम्मान किया



जयपुर । करधनी स्थित जीनियस किड्स अबेकस सेंटर में आठों स्तर सफलतापूर्वक पार करने वाले 15 होनहार बच्चों के सम्मान में भव्य ग्रेजुएशन सेरेमनी आयोजित की गई। समारोह में सभी सफल विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए प्रमाण पत्र और आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया। संस्था के निदेशक भवानी सिंह चौहान ने बच्चों को सम्मान प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

एमवे और अक्षय पात्र के बीच समझौता



जयपुर । बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एमवे इंडिया ने द अक्षय पात्र फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। इसके तहत देशभर के स्कूली बच्चों को 1.62 लाख से अधिक पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराए जाएंगे। यह पहल बाल दिवस से शुरू होकर दिसंबर 2026 की शुरुआत तक चलेगी। एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चौपड़ा ने बताया कि इस पहल के तहत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में भोजन वितरित किया जाएगा। जयपुर सहित दिल्ली, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, बेल्लारी, अहमदाबाद, ठाणे और चेन्नई में एमवे के वितरक एवं कर्मचारी स्वयंसेवा कर बच्चों को पौष्टिक खान-पान के प्रति जागरूक करेंगे। वर्ष 2024 में भी दोनों संस्थाओं ने आठ शहरों में 90 हजार से अधिक पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराए थे। वहीं, एमवे के पावर ऑफ 5 कार्यक्रम से अब तक 10 लाख से अधिक लोगों को लाभ मिला है, जिनमें 1.60 लाख से अधिक बच्चे शामिल हैं।

बैडमिंटन लीग की ट्रॉफी का अनावरण

जयपुर। डॉक्टर समुदाय की प्रमुख खेल प्रतियोगिताओं में शामिल एसबीआई डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग (डीबीएल) सीजन-8 की ट्रॉफी का भव्य अनावरण किया गया। प्रतियोगिता 27 नवंबर से 6 दिसंबर 2026 तक जयपुर की स्पोफिट अकादमी में आयोजित होगी। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि ट्रॉफी का अनावरण महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के चेयरपर्सन डॉ. विकास स्वर्णकार ने किया। उन्होंने चिकित्सकों के जीवन में खेल और शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आयोजन समिति को शुभकामनाएं दीं। लीग आयोजन अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि वर्ष 2018 से आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में इस बार 46 टीमों के 400 से अधिक चिकित्सक एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े खिलाड़ी भाग लेंगे। इस अवसर पर लीग कोऑर्डिनेटर डॉ. सुधांशु, डॉ. मनु सोनी, डॉ. रजत बोहरा, डॉ. मनीष विजयवर्गीय और डॉ. रवीन्द्र सिसोदिया सहित आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे। प्रतियोगिता के साथ डॉक्टरों और उनके परिवारजनों के लिए विशेष डीबीएल फनमिंटन गतिविधि भी आयोजित होगी।

जेकेके में चित्रकला प्रदर्शनी आज से

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के चित्रकला विभाग के सहायक आचार्य एवं समकालीन कलाकार डॉ. जगदीश प्रसाद मीणा की एकल चित्रकला प्रदर्शनी 25 से 30 नवंबर तक जवाहर कला केंद्र की सुरेख आर्ट गैलरी में आयोजित होगी। उद्घाटन 25 नवंबर को सुबह 11:15 बजे राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत करेंगे। इस अवसर पर उदयपुर के तख़मन-28 आर्ट ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विद्यासागर उपाध्याय और जयपुर की सृष्टि आर्ट ग्रुप सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. नाथूलाल वर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे। प्रदर्शनी में कुल 52 कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें 20 ऐक्रेलिक ऑन कैनवास तथा 32 चारकोल एवं वॉटरकलर मिश्रित माध्यम की कृतियां शामिल हैं। इनके माध्यम से पारिवारिक रिश्तों, मानवीय संवेदनाओं, संघर्षों और रोजमर्रा के अनुभवों को दर्शाया गया है।

'न्यू सांगानेर रोड चौड़ी करने से पहले निर्माणकर्ताओं के पट्टों और दस्तावेजों की जांच होगी'

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने जेडीए और निगम अधिकारियों की बैठक ली

जयपुर। न्यू सांगानेर रोड चौड़ीकरण मामले में कार्रवाई से पहले प्रभावित निर्माणकर्ताओं के पट्टों और अन्य दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इसके बाद ही तय होगा कि कौन से निर्माण वैध हैं और कहां अतिक्रमण की स्थिति है। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मंगलवार को अपने जयपुर स्थित आवास पर जेडीए और नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर मामले की समीक्षा की। बैठक में जेडीए सचिव गौरव सैनी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री ने अधिकारियों से सड़क चौड़ीकरण के लिए किए गए डिमार्केशन, प्रस्तावित अलाइनमेंट, प्रभावित मकानों और व्यावसायिक संस्थानों की स्थिति तथा स्थानीय लोगों की आपत्तियों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन निर्माणकर्ताओं के दस्तावेजों की जांच बाकी है, उनके पट्टों और संबंधित रिकॉर्ड का अध्ययन कर सभी तथ्यों के साथ रिपोर्ट तैयार की जाए। दस्तावेजों की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी।

चौड़ीकरण के डिमार्केशन और सड़क के प्रस्तावित अलाइनमेंट को लेकर व्यापारियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी है। प्रभावित लोगों का कहना है कि पट्टे और अन्य दस्तावेज होने के बावजूद उनके निर्माणों को चौड़ीकरण की जद में लिया जा रहा है। व्यापारियों ने कार्रवाई से पहले दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच और सड़क की सीमा स्पष्ट करने की मांग की है।

इससे पहले पूर्व यूडीएच मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित व्यापारियों और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी थीं। उन्होंने इस मुद्दे पर यूडीएच मंत्री खर्रा से भी बातचीत की थी। अब मंत्री खर्रा बुधवार को जेडीए और नगर निगम अधिकारियों के साथ फिर बैठक करेंगे। इसमें दस्तावेजों की जांच, तैयार रिपोर्ट, प्रभावित लोगों की आपत्तियों और प्रस्तावित अलाइनमेंट की समीक्षा होगी। बैठक में जयपुर शहर के जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

पर्यटकों को परेशान करने वाले 33 लोग गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर में देशी विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित एवं भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए पुलिस की ओर से चलाए गए विशेष सुरक्षा अभियान के तहत 33 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस अभियान के दौरान पर्यटकों को परेशान करने वाले 7 लपकों के खिलाफ 6 प्रकरण दर्ज किए गए, जबकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत 26 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करन शर्मा ने बताया कि इस अभियान के दौरान शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों, बाजारों और ऐतिहासिक धरोहरों के आसपास पुलिस गश्त एवं निगरानी व्यवस्था मजबूत की गई। इसका उद्देश्य देशी-विदेशी पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा, अभद्रता और असुरक्षा से बचाना तथा पर्यटन स्थलों पर भयमुक्त वातावरण बनाए रखना था। पुलिस के अनुसार इस अभियान के दौरान पर्यटकों को परेशान करने और उनसे अनुचित व्यवहार करने वाले 7 लपकों के खिलाफ 6 प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में ममनून निवासी लेखराज नगर, थाना जयसिंहपुरा खोर, साजिद खान निवासी मेहंदी नगर, आमेर, मनोज कुमार सिंधी निवासी नंद वाटिका, कुंड रोड, आमेर, सानू निवासी रामगंज बाजार, जयपुर, अकिल निवासी अमृतपुरी, घाटगेट, जयपुर, पिंटू कुमार निवासी बिजनौर, उत्तर प्रदेश तथा शिवराज कीर निवासी बूंदी शामिल हैं।

पंचायत चुनाव में हार की गाज गिरती है तो मैं भी इसके लिए तैयार हूं : किरोड़ी

'मेरी परफॉर्मेंस कमजोर है तो कार्रवाई का स्वागत करूंगा, हार के लिए निचले स्तर की ब्यूरोक्रेसी भी जिम्मेदार'

जयपुर । राजस्थान में पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा में हार के कारणों को लेकर सियासी मंथन के बीच कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने जवाबदेही को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि यदि किसी मंत्री की परफॉर्मेंस कमजोर रही है और इसके चलते उस पर कार्रवाई होती है तो उन्हें इसका स्वागत होगा। इसमें वह खुद भी शामिल हैं। मीणा ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व, संगठन या मुख्यमंत्री को लगता है कि उनकी परफॉर्मेंस कमजोर रही है तो उन पर भी गाज गिरनी चाहिए। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटने के बजाय कमियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने की बात कही।

मंत्री मीणा ने कहा कि वह अपनी बात कर रहे हैं, किसी दूसरे मंत्री के बारे में टिप्पणी नहीं कर रहे। उन्होंने कहा कि वह लगातार सरकारी कार्यक्रमों में शामिल होते हैं, गांवों में जाते हैं और लोगों के सुख-दुख में भागीदारी निभाते हैं। इसके बावजूद पार्टी और सरकार जमीनी स्तर पर पनप रहे असंतोष को समय रहते पहचान नहीं पाई। यह हमारी कमी रही है। अब इन कमियों को दूर कर पार्टी और सरकार को मजबूत करने की दिशा में काम किया जाएगा।

पंचायत चुनाव में भाजपा के कमजोर प्रदर्शन के कारणों पर बात करते हुए किरोड़ीलाल मीणा ने निचले स्तर की ब्यूरोक्रेसी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हार की बड़ी वजह जेईएन, ग्राम सेवक और पटवारी जैसे निचले स्तर के अधिकारियों की निष्क्रियता रही। सरकार इन अधिकारियों को अपेक्षित रूप से सक्रिय नहीं कर पाई। इसके कारण सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक सही तरीके से नहीं पहुंच सका।

उन्होंने कहा कि योजनाओं की डिलीवरी ठीक नहीं होने से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के बीच असंतोष बढ़ता रहा, लेकिन इसे समय रहते समझा नहीं जा सका। अचानक चुनाव परिणामों के रूप में इसका असर सामने आया। अब इस असंतोष को दूर करने और प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है।

सोमवार को हरियाणा का उदाहरण देते हुए दिए गए अपने बयान पर सफाई देते हुए मीणा ने कहा कि उनका आशय केंद्रीय नेतृत्व की चुनावी रणनीति और क्षमता को बताना था। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत की कल्पना पहले नहीं की जाती थी। इसी तरह बिहार और हरियाणा में भी भाजपा की सरकार बनने को लेकर कई लोगों को भरोसा नहीं था, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति से पार्टी ने सफलता हासिल की।

मीणा ने कहा कि राजस्थान में भी भाजपा की सरकार दोबारा आएगी, इसका उन्हें पूरा भरोसा है। केंद्रीय नेतृत्व जिस तरह मार्गदर्शन करेगा, उसी के अनुरूप काम किया जाएगा। चुनाव में जो कमियां रही हैं, उन्हें दूर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर भी किरोड़ीलाल मीणा ने सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विकास के बहुत काम करवाए हैं। उन पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है। व्यक्तिगत रूप से उन्हें मुख्यमंत्री पर पूरा भरोसा है।

दरअसल, सोमवार को किरोड़ीलाल मीणा ने कांग्रेस को भ्रम में नहीं रहने की नसीहत देते हुए हरियाणा का उदाहरण दिया था। उन्होंने कहा था कि विधानसभा चुनाव से छह महीने पहले मनोहरलाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया था और इसके बावजूद भाजपा की सरकार बनी। उनके इस बयान को राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं से जोड़कर देखा जाने लगा था। अब मीणा ने सफाई देते हुए स्पष्ट किया कि उनका मकसद केंद्रीय नेतृत्व की रणनीतिक क्षमता पर भरोसा जताना था, न कि राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन की बात करना।

ARBiT
it happens here...



A Global Stand Against Gender-Based Violence

In 1999, the United Nations officially designated 25 November as the International Day for the Elimination of Violence Against Women, marking a global commitment to address gender-based abuse in all its forms. The date commemorates the assassination of the Mirabal sisters, political activists from the Dominican Republic who were murdered in 1960 for opposing dictatorship, symbolising resistance against oppression. The UN resolution urged governments, institutions, and civil society to create awareness and strengthen protections for women. Since then, the day has become a key moment to highlight issues like domestic violence, harassment, trafficking, and inequality, pushing for reforms worldwide.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
25 November 2026
A-B

#KILLING TAXES

The Window Tax of 1696

Poor could not afford to pay the tax. To avoid paying higher taxes, some homeowners bricked up their windows



In 1696, England introduced a peculiar form of taxation known as the window tax. This tax, which imposed a levy based on the number of windows in a property, was intended to generate revenue for the government. However, it ended up having unintended social consequences, particularly for the poor. The window tax was controversial not only because of its unusual nature but also because of the way it disproportionately affected lower-income families.

How the Tax Worked

The window tax worked on a tiered system, with different tax rates based on the number of windows in a building. Homes with fewer than ten windows were taxed at a lower rate, while those with more windows were taxed more heavily. Those with more than twenty windows faced the highest rates.

Although the tax was intended to target wealthier individuals and large property owners, it didn't work out that way in practice. The tax affected everyone who had windows, regardless of their social class, and some people, especially the poor, could not afford to pay the tax. To avoid paying higher taxes, some homeowners bricked up their windows, effectively hiding them to reduce their taxable window count.

The Unintended Consequences

The window tax, despite its well-meaning intentions, had devastating effects on the poorer classes. For the wealthy, the tax was simply another cost of owning a large home. However, for the poor, who often lived in small, poorly built houses, the consequences were much more severe. For many, the decision to brick up windows was not just an economic choice, it was a necessity. In an effort to save money, poor families often had to block their windows entirely, reducing the amount of natural light and ventilation in their homes. This created dark, damp, and unhealthy living conditions. Without adequate ventilation and light, the risk of diseases such as tuberculosis, pneumonia, and other respiratory conditions increased significantly. The poor, already struggling to make ends meet, were now living in homes that were not only uncomfortable but also more dangerous to their health.

The window tax also indirectly discouraged the building of homes that might be more suited to the needs of the poor. Since windows were taxed based on the number in a property, there was less incentive to build homes that would provide adequate light and air. Instead, builders and landlords focused on keeping the number of windows to a minimum, leading to substandard living conditions for those who could least afford them.

Public Outcry and the End of the Tax

Over time, the window tax became increasingly unpopular, especially among the poor. The effects on their health and living conditions were widely recognized, and the public began to demand reform. Critics argued that the tax was not only unfair but also harmful to public health. The window tax was seen as a tax on basic human needs, natural light and fresh air, and its implementation seemed out of touch with the realities of life for ordinary people.

In 1851, the government finally repealed the window tax after it became clear that it was causing more harm than good. By then, many homes had been significantly altered, with windows bricked up to avoid the tax, leaving behind a legacy of dark, unhealthy homes.



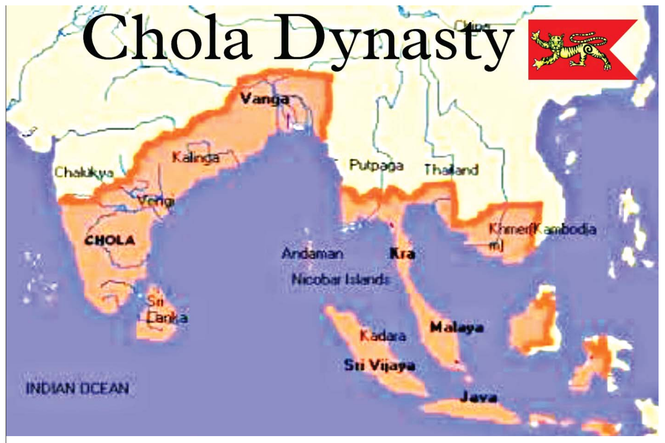

This process of renaming was reinforced during the colonial period, especially as the British consolidated their presence along the coast. Ports such as Calcutta (now Kolkata) became key administrative and naval centers, and ships built or stationed in India were often given regional names. One such vessel, reportedly associated with early 19th-century naval activity, carried the name HMS Malabar, reflecting the broader colonial practice of naming ships after Indian coastal regions.

From Cholamandalam to Coromandel



Bulbul Joshi

The name "Coromandel" carries within it a long and unexpected history, one that begins on the southeastern coast of India and, through centuries of maritime contact, echoes all the way to the Pacific islands of New Zealand.

At its root lies the Tamil region historically known as Cholamandalam, the land associated with the powerful Chola dynasty. The Cholas were among the most formidable maritime powers of the early medieval world, extending influence across the Bay of Bengal and establishing trade and cultural networks that reached Southeast Asia. Their naval presence made the Tamil coast a central hub in the Indian Ocean world.

When European traders and explorers arrived, first the Portuguese, later the Dutch and British, they encountered this region's name but struggled with its pronunciation. "Cholamandalam" gradually transformed through mishearing and linguistic simplification into "Coromandel," a name that Europeans applied broadly to the entire eastern coastline of India. What began as a precise regional identity became, in European usage, a generalized geographic label.

This process of renaming was reinforced during the colonial period, especially as the British consolidated their presence along the coast. Ports such as Calcutta (now Kolkata) became key administrative and naval centers, and ships built or stationed in India were often given regional names. One such vessel, reportedly associated with early 19th-century naval activity, carried the name HMS Malabar, reflecting the broader colonial practice of naming ships after Indian coastal regions.

By late 1530, the Coromandel Coast was home to three Portuguese settlements at Negapatão, São Tomé de Meliapore, and Paliacate. In the 17th and 18th centuries, the Coromandel Coast was the scene of rivalries among European powers for control of the India trade. The British established themselves at Fort St. George (Madras) and Masulipatnam, the Dutch at Pulicat, Sadras, the Belgians at Covelong, the French at Pondicherry, Karaikal and Nizampatnam, the Danish in Dansborg or Tranquebar.

The Coromandel Coast supplied Indian Muslim eunuchs to the Thai palace and court of Siam (modern Thailand). The Thai at times asked eunuchs from China to visit the court in Thailand and advise them on court ritual since they held them in high regard.

Eventually, the British won out, although France retained the tiny enclaves of Pondichéry and Karaikal until 1954. Chinese lacquer goods, including boxes, screens, and chests, became known as "Coromandel" goods in the 18th century, because many Chinese exports were consolidated at the Coromandel ports.

By the early 19th century, the name "Coromandel" was no longer confined to India. British maritime expansion carried it across the oceans. In 1820, a ship named Coromandel reached the waters of the Pacific, sailing near what Europeans called Port Jackson in Australia before continuing its journeys through the wider region. Ships like these often served multiple roles, transport, trade, and migration, and their names traveled with them as markers of empire.

As British exploration intensified in the southern hemisphere, names from ships frequently became embedded in local geography. One of the most significant urban centers in this network was Auckland, the largest city in New Zealand, and nearby regions such as the Coromandel Peninsula. The peninsula's name directly reflects this maritime naming tradition, derived from ships that once bore the name "Coromandel."

In some accounts, the ship's name was adopted informally by sailors and colonial administrators who found it easier to use than unfamiliar indigenous names. Over time, "Coromandel" became fixed in maps and official records, detached from its Tamil origins and reattached to a completely different geography in the Pacific.

There is also a deeper linguistic story beneath this transformation. The difficulty European sailors faced in pronouncing "Cholamandalam" contributed to its gradual reshaping. What began as a phonetic adaptation in the Indian Ocean world became a permanent colonial label that traveled thousands of miles.

This journey of a name, from Tamil agricultural heartland to global maritime vocabulary, reflects the nature of the early modern oceanic world. Ships were not just carriers of goods and people; they were carriers of language, memory, and identity. The Coromandel name, born from a Chola-era landscape, became part of British naval tradition and eventually geography in New Zealand.

Thus, when we look at a map of New Zealand and see the Coromandel Peninsula, we are indirectly witnessing a distant echo of the Chola maritime world. It is a reminder that oceans do not separate histories, they connect them. And sometimes, a single mispronounced word can travel farther than empires, reshaping the map of the world in its wake. Today, it is a wonder that a Coromandel exists in a wholely different country, and it's one of the most visited tourist attractions of the country. A two hour drive from Auckland city, the stunning Coromandel Peninsula is a favourite holiday destination with locals. There are over 400 kms of picturesque coastline, beaches and coves, as well as countless bush-clad walkways. Further inland, you'll find rugged, volcanic hills, cloaked in rainforest, containing the world's tallest fern trees and perfect for hiking.

Because of the region's rustic, unspoilt nature, the area is a magnet for creative types, who arrive here in search of inspiration and never leave. History lovers, too, are attracted by the Coromandel's rich sense of past, particularly evident in the architecture of many of the region's colonial buildings.

Historic Towns

The largest of the Peninsula's towns is Thames, founded on the site of New Zealand's first gold rush in the early 1850s. Many of the buildings that line the streets still bear witness to the town's mining legacy and a truly 'golden' age. Out of town, a three hour walk on 'Rocky's Goldmine Trail' will reward you with breathtaking views of the Firth of Thames, the native forests and numerous swimming holes.

Another historic town of note is Coromandel itself, which also prospered during the gold rush. There are some good camping and picnic areas here, as well as arts and crafts shops, and the town is home to Driving Creek Railway; New Zealand's only narrow-gauge mountain track. For walkers and mountain bikers, the dazzling Coromandel Coastal Walkway is not to be missed.

The town of Whitianga is a good base from which to explore Mercury Bay; a hotspot (quite literally!) known for its nearby attractions, Cathedral Cove and Hot Water Beach. Cathedral Cove is an ideal spot for kayaking, swimming, snorkelling and diving. The pohutukawa trees provide welcome shade, from which you can admire the cove's sparkling, white sands and impressive, rocky arches. The Hahei Coastal Walkway track starts at the northern end of Hahei beach and is a 45 minute walk, giving you access to Stingray Bay and Gemstone Bay before you reach the gorgeous sandy beach at Cathedral Cove.

Cathedral Cove is one of the most photographed natural attractions in New Zealand, situated just to the north between Cooks Beach and Hahei. A natural sandstone arch separates two golden beaches, accessible only by boat or a short walk from Hahei. Hot Water Beach definitely lives up to its name. For two hours either side of low tide, visitors can create their own hot pools by digging into the sands; the springs bubbling up underneath are a 'moving' reminder of the beach's fascinating, volcanic past.

rajeshsharma1049@gmail.com

#NAME







There is also a deeper linguistic story beneath this transformation. The difficulty European sailors faced in pronouncing "Cholamandalam" contributed to its gradual reshaping. What began as a phonetic adaptation in the Indian Ocean world became a permanent colonial label that traveled thousands of miles.



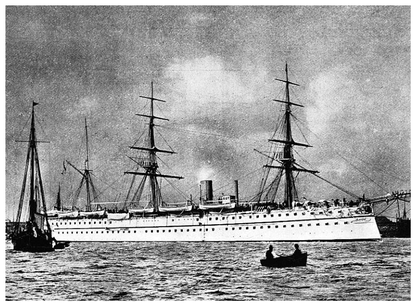

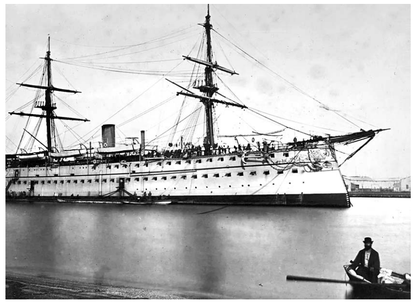



#WORDS WITH A PAST

"Toe the line!"

The Bizarre Origins of Everyday Language

We use thousands of words every day without thinking twice about where they come from. But some of the most ordinary words, "toe the line," "testify," "sandwich," and "bonfire," have bizarre, surprising, and even slightly scandalous backstories. From courtrooms and card tables to pagan fires and parliamentary duels, here's a deep dive into the curious origins and unexpected fun facts behind these four common terms.

1. Toe the Line - When Politics Was a Sword Fight Waiting to Happen

Modern meaning: To conform to rules or behave appropriately

Origin: This phrase dates back to the 18th and 19th centuries in both military drills and athletics, where men would literally place their toes on a line before beginning a race or standing at attention.

The Weird Fun Fact: In British Parliament, two red lines are painted on the debating chamber floor, each exactly two sword lengths apart. This tradition stems from a time when MPs carried swords, and these lines prevented them from physically attacking one another during heated debates. When delivering speeches, members were expected to "toe the line," meaning to stay behind it and behave civilly.

So, the next time someone tells you to "toe the line," just imagine 18th-century politicians biting their tongues while gripping sword hilts.

2. Testify - Swearing on Something a Bit... Personal

Modern meaning: To give legal or religious evidence; to bear witness.

Origin: The word comes from the Latin *testis*, meaning "witness." This gave rise to testificare ("to bear witness") and eventually the English "testify."

The Weird Fun Fact: There's a long-standing (and likely mythical) claim that Roman men swore oaths by placing their hands on their testicles, which share the same Latin root as "testify." While that's debated, the Bible offers something even more bizarre: in Genesis 24:2, Abrahaham has his servant swear an oath by placing his hand under Abraham's thigh, a euphemism, many scholars believe, for his genitals. In ancient times, the seat of life and lineage was considered sacred, making such oaths spiritually binding. In other words, "testify" may have once involved a very literal commitment to truth, with some very awkward hand placements.





3. Sandwich - A Snack That Named a Set of Islands

Modern meaning: A food item consisting of fillings between slices of bread.

Origin: Named after John Montagu, 4th Earl of Sandwich, an English nobleman in the 1700s. The Earl, an obsessive gambler, allegedly asked for meat between slices of bread so that he wouldn't have to leave the card table or get his hands greasy.

The Weird Fun Fact: Though the Earl made the name famous, the idea of sandwiching food goes way back, ancient Middle Eastern and Jewish cultures had similar food traditions long before. Still, Montagu's influence stuck, and in 1778, his legacy reached far beyond lunch: Captain James Cook named the Hawaiian Islands the "Sandwich Islands" in the Earl's honour, after receiving his patronage.

So, yes, one man's snack attack gave us a food category and renamed paradise.

4. Bonfire - When Burning Bones Was a Good Time

Modern meaning: A large open fire, often for celebration or gathering.

Origin: "Bonfire" comes from Middle English "bone fire," a fire where actual bones were burned, usually in ritualistic or religious ceremonies.

The Weird Fun Fact: During ancient Celtic festivals like Samhain (a precursor to Halloween), villagers would light massive fires to burn the bones of animals as part of a spiritual rite. Later, during the Reformation and beyond, these fires took a more political turn, on Guy Fawkes Night in 17th-century England, people burned effigies (and sometimes, actual criminals) as a public display of loyalty to the Crown.

The next time you're roasting marshmallows, remember: bonfires once meant fire, bones, politics, and maybe, a witch trial or two.

Final Thoughts: The Words We Carry

Words are more than just sounds, they're cultural time capsules, each carrying bits of forgotten customs, rituals, and societal quirks. Whether you're following the rules ("toe the line"), giving a courtroom statement ("testify"), biting into a BLT ("sandwich"), or watching sparks fly at a festival ("bonfire"), you're participating in centuries-old traditions, some stranger than fiction.



THE WALL

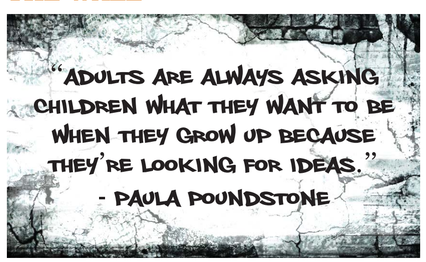

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

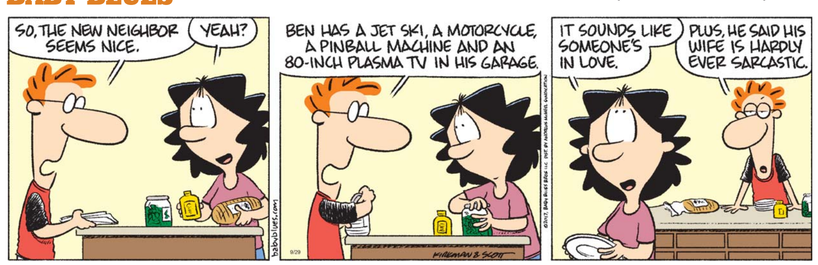

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



कोटपूतली कस्बे में संदिग्ध परिस्थितियों में बुजुर्ग हलवाई का शव मिला

मृतक के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटों के निशान मिले, हत्या की आशंका जताई

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे में सोमवार देर रात एक बुजुर्ग हलवाई का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं, जिसके चलते परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए स्थानीय पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है। घटना की

- **मृतक के परिजनों का कहना है कि बोदन सैनी की किसी से कोई रंजिश नहीं थी, ऐसे में उनके साथ हुई इस अनहोनी की निष्पक्ष और गहन जांच होनी चाहिए**



एफएसएल और एमओबी की टीमों ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए।

गंभीरता को देखते हुए पुलिस के उच्चाधिकारियों के साथ-साथ एफएसएल और एमओबी की टीमों ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं।

जानकारी के अनुसार सोमवार रात कस्बे के पंचायत समिति के सामने से नागाजी की गौर की ओर जाने वाले मौहल्ला बुचाहेड़ा मार्ग पर शराब के ठेके के समीप एक व्यक्ति अचेत और खून से लथपथ अवस्था में पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर स्थानीय थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल को राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कस्बे के मौहल्ला बड़ाबास निवासी बोदन राम सैनी (62) के रूप में हुई है। बोदन सैनी पेशे से हलवाई का कार्य करते थे। मंगलवार सुबह घटना की खबर फैलते ही कस्बे में शोक व दहशत का माहौल व्याप्त हो गया।

मृतक के शरीर विशेषकर चेहरे व सिर पर चोट के गहरे निशान मिलने से यह मामला सामान्य दुर्घटना के बजाय संदिग्ध हत्या की ओर ईशारा कर रहा है। मंगलवार सुबह मृतक के पुत्र अमरसिंह ने स्थानीय पुलिस थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिजनों का कहना है कि बोदन सैनी की किसी से कोई रंजिश नहीं थी, ऐसे में उनके साथ हुई इस अनहोनी की निष्पक्ष और गहन जांच होनी चाहिए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया। सूचना मिलते ही डीएसपी मदन लाल जैफ व नगर परिषद सभापति कमल सैनी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेकर परिजनों को ढ़ांढ़स बंधाया। जांच को आगे बढ़ाने के लिए पुलिस ने मौके पर एफएसएल और एमओबी टीम को बुलाया। विशेषज्ञों की टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की और वहां से खून के नमूने व अन्य महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य एकत्रित किए।

पुलिस ने पंचनामा की कार्यवाही पूरी कर शव को राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया करवाई जा रही है। सिर पर गंभीर चोट और हत्या की आशंका के सवाल पर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है, हालांकि अभी तक कोई प्रत्यक्षदर्शी सामने नहीं आया है। पुलिस आसपास के क्षेत्र और मुख्य मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि मृतक वहां कब और किसके साथ आया था। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चोटों की प्रकृति और मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

केकड़ी में छह मिनट में तिजोरी उड़ा ले गए पांच नकाबपोश बदमाश

शटर तोड़कर किराना दुकान में घुसे चोर, भारी तिजोरी को मोटरसाइकिल पर लादकर ले गए

केकड़ी, (निसं)। केकड़ी शहर के प्रमुख व्यावसायिक इलाके घंटाघर चौराहे पर मंगलवार अलसुबह हुई सनसनीखेज चोरी ने पुलिस की रात्रिकालीन गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। यहां स्थित

- **तिजोरी को खेत में तोड़कर नकदी और चांदी के सिक्के निकाले, करीब चार लाख रुपए की चोरी का अनुमान**
- **दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में पांचों बदमाशों की गतिविधियां रिकॉर्ड हो गई**



खाली तिजोरी खेत में टूटी हुई हालत में मिली।

सस्ता किराणा भंडार को पांच नकाबपोश बदमाशों ने निशाना बनाया। बदमाशों ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया और भारी-भरकम तिजोरी को बाहर निकालकर मोटरसाइकिल पर लाद लिया। महज छह मिनट में अंजाम दी गई इस वारदात से पूरे शहर में खलबली मच गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार अलसुबह करीब 4:30 बजे पांच बदमाश कंबल ओढ़कर और चेहरे ढककर दुकान के बाहर पहुंचे। पहले उन्होंने दुकान का शटर तोड़कर रास्ता बनाया। इसके बाद तीन बदमाश अंदर दाखिल हुए और तिजोरी को खींचते हुए दुकान से बाहर ले आए। बाहर मौजूद उनके दो साथियों ने तिजोरी को मोटरसाइकिल पर रखा और सभी मौके से फरार हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश जूनियां गेट की ओर निकल गए। बताया जा रहा है कि वे चोरी की गई तिजोरी को सापंदा रोड स्थित एक खेत में ले गए। वहां तिजोरी को तोड़कर उसमें रखी नकदी, चांदी के सिक्के और अन्य कीमती सामान निकाल लिया। खाली तिजोरी बाद में खेत में टूटी हुई हालत में मिली। चोरी से व्यापारी को करीब 4 लाख रुपए का नुकसान होने का अनुमान जताया जा रहा है।

वारदात के दौरान आसपास मौजूद कुछ लोगों की नजर बदमाशों पर पड़ गई। उन्होंने शोर मचाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन बदमाशों ने जवाब में उनकी तरफ पत्थर फेंके और दहशत फैलाकर भागने में कामयाब हो गए। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में पांचों बदमाशों की गतिविधियां रिकॉर्ड हो गई हैं। फुटेज में उनकी पूरी करतूत सामने आई है। घटना की सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस के एएसआई सम्पतराज मीणा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों की पहचान और उनके फरार होने के रास्ते का पता लगाया जा सके। पुलिस के अनुसार चोरी की गई तिजोरी बरामद कर ली गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

माण्डलगढ़ से भीलवाड़ा एनएच-758 की सड़क पर अधूरे कार्य से हादसों का खतरा

माण्डलगढ़, (निसं)। लाडपुरा से भीलवाड़ा तक राष्ट्रीय राजमार्ग-758 कागजों में तो घोषित हैं, लेकिन सड़क टू लेन ही बनी हुई हैं, पर टोल टैक्स वसूली एनएच के नियम कायदे से वसूला जा रहा हैं। वहीं सड़क सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाएँ कहीं नजर नहीं आती हैं।

- **घोषित ब्लैक स्पॉट की सड़क की चौड़ाई का निर्माण कार्य चार माह से ठप पड़ा है**
- **यश पावन धाम के पास सड़क के दोनों ओर गहरी खाइयां और कंक्रीट हादसों की वजह बनीं**

गौरतलब है कि बीगोद से आगे भीलवाड़ा की ओर यश पावन धाम के पास सड़क हादसों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस मार्ग पर कई हादसे होने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इसे ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित किया है। इसके बावजूद यहां सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने से वाहन चालकों और राहगीरों की परेशानी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। जानकारी के अनुसार, हादसों की आशंका को देखते हुए इस मार्ग पर 2 किलोमीटर तक की सड़क की चौड़ाई बढ़ाने का कार्य शुरू किया गया था, लेकिन पिछले करीब चार माह से निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ा है। अधूरे निर्माण के चलते सड़क के दोनों किनारों पर गहरी खाइयां बनी हुई हैं। वहीं सड़क किनारे पर डाली गई कंक्रीट और निर्माण सामग्री भी वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। रात के समय तथा तेज रफ्तार से गुजरने वाले वाहनों के लिए यह स्थिति और अधिक खतरनाक साबित हो सकती है।

बीगोद नगर पालिका पार्षद मुनीर लुहार का कहना है कि जिस स्थान को एनएचएआई ने खुद ब्लैक स्पॉट माना है, वहां प्राथमिकता के आधार पर सड़क सुरक्षा के इंतजाम होने चाहिए थे, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है। आए दिन होने वाले हादसों से क्षेत्र के लोगों में भय और नाराजगी का माहौल है।

पार्षद मुनीर लुहार ने एनएचएआई की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू करने के बाद उसे बीच में ही छोड़ देना सड़क पर गुजरने वाले वाहनधारियों और आमजन की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। यदि निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं किया जा सकता था तो कम से कम सड़क किनारों पर सुरक्षा संकेतक, बैरिकेडिंग और अन्य जरूरी इंतजाम किए जाने चाहिए थे। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण वाहन चालकों को रोजाना जोखिम उठाकर इस मार्ग से गुजरना पड़ रहा है।

लाडपुरा से भीलवाड़ा तक 60 किलोमीटर की टू लेन सड़क पर यातायात का भारी दबाव हैं। त्रिवेणी, बीगोद, सवाईपुर में सड़क पर अतिक्रमण की वजह से कई बार जाम की स्थिति बनी रहती हैं, एम्बुलेंस तक को सुगम रास्ता नहीं मिलता हैं। इस मार्ग पर लगातार बढ़ते हादसों और ब्लैक स्पॉट की सड़क के चौड़ाई करण का काम चार माह से बंद पड़े होने की परेशानी को लेकर ग्रामीणों में एनएचएआई के जिम्मेदारों के प्रति भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क चौड़ीकरण का कार्य दोबारा शुरू कर पूरा नहीं कराया गयातो क्षेत्रवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

आपसी विवाद में कार चालक पर हमला किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित एक साफा हाउस के सामने कार चालक को रूकवा कर उस पर लोहे के पाइप से हमला किया गया। हमले में चालक घायल हो गया। पीड़ित ने नामजद व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कराया है। आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि विश्नोईयों की ढाणी पांचला सिद्धा खींवसर निवासी अश्विनी कुमार पुत्र झूमरराम की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वह अपनी कार लेकर चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित आदेश साफा हाउस के सामने से निकल रहा था। तब चामू का बजरंग लाल आदि वहां आए और उसकी कार को रूकवा कर मारपीट की। उस पर लोहे के पाइप से हमला किया जिससे वह जख्मी हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। मामला आपसी विवाद का होना बताया गया है। पुलिस की तरफ से जांच जारी है।

नोखा विधायक सुशीला डूडी, देहात कांग्रेस अध्यक्ष पर केस दर्ज

बीकानेर, (निसं)। जिला परिषद में जिला प्रमुख चुनाव से ठीक पहले नोखा विधायक सुशीला डूडी, देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग और कांग्रेस नेता भंवर कूकणा के खिलाफ जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने में एफआईआर दर्ज हुई है। वार्ड नौ से कांग्रेस सदस्य मैना देवी के पति नेमाराम ने तीनों पर पत्नी को जबरन ले जाने का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह के अनुसार, विधायक से जुड़ा मामला होने के कारण इसकी जांच सीआईडी-सीबी को सौंप दी गई है। अब मामले में आगे की कार्रवाई सीआईडी-सीबी करेगी।

- **कांग्रेस सदस्य मैना देवी के पति नेमाराम ने पत्नी को जबरन ले जाने का आरोप लगाया है**
- **विधायक से जुड़ा मामला होने के कारण इसकी जांच सीआईडी-सीबी को सौंपी : थाना प्रभारी**

शिकायत के अनुसार, 20 नवंबर को मतगणना के बाद पॉलिटेक्निक कॉलेज में सर्टिफिकेट वितरण के दौरान कांग्रेस के दो पक्ष आमने-सामने हो गए थे। इस दौरान मैना देवी के देवर के साथ धक्का-मुक्की और कपड़े फाड़ने का आरोप है। इसके बाद मैना देवी को जबरन अपने साथ ले जाने की शिकायत की गई।

शिकायत के अनुसार, 20 नवंबर को जिला परिषद चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद जीते सदस्यों को सर्टिफिकेट दिए जा रहे थे। इसी दौरान कांग्रेस के दो पक्ष आमने-सामने हो गए। मौके पर मौजूद मैना देवी के देवर ने आरोप लगाया कि उनके साथ धक्का-मुक्की की गई और कपड़े फाड़े गए। इसके बाद मैना देवी को जबरन अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया गया। जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि जिला परिषद के वार्ड-9 से कांग्रेस सदस्य मैना देवी के पति नेमाराम ने इर्द दर्ज कराई है। नेमाराम ने शिकायत में आरोप लगाया कि नोखा विधायक सुशीला डूडी, देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग और कांग्रेस नेता भंवर कूकणा उनकी पत्नी मैना देवी को जिला परिषद चुनाव के नतीजे आने वाले दिन पॉलिटेक्निक कॉलेज से जबरन अपने साथ ले गए।

गौरतलब है कि बीकानेर में जिला प्रमुख पद को लेकर कांग्रेस के दो गुटों में खींचतान चल रही है। एक गुट नोखा विधायक सुशीला डूडी का है। उनकी पुत्रवधु निकिता डूडी को जिला प्रमुख पद का दावेदार माना जा रहा है। दूसरा गुट पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविन्दराम मेघवाल का है। उन्होंने अपनी बेटी सरिता चौहान को जिला प्रमुख पद का दावेदार बनाने की घोषणा की थी। गोविन्दराम मेघवाल ने कहा था कि उनके क्षेत्र खाजूवाला, पूगल और छत्तरगढ़ में जिला परिषद के 8 सदस्य जीते हैं। ऐसे में वे सरिता चौहान की दावेदारी पेश करेंगे। हालांकि, अंतिम फैसला पार्टी को ही करना है। दोनों गुटों ने अलग-अलग बाड़ेबंदी कर रखी है। इसी के चलते दोनों पक्ष जिला परिषद सदस्यों को अपने गुट में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

चार गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे पुलिस अभियान के तहत सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तारी वारंटों में वांछित चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए वारंटियों में सुभाष पुत्र पालाराम निवासी पुरा की ढाणी, महेश कुमार पुत्र मूलचन्द निवासी अजाड़ी कलां, राकेश कुमार पुत्र रामकुमार निवासी अजाड़ी खुर्द तथा सुमेर सिंह पुत्र नौरंगराम निवासी खाजपुरा नया, हाल आबाद अणगासर शामिल हैं। चारों आरोपी गिरफ्तारी वारंटों में वांछित थे।

हिंडौन शहर में छत से गिरा युवक, मौत

ईंट से पैर टकराने के बाद बैलेंस बिगड़ जाने से हादसा हुआ

हिंडौन सिटी, (निसं)। शहर की जाटव बस्ती में सोमवार रात छत से गिरकर 26 साल के युवक की मौत हो गई। युवक मकान की छत पर बने शौचालय जा रहा था। इसी दौरान अंधेरे में उसका पैर ईंट से टकरा गया और संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

- **युवक मकान की छत पर बने शौचालय में जा रहा था**

कोतवाली थाने के एएसआई समंदर सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान सूरज जाटव (26) पुत्र जगदीश जाटव के रूप में हुई है। उसके भाई सुनील ने थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार, मकान की छत पर बाउंड्री वॉल नहीं थी। सोमवार रात करीब 8 बजे सूरज छत पर बने शौचालय जा रहा था। इसी दौरान अंधेरे में उसका पैर ईंट से टकरा गया और वह संतुलन खोकर नीचे गिर गया। ड्यूटी डॉक्टर मुकेश गुर्जर के अनुसार, छत से गिरने के दौरान सूरज का सिर खात्थर से टकराया था, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई। मंगलवार को जिला अस्पताल की मोर्चरी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

चचेरे भाई महेंद्र जाटव ने बताया कि सूरज मजदूरी करता था और अविवाहित था। उसके बड़े भाई विजय की करीब पांच साल पहले सिलिकोसिस से मौत हो गई थी। परिवार में अब सूरज के दो भाई और विधवा मां हैं। पोस्टमॉर्टम के दौरान परिजन और इलाके के लोग मौजूद रहे।

चोरी की वारदात का पर्दाफाश, महिला गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के न्यू हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र स्थित राजकीय आवास में हुई सोने-चांदी के आभूषणों की चोरी की वारदात का कोतवाली पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने खुलासा कर दिया है। संयुक्त पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 50 वर्षीय महिला भंवरी देवी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण भी बरामद कर लिए हैं।

पुलिस के अनुसार, परिवादी संजीव कुमार (31) निवासी ढाणी निहालोठ, पचेरी कलां ने 11 नवंबर को कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 10 नवंबर को परिवार के सदस्यों की गैरमौजूदगी में अज्ञात व्यक्ति ने न्यू हाउसिंग बोर्ड स्थित उनके राजकीय आवास में घुसकर सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। अगले दिन दोपहर उनके ससुर तेजसिंह ने फोन पर चोरी की सूचना दी। घर पहुंचकर जांच करने पर आभूषण गायब मिले। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

वारदात की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली सीआई श्रवण कुमार मील ने खुलासे के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय किया। घटनास्थल का निरीक्षण करवाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास करीब एक किलोमीटर के दायरे में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा कई संदिग्धों से पूछताछ की गई। 23 नवंबर को डीएसटी एवं कोतवाली पुलिस ने संदिग्ध भंवरी देवी से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में चोरी की वारदात स्वीकार करने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अनुसंधान के दौरान चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण भी बरामद कर लिए गए। गिरफ्तार महिला की पहचान भंवरी देवी पत्नी सीताराम (50) निवासी छोटूराम के मकान, आदर्श कॉलोनी, रीको क्षेत्र, झुंझुनूं के रूप में हुई है।

भरतपुर में तीन गाड़ियां टकराई, एक दर्जन लोग घायल

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के गहनोली मोड़ थाना क्षेत्र में बर पीपर मोड़ पर तीन गाड़ियां आपस में भिड़ गई। हादसे में एक दर्जन के करीब लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची जिन्होंने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

दुर्घटना में घायल हर्षित ने बताया कि उनका परिवार ग्वालियर से बालाजी दर्शन को जा रहा था तभी रूपवास रोड पर एक गाड़ी ने ओवरटेक करते हुए उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। वहीं दूसरी गाड़ी में सवार हेलक गाँव निवासी घायलों के परिजनों ने बताया कि उनका परिवार सरेंधी के पास एक महत्मा के दर्शन को जा रहा था तभी एक तेज रफ्तार गाड़ी में उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। जिसमें उनके परिवार के आधा दर्जन लोग घायल हो गए। इसी प्रकार तीसरी गाड़ी में सवार लोग भी घायल हुए हैं सभी घायलों को इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में 12 फीट ऊंची फलदार जंगली बेर की झाड़ी मिली

बूंदी, (निसं)। जंगलों में प्रकृति की समृद्ध जैव विविधता और देशज वनस्पतियों का अनूठा संसार छिपा है। इसका उदाहरण रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के भाला वन क्षेत्र में देखने को मिला, जहां वन्यजीव प्रेमी पृथ्वी सिंह राजावत को करीब 12 फीट ऊंची फलदार जंगली बेर की झाड़ी मिली।

- **वन्यजीव प्रेमी पृथ्वी सिंह राजावत ने विशिष्ट देशी प्रजाति से प्रभावित होकर राजावत ने बेर एकत्रित कर उनके बीज सुरक्षित सहेजे**



रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के भाला वन क्षेत्र में वन्यजीव प्रेमी पृथ्वीसिंह राजावत को करीब 12 फीट ऊंची फलदार जंगली बेर की झाड़ी मिली

झाड़ी पर बड़ी संख्या में लगे बेर न केवल आकार और प्राकृतिक बनावट में आकर्षक थे, बल्कि स्वाद में भी बेहद मीठे और रसदार थे। इस विशिष्ट देशी प्रजाति से प्रभावित होकर राजावत ने बेर एकत्रित कर उनके बीज सुरक्षित सहेजे हैं। उनका संकल्प इन बीजों से पौधे तैयार कर खेतों की मेड़ों, गांवों के आसपास और उपयुक्त खाली स्थानों पर रोपित करने का है।

पृथ्वी सिंह राजावत का मानना है कि जंगलों में प्राकृतिक रूप से विकसित होने वाली ऐसी देशी फलदार प्रजातियों का संरक्षण और विस्तार समय की आवश्यकता है। इनका महत्व केवल फल उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि ये स्थानीय पारिस्थितिकी, जैव विविधता और वन्यजीवों के प्राकृतिक भोजन चक्र को भी मजबूती प्रदान करती हैं। बीज संग्रह की यह पहल प्रकृति की पारंपरिक खाद्य विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक छोटा लेकिन सार्थक प्रयास है।

पोषण से भरपूर है देशी बेर :- बेर स्वाद के साथ पोषण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मौसमी फल है। इसमें विटामिन-सी, विटामिन-ए के पूर्वगामी तत्व, बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन, पोटेशियम, कैल्शियम, फास्फोरस और आहार फाइबर जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। विटामिन-सी शरीर की सामान्य प्रतिरक्षा प्रणाली के सुचारु संचालन में सहायक है, जबकि फाइबर पाचन तंत्र के सामान्य कामकाज के लिए उपयोगी है। इसकी एक विशेषता यह भी है कि बेर की अनेक देशी प्रजातियां कम वर्षा और गर्म जलवायु में भी आसानी से विकसित हो जाती हैं। यही कारण है कि राजस्थान जैसे शुष्क एवं अद्धर्शुष्क क्षेत्रों में इनका विशेष महत्व है।

आयुर्वेद चिकित्सालय बूंदी के प्रमुख चिकित्साधिकारी डॉ. सुनील कुशवाह ने बताया कि आयुर्वेदिक परंपरा में बेर के फल का उल्लेख मिलता है। पारंपरिक आयुर्वेदिक ग्रंथों और वनौषधि संबंधी अध्ययनों में इसका उपयोग पाचन संबंधी समस्याओं, अत्यधिक प्यास तथा शरीर की कुछ सामान्य असहजताओं में वर्णित है। सर्दियों में उपलब्ध होने वाला यह मौसमी फल प्राकृतिक पोषक तत्वों का अच्छा स्त्रोत है। नवंबर से फरवरी के बीच इसकी विभिन्न किस्मों में फल पकते हैं। पके बेर स्वाद में मीठे होते हैं, जबकि कच्चे बेर में खट्टापन रहता है। इन्हें ताजा खाने के साथ सुखाकर भी संरक्षित किया जाता है।

वनस्पति शास्त्र के सह आचार्य डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने बताया कि ग्रामीण और वनवर्ती क्षेत्रों में पाई जाने वाली जंगली बेर की झाड़ी, जिसे झरबेरी भी कहा जाता है, प्रकृति की महत्वपूर्ण देशी वनस्पतियों में से एक है। इसका वानस्पतिक नाम जिजिफस न्यूमुलेरिया है तथा यह रैमनेसी कुल की झाड़ी है। कांटेदार शाखाओं और छोटी पत्तियों वाली यह झाड़ी कम पानी, तेज गर्मी और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सहजता से पनपती है। इसके छोटे फल पकने पर लालिमा लिए हुए तथा स्वाद में मीठे और स्वादिष्ट होते हैं।

हनुमानगढ़ में नशा तस्करी के पैसों से खरीदा प्लॉट फ्रीज

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 10 लाख रुपए कीमत का प्लॉट फ्रीज किया है। पुलिस के मुताबिक, यह प्लॉट आरोपी सिकंदर खान (22) ने नशा तस्करी से कमाए पैसों से अपनी मां शमशाद बेगम के नाम पर खरीदा था। टिब्बी क्षेत्र के गुडिया गांव निवासी आरोपी के खिलाफ आधा दर्जन मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार, फ्रीज किया गया प्लॉट करीब 10 लाख रुपए का है और उसके चारों ओर चारदीवारी बनी हुई है। जांच में सामने आया कि सिकंदर खान की आय का कोई वैध स्रोत नहीं मिला। पुलिस का आरोप है कि उसने नशे के अवैध कारोबार से अर्जित रकम से यह संपत्ति खरीदी थी। इसी आधार पर पुलिस ने संपत्ति को फ्रीज कराया। पुलिस के मुताबिक, 7 दिसंबर 2024 को गश्त के दौरान सिकंदर खान को कार में 251 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) ले जाते हुए गिरफ्तार किया गया था। इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी कई साल से नशा तस्करी में शामिल है।

पालिका प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए

छबड़ा (निसं)। नगर पालिका के वार्ड नंबर 15 में बदहाल सफाई व्यवस्था को लेकर पार्षद आयाजुल हक फारूकी ने नगर पालिका प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वार्ड में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। जगह-जगह नालियां टूटी पड़ी हैं और नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदगी फैल रही है, जिससे वार्डवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पार्षद फारूकी ने सुलभ कॉम्प्लेक्स की बदहाल स्थिति पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉम्प्लेक्स में गंदगी का अंबार लगा हुआ है और इसके दरवाजे भी टूटे पड़े हैं, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से वार्ड की नालियों की मरम्मत करवाने, नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा सुलभ कॉम्प्लेक्स की साफ-सफाई और टूटे दरवाजों को दुरुस्त करवाने की मांग की। पार्षद ने कहा कि वार्डवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना नगर पालिका की जिम्मेदारी है।

गुरुनानक जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई, प्रभात फेरी निकाली

निवाई। गुरु नानक की 557 वीं जयंती प्रकाश पर्व के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। गुरु नानक जयंती को लेकर शहर के मुख्य बाजार से प्रभात फेरी निकाली गई, जिसका सिंधु वूमेन वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने पुष्प वर्षा से स्वागत सत्कार किया। कार्तिक मास की पूर्णिमा देव दीपावली व गुरु नानक के जन्मोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सिंधू अध्यक्ष ऋचा इसरानी ने बताया कि गुरु नानक जयंती दिवस सेवा, करुणा, दया एवं मानवता का संदेश देने वाला महापर्व है। इसी भावना को साकार करने के लिए सिंधू की सभी महिलाओं ने दामोदर गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाया। उनका उद्देश्य है कि गुरु पूरब की खुशियों में उन बेजुबान गोवंश को भी शामिल किया जाए, जो हमारे सनातन धर्म में महादान है। गौ सेवा ही करुणा, संस्कृति व मानवता का सच्चा संदेश है। गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक जिम्मेदारी एवं मानवीय संवेदना का प्रतीक है। कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली का भव्य पर्व मनाया जाता है। सिंधू सदस्य योग्यता इसरानी ने बताया कि देव दीपावली के दिन देवता भी धरती पर आकर दीपोत्सव करते हैं, इसी उद्देश्य से देव दीपावली पर दीप जलाना प्रकाश, सकारात्मकता व शुभता का प्रतीक माना जाता है।



गुरु नानक जयंती पर आयोजित प्रभात फेरी में शामिल महिलाएं।

कोटा मेडिकल कॉलेज में होगा सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का विस्तार : बिरला

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कोटा मेडिकल कॉलेज को चिकित्सा सुविधाओं और व्यवस्थाओं की दृष्टि से आदर्श अस्पताल बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आने वाले एक वर्ष में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हों, इस लक्ष्य के साथ व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है।

बिरला ने मंगलवार को करीब 10 करोड़ की लागत से बने 25 आइसोलेशन वार्ड एवं मेडिकल कॉलेज अस्पताल व सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक को जोड़ने के लिए बने कनेक्टिविटी कॉरिडोर के लोकार्पण समारोह को संबोधित किया। बिरला ने कहा कि हाड़ौती सहित मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में मरीज यहाँ उपचार के लिए आते हैं। कैंसर हॉस्पिटल की स्वीकृति मिल चुकी है। डीपीआर तैयार होने के बाद करीब चार माह में इसके शिलान्यास का प्रयास रहेगा। जल्द ही 120 बेड का स्पाइनल इंजरी सेंटर, 50 बेड का क्रिटिकल केयर वार्ड और 90 कॉटेज एवं क्यूबिकल वार्ड की सुविधाएँ भी उपलब्ध होंगी। अत्याधुनिक फिजियोथेरेपी सेंटर विकसित करने के साथ इमरजेंसी एवं ट्रॉमा सेवाओं को भी सुदृढ़ किया जाएगा।

बिरला ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में मरीजों के परिजनों के लिए 900 बेड का रामाश्रय विकसित किया जा रहा है। यहाँ आवास के साथ मरीज के दो परिजनों को नि:शुल्क भोजन की सुविधा मिलेगी। अस्पताल में स्वच्छता, पंजीकरण, दवा वितरण और मरीजों की देखभाल से जुड़ी व्यवस्थाओं में भी व्यापक सुधार किया जाएगा। बिरला ने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति को देश के किसी भी अस्पताल में उपचार की आवश्यकता होगी तो उसकी हरसंभव सहायता की जाएगी।

विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि कोटा मेडिकल कॉलेज में कनेक्टिंग कॉरिडोर और आइसोलेशन वार्ड जैसी सुविधाओं से मरीजों और चिकित्सकों को काफी राहत मिलेगी। सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक और न्यू हॉस्पिटल के बीच कॉरिडोर बनने से गंभीर मरीजों को जांच और उपचार के लिए एक जगह से दूसरी जगह ले जाना आसान होगा। उन्होंने चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आभार जताया।

शर्मा ने कहा कि रामाश्रय भवन से मरीजों के परिजनों को ठहरने की सुविधा मिलेगी। शर्मा ने कहा कि कैंसर यूनिट की घोषणा के बाद इसके शुरू होने में देरी हो रही थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से इसके लिए वित्तीय स्वीकृति भी मिल गई है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने वाला है। इस दौरान महापौर अनुसुइया गोस्वामी, उप महापौर विवेक राजवंशी, जिला कलेक्टर पीयूष समारिया, प्रिंसिपल डॉ. नीलेश जैन, चिकित्सकगण व गणमान्य मौजूद रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा द्वारा)
ई–निविदा नोटिस संख्या.–2026-24RT-CCTV दिनाँक: 21.11.2026
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबन्धक, कैरिज कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **01. कार्य का नाम व स्थान** : Supply, installation & Commissioning of CCTV system with a warranty period of 03 years at Carriage Repair Workshop, Jodhpur, North Western Railway **02. कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 2218836 (रु. बाईस लाख अठारह हज़ार आठ सौ छत्तीस मात्र) **03. बयाना राशि जो जमा करनी है** : रु. 44400 (रु. चौंतालीस हज़ार चार सौ मात्र) **04. ई–निविदा जमा करने की अन्तिम दिनांक व समय तथा ई–निविदा खोलने की दिनांक व समय** : 14.12.2026 को 15:00 बजे तक तथा 14.12.2026 को 15:00 बजे के बाद **05. वेबसाइट विवरण जहां से ई–निविदा सम्बन्धित पूर्ण विवरण प्राप्त किया जा सकता है** : www.ireps.gov.in डब्ल्यू.डब्ल्यू.डब्ल्यू. आईरपीएस.जीओवी.आईएन **06. कार्यालय का पता जहां से निविदा जारी की गयी** : मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, कैरिज कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर–342001 राजस्थान 1670-CQ/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कोटा स्टेशन पर 22 दिनों में1032 मामलों में 6.97 लाख का जुर्माना

कोटा, (निसं)। रेलवे स्टेशन पर जन विश्वास अधिनियम के प्रावधानों के तहत रेलवे नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। 01 से 22 नवंबर के दौरान विभिन्न विभागों ने कुल 1032 मामलों में 6,97,345 रुपये का जुर्माना लगाया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि इस अवधि में वाणिज्य विभाग ने 715 मामलों में 5,09,845 रुपये, रेलवे सुरक्षा बल ने 301 मामलों में 1,71,500 रुपये तथा मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक ने 16 मामलों में 16,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

- विभिन्न विभागों ने कुल 1032 मामलों में 6,97,345 रुपये का जुर्माना लगाया।

यात्रियों में नियमों के प्रति जागरूकता के लिए जन विश्वास अधिनियम के तहत विभिन्न उल्लंघनों पर निर्धारित अर्थदंड की जानकारी भी महत्वपूर्ण है। बिना टिकट अथवा निर्धारित दूरी से अधिक यात्रा पर न्यूनतम 500 रुपये, ट्रेन या स्टेशन परिसर में धूम्रपान पर 2,000 रुपये, नशे की हालत में अभद्र व्यवहार पर 1,000 रुपये, महिला आरक्षित डिब्बे अथवा बर्थ में अनधिकृत प्रवेश किया।

अष्टान्हिका महापर्व पर पंचमेरु नन्दीश्वर मण्डल विधान का आयोजन

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में अष्टान्हिका महापर्व के उपलक्ष्य में पंचमेरु नन्दीश्वर मण्डल विधान का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साह पूर्वक पूजा-अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा व विमल जौला ने बताया कि पण्डित सुरेश शास्त्री के निर्देशन में अष्टान्हिका महापर्व के चलते बड़ा जैन मंदिर सहित शहर के सभी जिनालयों में धूमधाम से पूजा अर्चना की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा भगवान आदिनाथ, भगवान चंद्र प्रभु, भगवान पार्श्वनाथ की विधिवत मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक करके शांतिधारा की गई। विधान मण्डल में सौधर्म इन्द्र लालचंद जैन, ज्ञानचंद सोगानी, महावीरप्रसाद छाबड़ा, अनिल सोगानी, अतुल ठोलिया, शकुंतला छाबड़ा, अंजना ठोलिया, ज्ञानेश्वरी पहाड़ी, प्रेमा कासलीवाल, नीलू जैन, मेना सोगानी व चमेली देवी जैन सहित सभी इन्द्र इन्द्राणियों ने देव शास्त्र, गुरु पूजन, भगवान आदिनाथ, चन्द्रप्रभु, पार्श्वनाथ एवं पंचमेरु नन्दीश्वर मण्डल विधान की संगीत के साथ पूजा अर्चना की। राकेश संधी ने बताया।



अष्टान्हिका महापर्व पर पंचमेरु नन्दीश्वर मण्डल विधान में पूजा-अर्चना करते हुए श्रद्धालु।

चंबल व ब्राह्मणी नदी में दीपदान

रावतभाटा (निसं)। रावतभाटा उपखंड क्षेत्र के नगर एवं ग्रामीण अंचल में मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धा और आस्था का माहौल देखने को मिला। कार्तिक मास के समापन तथा कार्तिक स्नान पूर्ण होने के साथ ही पूरे माह व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं, महिलाओं और बालिकाओं ने चंबल तथा ब्राह्मणी नदी में दीपदान कर अपने व्रतों का विधिवत उद्यापन किया।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे. एल. एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853
क्रमांक: 3854 **आम जाहिर सूचना** दिनांक: 23.11.26
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या-6/H/87 इंदिरा गाँधी नगर (जगतपुरा), जयपुर, क्षेत्रफल 236.25 वर्ग मीटर का आवंटन श्री प्रभात पुत्र स्वo श्री बिरदा के पक्ष में जारी किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 3377 दिनांक 24/02/2007 जारी किया गया था। उक्त आवंटन पत्र अपंजीकृत है।
खातेदार श्री प्रभात पुत्र स्व. श्री बिरदा के द्वारा उक्त भूखण्ड का मुख्तयारनामाआम श्री करण सिंह तंवर पुत्र श्री उमेद सिंह को नियुक्त किया गया। उक्त मुख्त्यारनामाआम को नोटरी पब्लिक श्री ईश्वर शर्मा, जयपुर से सत्यापित (तस्दीक) करवाया गया तथा जिसके पेटे पंजीयन एवं मुद्रांक शुल्क कार्यालय उप पंजीयक-प्रथम, जयपुर में दिनांक 03.07.2007 को रसीद संख्या 2007051008207 द्वारा जमा करवाया गया।
तत्पश्चात मुख्तयारनामाआम धारक श्री करण सिंह तंवर पुत्र श्री उमेद सिंह के द्वारा उक्त विकसित भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती संगीता गाँधी पत्नी श्री महेन्द्र गाँधी को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक-प्रथम, जयपुर में दिनांक 03/07/2007 को करवाया गया।
श्रीमती संगीता गाँधी पत्नी श्री महेन्द्र गाँधी के द्वारा आवेदन पत्र के साथ प्रशासनिक शुल्क जमा की रसीद की प्रति, अण्डरटेकिंग, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र की छाया प्रति, नोटरी सत्यापित मूल मुख्तयारनामा आम खो जाने के संबंध में पुलिस थाने में दर्ज FIR रिपोर्ट व समाचार पत्र विज्ञप्ति की छायाप्रति तथा स्वयं एवं गवाह के पहचान पत्र की प्रति प्रस्तुत कर उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का नवीन पट्टा अपने पक्ष में जारी करवाने हेतु आवेदन किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ती हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के **07 दिवस** में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता **श्रीमती संगीता गाँधी पत्नी श्री महेन्द्र गाँधी** का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर उनके पक्ष में उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा जारी करने की कार्यवही कर दी जायेगी।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत तृतीय, रा.आ.म., जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनूसूची संख्यांक 4
न्यायालय JM 4 जयपुर महानगर द्वितीय
शैलजा शर्मा विरूद्ध प्रीती
वाद/प्रार्थना पत्र.....
प्रार्थना-पत्र संख्या 175/2026 सन् नाम प्रीती पत्नी कुलदीप जाति हिन्दु पता मकान सं. 28 मंगल विहार प्रथम तल नन्दपुरी सोडाला जयपुर
उक्त वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि.....
अतः अपाको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 25 माह 11 सन् 2026 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो । यदि आप ऐसा करने मे असफल रहेगें तेा उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा
यह आज ता. 19 माह 11 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

रोटरी क्लब कोटा नॉर्थ ने 51 जरूरतमंद मजदरों को कंबल बांटे

कोटा, (निसं)। समाज सेवा एवं मानवता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए रोटरी क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा बढ़ती सर्दी को देखते हुए बोरखेड़ा क्षेत्र में कंबल वितरण सेवा प्रकल्प आयोजित किया गया। इस सेवा प्रकल्प के अंतर्गत क्षेत्र में कार्यरत जरूरतमंद मजदूरों एवं श्रमिकों को 51 कंबलों का वितरण किया गया, जिससे उन्हें सर्दी के मौसम में राहत मिल सकें। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर एवं असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन विनय अग्निहोत्री के नेतृत्व में यह सेवा कार्य संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में खुले स्थानों एवं कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले मजदूरों को विशेष रूप से ठंड का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जरूरतमंद लोगों तक कंबल पहुंचाना एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण मानवीय प्रयास है। इसी उद्देश्य से बोरखेड़ा क्षेत्र में मजदूर वर्ग को चिन्हित कर कंबलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब कोटा नॉर्थ के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण गुप्ता ने कहा कि रोटरी केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग और मानवता के मूल्यों पर आधारित एक परिवार है।

वार्षिक मेला एवं भंडारा श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित

शाहपुरा। पिपलोद ग्राम पंचायत के चतरपुरा गांव में अमरी सती माता का वार्षिक मेला एवं भंडारा श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित हुआ। कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और माता के दर्शन कर प्रसादी ग्रहण की। समाजसेवी सुभाष पोसवाल एवं सरपंच अर्जुनलाल सराधना ने बताया कि अमरी सती माता का वार्षिक मेला एवं भंडारा प्रत्येक वर्ष कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को आयोजित किया जाता है। आयोजन को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह रहता है। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक नेहड़ा कार्यक्रम में कृष्ण कसाना एंड पार्टी ने शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिसने उपस्थित दर्शकों को झूमने और नाचने पर मजबूर कर दिया।

दोपहर में अमरी सती माता को खीर एवं मालपुए का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। इस दौरान श्री खोजीद्वाराचार्य रामरिछपालदास जी महाराज त्रिवेणी धाम, प्रहलाददास जी कुंडा धाम, बनारसीदास जी अवधपुरी धाम, हरिओमदास जी परमानंद धाम एवं रामदास जी नीलक धाम सहित अनेक संत-महात्माओं ने कार्यक्रम में पहुंचकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया।

प्रतिभावान विद्यार्थियों का किया सम्मान कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 10वीं एवं 12वीं के प्रतिभावान विद्यार्थियों को संत श्री बनारसीदास जी एवं सरपंच अर्जुनलाल सराधना सहित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण छाजूराम सराधना चतरपुरा की ओर से किया गया।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 235/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री जगदीश प्रसाद पुत्र श्री खेमराम निवासी खेमराम रोड के पास गोपिपुरा वार्ड नं. 12 कोटपूतली जिला कोटपूतली-बहरोड राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत बंजारा समाज विकास समिति कोटपूतली-बहरोड राज के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 16.11.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 28.01.27
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

विवादकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय JM जयपुर महानगर द्वितीय
शैलजा शर्मा विरूद्ध प्रीती
वाद बाबत दावा
वाद संख्या 157 सन् 2026
वनाम प्रीती पत्नी कुलदीप जाति हिन्दु स्थान मकान सं.28 मंगल विहार प्रथम तल नन्दपुरी सोडाला जयपुर वादी ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 25 माह 11 सन् 2026 को दिन में 10.30 बजें दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो ओर जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपकों यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें ओर उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जें में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। ओर यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावें के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय मै उपंसजात नही होगे तो वाद की सुनवाई ओर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 19 माह 11 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

रोसाकॉन का सम्मेलन 8 से

कोटा, (निसं)। चिकित्सा क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों, शोध और उपचार पद्धतियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्थान ऑथोपेडिक सर्जन्स एसोसिएशन का 38वां वार्षिक सम्मेलन 'रोसाकॉन-2027' आगामी 8 से 10 जनवरी 2027 तक कोटा में आयोजित किया जाएगा। मेडिकल कॉलेज कोटा के अस्थि रोग विभाग की ओर से कोटा ऑथोपेडिक सोसायटी के सहयोग से आयोजित होने।

वाला यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन मुकुंदरा सरोवर प्रीमियर में होगा।

डीग में गुरूनानक का प्रकाश पर्व मनाया, प्रभात फेरी निकाली

डीग/भरतपुर, (निसं)। सिख धर्म के प्रथम गुरु, मानवता, समानता, प्रेम और विश्व बंधुत्व का संदेश देने वाले श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें प्रकाश पर्व पर मंगलवार को डीग के सौघर मोहल्ला स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में श्रद्धा और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। त्रिदिवसीय प्रकाश पर्व आयोजनों की श्रृंखला में प्रात:काल शोभायात्रा के रूप में प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें संगत ने गुरुवाणी का गुणगान करते हुए गुरु महाराज के जयकारों से संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

श्री गुरुद्वारा साहिब परिसर से प्रारंभ हुई प्रभात फेरी तेलीपाडा, लक्ष्मण मंदिर, मुख्य बाजार, घंटाघर, नई सडक, गणेश मंदिर और पुरानी अनाज मंडी होते हुए पुन: गुरुद्वारा साहिब पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और शहरवासियों ने पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया। विभिन्न स्थानों पर स्वल्पाहार एवं प्रसाद वितरण कर संगत की सेवा की गई। गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ की संपूर्णता पर भव्य कीर्तन दरबार सजा, जहां गुरुवाणी के मधुर शबदों ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक भावधारा से सराबोर कर दिया। अरदास के पश्चात गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव की खुशियां केक काटकर साझा की गईं। इस अवसर पर ग्रंथी सिंहों को सरोपा भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत-सत्कार किया गया।

दोपहर बाद गुरुद्वारा परिसर में आकर्षक रंगोली सजाई गई। सायंकाल आयोजित अटूट लंगर में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरु का प्रसाद ठाहण किया। इस पावन अवसर पर हरीश अरोडा, सोमनाथ अरोडा, ज्ञान चावला, सुरेन्द्र पाल जग्गी, प्रदीप मनोचा, तथा गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष अमित अरोडा सहित बडी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई–ऑक्शन आमंत्रित करने की सूचना
No. Comml/E-auction/2026/39 Date 20.11.2026
उक्त के सन्दर्भ में विभिन्न गाड़ियों में एसएलआर लीजिंग एवं विज्ञापन (विनाइल रैपिंग) एवं विभिन्न स्टेशनों पर MSS-Misc Static Services / विज्ञापन (OOH/RDN)/पे एंड यूज/रिटायरिंग रूम/वेटिंग रूम/पार्किंग/ATM के ठेके हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित की गई है। कैटलॉग IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किए जा चुके हैं।

1.	कार्य का नाम	(1)	जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं विभिन्न गाड़ियों पर विज्ञापन (OOH, RDN & Vinyl) के ठेके हेतु ई–ऑक्शन
		(2)	जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर पे एंड यूज के ठेके हेतु ई–ऑक्शन
		(3)	जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर MSS- Misc Static Services & ATM के ठेके हेतु आदि का ई–ऑक्शन
		(4)	जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर पार्किंग के ठेके हेतु ई–ऑक्शन
		(5)	जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर Catering & MPS के ठेके हेतु ई–ऑक्शन
		(6)	जोधपुर मंडल की विभिन्न गाड़ियों में एसएलआर लीजिंग के ठेके हेतु आदि का ई–ऑक्शन
2.	कार्य की अवधि	(1)	विज्ञापन (OOH/RDN): 3 वर्ष
		(2)	पार्किंग: 3 वर्ष
		(3)	विज्ञापन (Vinyl): 3 वर्ष
		(4)	लीजिंग: 03 वर्ष
		(5)	Pay and Use: 03 वर्ष
		(6)	ATM: 03 वर्ष
		(7)	MSS- Misc Static Services: 3 वर्ष
	लॉट के ई–ऑक्शन प्रारंरभ की तिथि व समय	(1)	Advertisement (Vinyl): (1) 12462-61-VB-SDG दिनांक 02.12.26 को 14:00 बजे से
		(2)	Advertisemenet (OOH): (1) OOH-JOR-26-29 दिनांक 07.12.26 को 15: 00 बजे से
		(3)	Advertisement (RDN): (1) RDN-ND-JU-28 दिनांक 01.12.26 को 11:00 बजे से
		(4)	Parcel leasing: (1) Parcel-JU-151 दिनांक 04.12.26 को 12:00 बजे से (2) Parcel-JU-152 दिनांक 07.12.26 को 11:00 बजे से
		(5)	MSS-Misc Static Services: (1) Locker-DSO26-10 दिनांक 01.12.26 को 13:00 बजे से (2) MSS-JSM-Kiosk14 दिनांक 04.12.26 को 11:00 बजे से
		(6)	Pay and Use: (1) PnU-JU-26-25 दिनांक 01.12.26 को 12:00 बजे से (2) WR-JU-26-24 दिनांक 02.12.26 को 12:00 बजे से (3) RR-Dormt-NGO-19 दिनांक 07.12.26 को 14:00 बजे से
		(7)	ATM: (1) ATM-DNA-26-07 दिनांक 01.12.26 को 14:00 बजे
		(8)	Parking: (1) Park-JU-26-30 दिनांक 02.12.26 को 15:00 बजे से
4	वेबसाइट जहाँ से लॉट वाइज ई–ऑक्शन के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।		www.ireps.gov.in

1668-CQ/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

नवम हाड़ौती गौरव सम्मान समारोह का आगाज

कोटा, (निसं)। हाड़ौती अंचल की प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उनके उल्लेखनीय योगदान को सम्मानित करने की दिशा में न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसायटी की पहल सराहनीय है। प्रतिभाओं को सम्मानित करने से न केवल उनका उत्साह बढ़ता है, बल्कि नई पीढ़ी को भी समाज और राष्ट्र के लिए कुछ बेहतर करने की प्रेरणा मिलती हैं। यह बात राजस्थान रेडक्रॉस सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष एवं कोटा नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने कही। वे मंगलवार को नवम हाड़ौती गौरव सम्मान समारोह-2027 के पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे।

न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस समारोह का पोस्टर विमोचन कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम में कोटा विकास प्राधिकरण के राजस्व सलाहकार परमानंद गोयल, समाजसेवी एवं संभागीय संयोजक लोकेश शर्मा, सनाढ्य ब्राह्मण सभा समिति के कोषाध्यक्ष चंद्र कुमार पाठक, कार्यक्रम संयोजक केके शर्मा कमल, समिति सचिव इंजीनियर पुष्पकांत शर्मा, रामसिंह पवार, मीडिया प्रभारी हर्षित शर्मा एवं डेविस शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कोटा विकास प्राधिकरण के राजस्व सलाहकार परमानंद गोयल ने कहा कि हाड़ौती की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का यह प्रयास अन्य लोगों को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। सम्मान से प्रतिभाओं का मनोबल बढ़ेगा और युवाओं में कुछ नया करने का जज्बा पैदा होगा। संभागीय संयोजक लोकेश शर्मा ने कहा कि हाड़ौती के नाम से शुरू किया गया यह सम्मान समारोह जन-जन में उत्साह का संचार करेगा। उन्होंने सोसायटी से प्रतिवर्ष इस तरह के आयोजन जारी रखने का आव्हान किया। सनाढ्य ब्राह्मण सभा समिति के कोषाध्यक्ष चंद्र कुमार पाठक ने कहा कि सर्वधर्म और सर्वसमाज की प्रतिभाओं को एक मंच पर लाकर सम्मानित करना सराहनीय नवाचार है। इससे समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और विकास को नई दिशा मिलेगी।

स्पीकर देवनानी ने गुरुद्वारा साहिब में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने आज मंगलवार को अजमेर के गंज स्थित गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व एवं श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के पावन अवसर पर मत्था टेककर गुरु साहिबान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर देवनानी ने गुरु नानक देव जी के प्रेम, सद्भाव, समानता, सेवा और मानवता के संदेश को स्मरण किया। उन्होंने धर्म एवं मानव

सार-समाचार

सवाई माधोपुर में गौशाला में सामग्री भेंट की

सवाईमाधोपुर। जिला मुख्यालय के श्री विजयेश्वर धर्मार्थ ट्रस्ट शिव मंदिर बजरिया ओर से खेरदा स्थित नंद बाबा गौशाला में एक कुंटल गुड, एक ट्राली हरा चारा तथा सुखा चारा दान किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट अध्यक्ष वैध नाथूलाल गौतम, उपाध्यक्ष विनोद कुमार गर्ग, महामंत्री पूरणमल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार, सहमंत्री गिरधारीलाल शर्मा ट्रस्टी निरंजन सिंहल, प्रहलाद राय गोयल, तेज कुमार कुमावत, ओम प्रकाश मित्तल, शीतलदास, देवेंद्र कुमार, महावीर प्रसाद सिंहल, गिरिराज केदावत, वैध श्री बल्लभ सहित समस्त ट्रस्टी मौजूद रहे।

सांभर की संतोष ने कांस्य पदक जीता

सांभरझील। केरल में आयोजित राष्ट्रीय डेफ चैंपियनशिप में सांभर (तेजा का वास) की रहने वाली संतोष जाट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। 28वीं राष्ट्रीय डेफ सीनियर चैंपियनशिप एवं 11वीं राष्ट्रीय डेफ जूनियर और सब-जूनियर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में टेबल टेनिस प्रतियोगिता के महिला युगल वर्ग में संतोष ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए यह कामयाबी हासिल की। बता दें कि पूर्व में भी वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। वर्ष 2026 में चंडीगढ़ में आयोजित 27वीं राष्ट्रीय डेफ सीनियर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में उन्होंने महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक तथा महिला युगल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। वहीं वर्ष 2025 में अहमदाबाद में आयोजित 26वीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी उन्होंने कांस्य पदक हासिल किया था। लगातार राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर उन्होंने प्रदेश स्तर तक नाम रोशन किया है।

अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं आज से

गंगापुर सिटी, (निसं)। राज्य स्तरीय समान परीक्षा योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 की अर्धवार्षिक परीक्षाएं 25 नवंबर से शुरू होकर 12 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं को लेकर शिक्षा विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। 25 नवंबर से परीक्षाएं शुरू होंगी।

राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य के पालीघाट में बीस घड़ियालों को प्राकृतिक आवास में छोड़ा

सवाई माधोपुर,(निंस)। चम्बल नदी में घड़ियालों के संरक्षण एवं वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य के पालीघाट में 20 घड़ियाल हैचलिंग्स को रेडियो वीएचएफ (वेरी हाई फ्रीक्वेंसी) टैग के साथ प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के.सी.ए. अरुण प्रसाद ने हैचलिंग्स को नदी में पुनर्स्थापित किया। इस दौरान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव एवं क्षेत्र निदेशक रणथम्भौर बाघ परियोजना शारदा प्रताप सिंह, उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक मानस सिंह, सहायक वन संरक्षक पालीघाट अजय कुमार सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।



मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के.सी.ए. अरुण प्रसाद ने हैचलिंग्स को नदी में पुनर्स्थापित किया।

मुख्य वन संरक्षक शारदा प्रताप सिंह ने बताया कि घड़ियाल पारिस्थितिकी परियोजना के तहत घड़ियालों के संरक्षण की यह पहल की जा रही है। इस वर्ष तीन चरण में कुल 80 घड़ियालों की टैगिंग कर पुनर्वास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस क्रम में मंगलवार को प्रथम चरण में 20 हैचलिंग्स को छोड़ा गया है। शेष हैचलिंग्स फरवरी माह के अन्त तक चम्बल नदी के प्राकृतिक आवास में छोड़े जाएंगे। इसके बाद रेडियो टेलीमेट्री तकनीक के उपयोग से नदी में इनके विचरण क्षेत्र, गतिविधियों, व्यवहार, प्राकृतिक आवास में अनुकूलन और उत्तरजीविता की निगरानी की जाएगी। इससे घड़ियालों के जीवन-चक्र एवं चम्बल नदी की पारिस्थितिकी को समझने में वैज्ञानिक मदद मिलेगी तथा घड़ियाल संरक्षण के लिए भविष्य में बेहतर कार्ययोजना बनाई जा सकेगी। उन्होंने बताया कि रेडियो वीएचएफ टैगिंग से घड़ियालों के प्राकृतिक जीवन एवं आवासीय व्यवहार का अध्ययन संभव होगा। इससे चम्बल नदी की जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के संरक्षण संबंधी प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

वैज्ञानिक देखरेख में हैचलिंग्स का पालन-पोषण:- उप वन संरक्षक मानस सिंह ने बताया कि नवजात घड़ियालों को शुरुआती अवस्था में तेज जल प्रवाह, बाढ़, जंगली जानवरों और मछली पकड़ने के जाल जैसी चुनौतियों से बचाने के लिए पालीघाट स्थित रेयरिंग सेंटर में वैज्ञानिक पद्धित से उनका पालन-पोषण किया गया। हैचलिंग्स को अलग-अलग सुरक्षित केबिन में रखा गया तथा उनके प्राकृतिक व्यवहार को बनाए रखने के लिए जीवित मछलियां भोजन के रूप में दी गई, जिससे हैचलिंग्स के पर्याप्त विकास (75 सेंटीमीटर से अधिक) के बाद उन्हें पुन: प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा रहा है।

आधुनिक सुविधाओं से विकसित हो रहा रेयरिंग सेंटर:- राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना के तहत पालीघाट में घड़ियाल रेयरिंग सेंटर को आधुनिक सुविधाओं से विकसित किया जा रहा है। यहां विशेष एनक्लोजर, बास्किंग प्लेटफॉर्म, जल फिल्ट्रेशन एवं पम्पिंग सिस्टम और सीसीटीवी निगरानी जैसी व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे शावकों की सुरक्षा, देखरेख और वैज्ञानिक निगरानी को बेहतर बनाया जा सके। वन विभाग ने आमजन से चम्बल नदी में कचरा एवं प्लास्टिक नहीं डालने, घड़ियालों के प्रजनन स्थलों से दूरी बनाए रखने तथा वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास में अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं करने की अपील की है।

इस अवसर पर सहायक वन संरक्षक दिनेश जांगिड़, क्षेत्रीय वन अधिकारी पालीघाट किशन सांखला, परियोजना विशेषज्ञ जैलाब्दीन सहित वन विभाग के कार्मिक उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं को प्रसादी बांटी

हिण्डौन सिटी, (निसं)। मुख्य डाकघर के पास स्थित पाताली हनुमान मंदिर में मंगलवार को अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। शाम 5 बजे से श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। गोवर्धन पूजा के साथ शहर में अन्नकूट के आयोजन जारी हैं।मंदिर के महंत शैलेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि मंदिर परिसर में दो भट्टियों पर कढ़ी, बाजरा और मिश्रित सब्जियां तैयार की गईं। प्रसाद वितरण में महिलाएं, बालिकाएं और युवा जुटे रहे। शाम 4:30 बजे हनुमानजी, संतोषी माता, नरसिंहजी और शिवालय में अन्नकूट का भोग लगाया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसादी बांटी गई। बडी संख्या में लोग प्रसाद लेने पहुंचे और बालाजी महाराज के दर्शन किए।जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर अन्नकूट महोत्सव देर शाम तक चला।

इस दौरान श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम और बालाजी महाराज के जयकारे लगाए। दोपहर 1 बजे महिला और पुरुषों ने शब्द कीर्तन किया। इसके बाद लंगर शुरू हुआ। संगत ने पंगत में बैठकर लंगर प्रसाद ग्रहण किया।

समाज के लोगों ने लंगर तैयार करने में सहयोग किया। प्रकाश पर्व के अवसर पर बच्चों के लिए रंग भरो प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। बच्चों ने सिख संस्कृति से जुड़ी तस्वीरों में रंग भरकर अपनी प्रतिभा दिखाई। निर्णायक मंडल ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों की घोषणा की।

मंत्री सजंय शर्मा ने अलवर के गुरुद्वारे में सेवा की

अलवर। गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर अलवर शहर के स्कीम नं. 2 स्थित गुरुसिंह सभा गुरुद्वारा श्रद्धा और कीर्तन से गूंज रहा था। इसी पावन माहौल के बीच वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा गुरुद्वारा पहुंचे। उन्होंने दरबार साहिब में शीश नवाया, मत्था टेका और प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि एवं अमन-चैन की कामना की।

इस दौरान मंत्री ने लंगर हॉल में जाकर सेवा की। प्रसादी बनाने में हाथ बंटाया। कुर्ता-पायजामा में, संगत के बीच बैठकर, सेवा करते हुए उन्होंने सेवा, समर्पण और समानता का वो संदेश दिया, जो गुरु नानक देव जी ने 550 साल पहले दुनिया को दिया था। मंत्री शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं को गुरु पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन और उपदेशों के माध्यम से मानवता, प्रेम आदि।

- **मत्था टेक कर मांगी प्रदेश में खुशहाली और अमन-चैन की दुआ, कहा - गुरु नानक का नाम जपो, किरत करो, वंड छको ही असली जीवन मंत्र है**

पंचायतीराज चुनाव के मद्देनजर जिले में निषेधाज्ञा लागू

सवाई माधोपु। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख, प्रधान एवं उपप्रधान पदों की निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष सम्पन्न कराने के लिए जिला मजिस्ट्रेट काना राम ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। यह आदेश 24 से 28 नवम्बर 2026 तक प्रभावी रहेगा। जारी आदेश के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, आमसभा, जुलूस एवं सभाओं के आयोजन पर प्रतिबंध रहेगा। चुनाव ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों एवं अधिकृत कार्मिकों को छोड़कर अन्य व्यक्तियों द्वारा मोबाइल फोन, सेलुलर फोन एवं वायरलेस उपकरणों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा।

- **जिला कलक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी किए आदेश 24 से 28 नवम्बर तक प्रभावी रहेंगे प्रतिबंध**

निर्वाचन प्रक्रिया के पश्चात किसी भी व्यक्ति, राजनीतिक दल, प्रत्याशी अथवा उनके समर्थकों द्वारा विजय जुलूस, समारोह, सभा एवं सामूहिक आयोजन भी प्रतिबंधित रहेंगे। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट ने संबंधित अधिकारियों को आदेश की पालना सुनिश्चित कराने तथा आमजन को इसकी जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

जरूरतमंदों को सामग्री दी

निवाई। आशारामजी गौशाला के तत्वावधान में झिलाय रोड़ पर स्थित कालाभाटा, पहाड़ी चुंगी नाका, राहोली रोड़ व हनौतिया के गांवों में सैंकड़ों जरूरतमंद परिवारों का भंडारा किया गया। भंडारे में लगभग पांच सौ लोगों को प्रसादी ग्रहण करवाई गई। इस दौरान उनकों कपड़े, बर्तन, जूते, चप्पल, गुड़, चीनी, चावल, तेल, दाल, खजूर, आटा, कंबल सहित अन्य जरूरतमन्द सामग्री के साथ दक्षिणा भी दी गई। गौशाला के गौसेवकों ने बताया कि अपने घर की आवश्यकता तो हर कोई पूरी करता है, लेकिन जो साधनों से रहित पड़ोसियों व गरीबों के घर की आवश्यकता को यथा सम्भव पूरा करता है, वही सच्चा सेवाभावी मनुष्य है।

कांग्रेस उम्मीदवार बोदन के लापता होने का मामला आया सामने

भरतपुर, (निसं)। सेवर थाना क्षेत्र के गांव बिसदा निवासी एक व्यक्ति ने अपने पिता के अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस में मामला दर्ज कराया है। लापता बुजुर्ग सरपंच का चुनाव होने के बाद वोट डालने गए थे, जिसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है।

मिली जानकारी के अनुसार गांव बिसदा निवासी राजवीर पुत्र बोदनसिंह जाटव ने सेवर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके पिता बोदनसिंह ने जिला परिषद वार्ड संख्या 31 से कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ा था। वे चुनाव जीत गए हैं। इसके बाद 16 नवंबर को सरपंच का चुनाव था, जिसमें उनके पिता वोट डालने के लिए घर से गए थे। वोट डालने के बाद से ही वे संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गए। परिवादी राजवीर ने बताया कि परिजनों ने अपने स्तर पर सभी संभावित जगहों पर उनकी काफी तलाश की, लेकिन आज तक उनका कोई पता नहीं चल सका है। बेटे ने रिपोर्ट में शक जताया है कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनके पिता को जबरदस्ती उठाकर (अपहरण कर) ले गया है।

- **जिला परिषद के वार्ड नंबर 31 से विजयी उम्मीदवार बोदन सिंह लापता बताये जा रहे हैं**

देव दीपावली पर धूलेश्वर महादेव के 1111 दीपकों से की महाआरती



कालाडेरा कस्बे में धूलेश्वर महादेव मन्दिर प्रांगण में देव दीपावली कार्यक्रम मनाया।

चौमूं / कालाडेरा। कालाडेरा कस्बे में स्थित धूलेश्वर महादेव मन्दिर मौनी बाबा आश्रम में मंगलवार शाम को देव दीपावली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मन्दिर प्रांगण में भव्य रोशनी के साथ विशेष सजावट की गई। शाम को 1111 दीपक के साथ धूलेश्वर महादेव की महाआरती की गई। आरती के बाद मन्दिर परिसर में दीपमाला सजाई गई। इस अवसर पर आतिशबाजी भी की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जमकर धूलेश्वर महादेव के जयकारे लगाए। गौरतलब है हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य देव दीपावली बड़े हर्ष के साथ मनाई गई कस्बे के साथ ही चौमूं उपखण्ड में शहरवासियों व ठाामीणों ने अपनें घरों में दीप प्रज्वलित कर देव दीपावली मनाई। इस अवसर पर आचार्य मुकेश शास्त्री, कालाडेरा नगर पालिका के वार्ड 15 के पार्षद कमलेश जांगिड़, धर्मेन्द्र जांगिड़, रेखांशु रावत, सुभाष जांगिड, रविन्द्र सहरिया, कानाराम कुमावत, शैलेन्द्र चौबे, दीपक शर्मा, प्रकाश कुमावत, शकर शर्मा सहित शहर वासि उपस्थित थे।

पीपल विवाह को लेकर निकली विशाल कलश यात्रा

निवाई। भरकुआं तालाब रोड पर स्थित भोमिया जी महाराज के मंदिर में बुधवार को आचार्य पंडित केदार नारायण शास्त्री के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पीपल विवाह महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। पीपल विवाह को लेकर को मायला कुंड स्थित शिव मंदिर से विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कलश यात्रा बड़ा बाजार, बस स्टैंड एवं वेयरहाउस होते हुए भोमिया जी के मंदिर पहुंची। इस दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक जयकारों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूर्व पार्षद प्रहलाद सैनी ने बताया कि पीपल विवाह को लेकर भगवान लक्ष्मीनाथ की बारात मालियों के मोहल्ले में स्थित लक्ष्मीनाथ मंदिर से शाही लवाजमे के साथ रवाना होगी। बारात में आकर्षक बग्गी में भगवान लक्ष्मीनाथ जी विराजमान होंगे। बारात शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई भोमिया जी महाराज के मंदिर परिसर पहुंचेगी। जहां वधू पक्ष की ओर से बारात का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तोरण की रस्म अदा की ।

मंगलम सिटी पर नगर पालिका की सख्ती, बकाया विकास शुल्क जमा कराने का अंतिम नोटिस

मनोहरपुर। नगर पालिका मनोहरपुर ने मंगलवार को मंगलम सिटी को अंतिम नोटिस थमाते हुए बकाया विकास शुल्क एवं अन्य देय राशि जमा कराने के निर्देश दिए हैं। राजस्थान टाउनशिप नीति-2024 के तहत स्वीकृत ले-आउट से जुड़े मामले में नगर पालिका ने डिमांड नोट की संपूर्ण बकाया राशि जमा कराने के साथ आवश्यक दस्तावेज भी निर्धारित समय में कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहा है। राशि जमा नहीं होने की स्थिति में संबंधित प्रकरण के निस्तारण अथवा पट्टा जारी करने की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ाई जाएगी।

- **तीन दिन में राशि व दस्तावेज जमा नहीं किए तो अटकेगा पट्टा/प्रकरण का निस्तारण**

नगर पालिका की ओर से 12 अगस्त 2026 को जारी पत्र में मंगलम बिल्ड के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता राजेश कुमार शर्मा को संबोधित करते हुए बताया गया कि पूर्व में वर्ष 2010 की टाउनशिप नीति के अनुसार डिमांड नोट जमा कराया गया था, जबकि वर्तमान ले-आउट राजस्थान टाउनशिप नीति-2024 के तहत अनुमोदित है। इसी के चलते संशोधित विकास शुल्क एवं अन्य देय राशि जमा कराने के लिए पूर्व में भी पत्र जारी किया गया था।

नगर पालिका के पत्र के अनुसार निर्धारित अवधि बीत जाने के बावजूद संबंधित पक्ष की ओर से डिमांड नोट की संपूर्ण राशि जमा नहीं कराई गई। डिमांड में ट्रंक सीवर लाइन, ट्रंक स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सहित अन्य मदों के शुल्क का उल्लेख किया गया है। साथ ही संबंधित प्रकरण से जुड़े आवश्यक पंजीकरण एवं दस्तावेज कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किए जाने की बात भी पत्र में कही गई है।

नगर पालिका ने अंतिम सूचना जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि डिमांड नोट की संपूर्ण बकाया राशि तत्काल जमा कराई जाए तथा संबंधित दस्तावेज तीन दिन के भीतर कार्यालय में प्रस्तुत किए जाएं। राशि जमा नहीं होने तक संबंधित पट्टे/प्रकरण का निस्तारण अथवा पट्टा जारी नहीं किया जाएगा। नगर पालिका ने अपने पूर्व पत्र 29 जुलाई 2026 का हवाला देते हुए बताया कि संबंधित पक्ष को बकाया डिमांड नोट की पूरी राशि जमा कराने के लिए पहले ही सूचित किया जा चुका था। इसके बावजूद निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं होने पर अब अंतिम सूचना जारी की गई है।

25 नवम्बर को मिलेगा पहला जिला प्रमुख

कोटपूतली,(निंस)। नवगठित कोटपूतली-बहरोड़ जिले की राजनीति में इन दिनों सियासी पारा सातवें आसमान पर है। पंचायत आम चुनाव 2026 के तहत अब पूरे जिले की निगाहें जिला परिषद की सबसे बड़ी कुर्सी यानी प्रथम जिला प्रमुख व उप जिला प्रमुख के निर्वाचन पर टिक गई हैं। रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता द्वारा जारी आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार 25 नवंबर बुधवार को जिला प्रमुख व 26 नवंबर गुरुवार को उप जिला प्रमुख का चुनाव संपन्न कराया जाएगा। चुनाव को लेकर स्थानीय पंचायत समिति परिसर अगले चार दिनों तक 'हॉट स्पॉट' बना रहेगा। प्रशासन ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए कमर कस ली है और पूरे परिसर को छावनी में तब्दील करने की तैयारी कर ली है। सुबह 10 से शाम 05 बजे तक चलेगा चुनावी घमासानजिला प्रमुख व उप जिला प्रमुख दोनों ही पदों के लिए पूरी चुनावी प्रक्रिया राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 व राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत एक ही दिन में पूरी की जाएगी। इसको लेकर बैठक की शुरुआत प्रात: 10 बजे होगी। 11 बजे नामांकन दाखिल किये जायेगें, जिसमें इच्छुक उम्मीदवार जिला प्रमुख व उप प्रमुख पद के लिए अपने नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। जिसके पश्चात् प्रात: 11.30 बजे से नामांकन पत्रों की संवीक्षा/प्रस्तुत किए गए सभी नामांकन पत्रों की गहन जांच की जाएगी। वहीं उम्मीदवार दोपहर 01 बजे तक अपना नाम वापस ले सकेंगे।

इसके तुरंत पश्चात चुनाव चिन्हों का आवंटन कर अंतिम उम्मीदवारों की सूची तैयार की जाएगी। यदि एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में रहते हैं।

शहर में पेयजल आपूर्ति के समय में बदलाव

निवाई। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के तत्वावधान में सर्दी के मौसम को लेकर बुधवार से शहर के कुछ क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के समय में बदलाव किया गया है। सहायक अभियन्ता रामअवतार मीणा ने बताया कि सर्दी के मौसम को लेकर बुधवार से आगामी आदेश तक शहर के टेगोर नगर टंकी से होने वाली पेयजल आपूर्ति के समय में परिवर्तन किया गया है। नई व्यवस्था के तहत गुर्जर मोहल्ला, काली का बाग, महावीर नगर, निर्माण नगर, मोदी धर्मशाला के पीछे, बसन्त कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, अर्जुन नगर, मानसिंह कॉलोनी व कीर कॉलोनी में प्रात: 6 से 7 बजे तक पेयजल आपूर्ति की जाएगी। इसके पश्चात कृष्णा कॉलोनी, कीर कॉलोनी व मानसिंह कॉलोनी में प्रात: 7 से 8 बजे तक पेयजल सप्लाई होगी। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों के अतिरिक्त शहर की बाकी पेयजल आपूर्ति पूर्व की भांति यथावत् जारी रहेगी।

- **आज से लागू होगी नई व्यवस्था**

तुलसी शालीग्राम विवाह : श्री अवध बिहारी मंदिर से भव्य बारात ठाठबाट से निकली

कोटपूतली। कस्बा स्थित श्री अवध बिहारी जी मंदिर से भव्य बारात बड़े ही ठाठबाट एवं धूमधाम के साथ निकाली गई। बारात में भगवान श्री अवध बिहारी जी की आकर्षक झांकी के साथ श्रद्धालु बैंड-बाजों एवं भजनों की मधुर धुनों पर नाचते-गाते हुए चल रहे थे। कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर निकली बारात से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर बारात का स्वागत किया। आयोजन में नारायणपुर से पधारे महामंडलेष्वर जनार्दन दास महाराज, महामंडलेष्वर श्री श्री 1008 श्री बालेष्वरदास महाराज एवं लक्ष्मण दास महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। इसके पश्चात मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ तुलसी जी एवं श्री शालिग्राम जी का विवाह पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं मंगल रस्मों के अनुसार संपन्न हुआ। विवाह समारोह में श्रद्धालुओं ने मंगल गीतों एवं भजनों के साथ उत्सव मनाया तथा भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। कन्या पक्ष में राकेश खजांची ने तुलसी के पिता पक्ष के रूप मे कन्या दान किया एवं समस्त बारातिओं का स्वागत सत्कार किया। इस मौके पर नरहरिदास महाराज, बजरंगदास महाराज, महंत जगदीशदास, महंत अशोकदास, महंत जयबिहारी शरण, महंत घनश्यामदास, महंत महावीरदास, महंत मनीरामदास, महंत कमलदास, मंहत निर्मलदास, महंत परशुरामदास, महंत रघुवीरदास, महंत कृष्णदास, महंत बिहारीदास, महंत श्यामनारायणदास, महंत रामावतार दास, महंत शंकरदास, महंत राजेंद्रदास, महंत महेंद्रदास, महंत गौरवदास सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस धार्मिक आयोजन ने शहर की प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत करते हुए श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का संदेश दिया।



कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर निकली बारात से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया

- **बैंड-बाजों व भजनों की धून पर झूमे श्रद्धालु, संत-महात्माओं के सानिध्य में संपन्न हुआ धार्मिक आयोजन**

आवेदनों के सत्यापन की अन्तिम तिथि 28 नवंबर को

निवाई। राजकीय महाविद्यालय में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार स्नातकोत्तर में ऑनलाइन आवेदनों के सत्यापन की तिथि में वृद्धि की गई है। प्रवेश प्रभारी प्रो. अजय मीणा ने बताया कि प्रथम प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों के लिए को आवेदन पत्र मय मूल प्रमाण पत्रों की जांच करवाने एवं ई-मित्र पर शुल्क जमा करवाने की अंतिम तिथि 28 नवंबर है। प्रवेशित विद्यार्थियों की प्रथम सूची का प्रकाशन 30 नवंबर को किया जाएगा व 1 दिसंबर से महाविद्यालय में शिक्षण कार्य आरंभ होगा। डॉ. मीणा ने बताया कि श्रेणीवार रिक्त स्थानों पर प्रवेश के लिए 30 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन शुरू होंगे। 6 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन, 07 दिसंबर को आवेदन पत्रों का ऑनलाइन सत्यापन, 8 दिसंबर को रिक्त स्थानों की प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन, 11 दिसंबर को मूल दस्तावेजों का सत्यापन व ई-मित्र पोस्टिंग, 12 दिसंबर तक ई-मित्र पर शुल्क जमा होगी एवं 14 दिसंबर को प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

फायरिंग के मामले में दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। दोनों आरोपियों पर घोषित था 2-2 हजार रुपये का इनाम, फायरिंग में शामिल एक आरोपी पूर्व में हो चुका गिरफ्तार

भरतपुर,(निसं)। नदबई थाना पुलिस ने गांव बरवारा में जानलेवा फायरिंग के मामले में फरार चल रहे दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चन्द्रभान उर्फ छोटू पुत्र मोहन सिंह निवासी बरवारा तथा राजेश पुत्र सुरेश निवासी वनखंडी मंदिर, नदबई के रूप में हुई है।

दोनों आरोपियों पर जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से 2-2 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस आरोपियों से अवैध हथियारों की बरामदगी के प्रयास कर रही है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उच्चौन सुरेश कुमार एवं नदबई वृत्ताधिकारी भवानी सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी अरुण चौधरी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 12 सितंबर 2026 को गांव बरवारा में झगड़े के दौरान फायरिंग की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को एक जिंदा कारतूस और एक खाली कारतूस मिला, जिन्हें जब्त किया गया। मामले में कोमल सिंह निवासी बरवारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह बनै सिंह जाटव की दुकान पर सामान लेने गया था।

इसी दौरान चन्द्रभान उर्फ छोटू, दीपशिखर और दीपक पुजारी मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि जान बचाकर भागने के दौरान चन्द्रभान ने उसे जान से मारने की नीयत से अवैध हथियार से 2-3 फायर किए।

इस संबंध में नदबई थाने में प्रकरण संख्या 357/26 के तहत बीएनएस एवं आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि मामले में दीपशिखर उर्फ लाला को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब चन्द्रभान उर्फ छोटू और राजेश की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

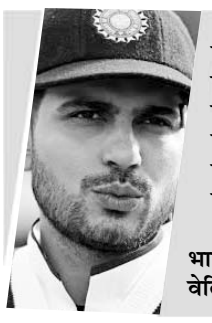

मुझे लगता है कि इस मैच के लिए हमारे पास जो बॉलिंग अटैक था, वह सबसे बेहतरीन था। देखिए, सिराज एक शानदार खिलाड़ी और बेहतरीन गेंदबाज हैं, जिन्होंने भारत के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन, इन सबसे बढ़कर, वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। - **शुभमन गिल**

भारतीय बल्लेबाज, सिराज को वेलिंगटन टेस्ट से बाहर रखने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



मिचेल स्टार्क

मिचेल स्टार्क ने साल 2015 से 2025 के बीच खेले गए 15 मुकाबलों की 29 पारियों में विरोधी टीमों के छक्के छुड़ा दिए। स्टार्क ने कुल 2931 गेंदें (488.3 ओवर) फेंकी और 1523 रन देकर 89 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत 17.11 और इकोनॉमी रेट 3.11 का रहा। उनका स्ट्राइक रेट 32.93 का रहा, जिसका मतलब है कि वे हर 33वीं गेंद पर विकेट हासिल करते रहे। स्टार्क ने 101 मेडन ओवर डाले और 6 बार एक पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट झटके।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला टीम ने नवंबर 2025 में पहली बार वनडे विश्व कप जीता। पुरुष टीम ने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप खिताब अपने नाम किए।

मि. इंडिया चैम्पियनशिप में रहीम बने चैम्पियन ऑफ चैम्पियंस



जयपुर, 24 नवंबर। प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में आयोजित मिस्टर इंडिया चैंपियनशिप में रहीम अब्बासी यादव ने 'चैंपियन ऑफ चैंपियंस' का खिताब जीता, जबकि साकिब सेकंड रनरअप रहे। फेडरेशन अध्यक्ष मंसूर खान और हेड जज अशोक शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। राजस्थान के चेतन प्रकाश वैष्णव, रहीम अब्बासी, साकिब, सोनू यादव और तनवीर ने गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया।

रॉयल क्रिकेट एकेडमी की लगातार तीसरी जीत, रितिक चमके

जयपुर, 24 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में रॉयल क्रिकेट एकेडमी ने नेशनल क्रिकेट एकेडमी को 18 रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। नेशनल क्रिकेट ग्राउंड, बैनाड़ पर खेले गए मुकाबले में रॉयल एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 155 रन बनाए। हितार्थ डेगरा ने 71 और रितिक राठौड़ ने 18 रन बनाए। जवाब में नेशनल क्रिकेट एकेडमी की टीम 7 विकेट पर 137 रन ही बना सकी। रितिक राठौड़ को शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

राजस्थान यूनाइटेड का मोहम्मडन स्पोर्टिंग से मुकाबला कल

जयपुर, 24 नवंबर। इंडियन फुटबॉल लीग 2026-27 में राजस्थान यूनाइटेड एफसी बुधवार, 25 नवंबर को कोलकाता में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब से भिड़ेगी। मुकाबला शाम 4 बजे किशोर भारती क्रीरंगन स्टेडियम में खेला जाएगा। राजस्थान यूनाइटेड के कोच विक्रांत शर्मा ने कहा कि टीम पिछले परिणामों को पीछे छोड़ जीत के लिए पूरी ताकत लगाएगी। खिलाड़ी प्रदीप सिंह ने भी तीनों अंक हासिल करने का भरोसा जताया और प्रशंसकों से समर्थन की अपील की।

क्रॉस सेमीफाइनल मुकाबले कल से, टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 28 को होगा

जयपुर, 24 नवंबर। जयपुर पोलो सीजन के तहत अगला टूर्नामेंट 'द ग्वालियर कप' (06 गोल) 25 नवंबर, कल से शुरू होने जा रहा है। टूर्नामेंट में चार टीमें जगत पोलो, रामबाग/स्वराज, जयपुर और विमल एरियन अचीवर्स खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 25 नवंबर को पीपीसी ग्राउंड पर दो मुकाबलों के साथ होगी। पहला मुकाबला दोपहर 3 बजे से जयपुर और विमल एरियन अचीवर्स के बीच, जबकि दूसरा मुकाबला शाम 4 बजे से जगत पोलो और रामबाग/स्वराज के बीच खेला जाएगा। इसके बाद गुरुवार, 26 नवंबर और शुक्रवार, 27 नवंबर को क्रॉस सेमीफाइनल खेले जाएंगे, जबकि फाइनल मुकाबला शनिवार, 28 नवंबर को होगा। जयपुर की टीम में विश्वराज सिंह राठौड़, डीनो धनखड़ , कुलदीप सिंह राठौड़ और एच.एच. महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ऑफ जयपुर शामिल रहेंगे। जबकि, विमल एरियन अचीवर्स की टीम में रणवीर सहारण, सावित्र मेहराज गोदारा, ध्रुवपाल गोदारा और क्रिस ल्यूक मैदान में उतरेंगे। टूर्नामेंट में जगत पोलो की टीम में विजयश्री शक्तावत, वीरमदेव सिंह, हिम्मत सिंह बेदला और फेडे बौउडू शामिल होंगी। रामबाग/स्वराज की टीम की ओर से सिद्धांत सिंह, प्रताप सिंह कानोता, हुर्र अली और जुआन जोस डियाज अल्बर्डी खेलेंगे। वहीं, टूर्नामेंट के बाद, रविवार 29 नवंबर को 'एच.एच. द महाराजा ऑफ मैसूर कप' का एग्जीबिशन पोलो मैच भी आयोजित किया जाएगा।

राज्य स्तरीय टेबल टेनिस में जयपुर का दबदबा, अंडर-19 बालक-बालिका दोनों वर्गों में चैम्पियन



भरतपुर, 24 नवंबर। भरतपुर में आयोजित 71वीं राजस्थान राज्य स्तरीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 बालक एवं बालिका दोनों वर्गों के खिताब अपने नाम किए। अंडर-19 बालक वर्ग के फाइनल में जयपुर की टीम ने कोटा को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं बालिका वर्ग के फाइनल में भी जयपुर की टीम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए कोटा को 3-1 से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। दोनों वर्गों में जयपुर की इस दोहरी सफलता से खिलाड़ियों, कोच और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। जयपुर जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष किशन महेश्वरी एवं मानद सचिव सचित गुप्ता ने विजेता टीमों के खिलाड़ियों, कोच और सहयोगी स्टाफ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वैभव की विस्फोटक बल्लेबाजी

वनडे में सबसे तेज दोहरा शतक, 53 बॉल, 204 रन, 28 छक्के

नई दिल्ली, 24 नवंबर। भारत के धाकड़ सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने दोहा में खेले जा रहे राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2026 में बल्ले से कोहराम मचा दिया। वैभव सूर्यवंशी ने यूएई के खिलाफ पहले 28 गेंदों में लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज शतक जड़ा, इसके बाद भी उनका बल्ला नहीं रुका और उन्होंने वो कर दिखाया, जो अभी तक कोई नहीं कर सका था। वैभव ने लिस्ट ए यानीवनडे क्रिकेट में अब तक का सबसे तेजदोहरा शतक सिर्फ 52 गेंदों में जड़ डाला और बल्ले से गेंदबाजों की इतनी बुरी कुटाई करने वाले 15 साल के इस बल्लेबाज ने इतिहास रच दिया। वैभव से पहले लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक 103 गेंदों में चाड बोवेस ने ओटागो की टीम के खिलाफ जड़ा था। वैभव के तूफानी दोहरे शतक से इंडिया ए ने ग्रुप स्टेज के अंतिम मैच में 250 रन का लक्ष्य सिर्फ 14.2 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया और 214 गेंद पहले सात विकेट की बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

वैभव ने पहले शतक से बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

पाकिस्तान के सामने हार के बाद इंडिया ए के खिलाड़ी काफी निराश थे। उनका सामना सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए करो या मरो के मुकाबले में यूएई की टीम से हुआ। यूएई ने पहले खेलते हुए इंडिया ए के सामने आठ विकेट पर 50 ओवर में 249 रन का टोटल बनाया। इसके जवाब में इंडिया ए के लिए सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा आए। वैभव ने पहली गेंद से ही बल्ला घुमाना जारी रखा और फिर वह रुके ही नहीं। जबकि दूसरे छोर पर अभिषेक शर्मा पांच गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 12 रन बनाकर चलते बने। वैभव ने लेकिन बल्ले से ऐसी मार जारी रखी कि सबसे पहले तो 28 गेंदों में चार चौके और 14 छक्कों की मदद से अपने लिस्ट ए क्रिकेट करियर का सबसे तेज शतक जड़ डाला।



सबसे तेज लिस्ट सेंचुरी (गेंदों के हिसाब से) लगाने वाले बल्लेबाज

वैभव सूर्यवंशी, इंडिया ए बनाम यूएई (28 गेंद) (2026), जैक फ्रेजर-मैकगर्क, साउथ ऑस्ट्रेलिया बनाम तस्मानिया (29 गेंद) (एडिलेड, 2023), एबी डिविलियर्स, साउथ अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज (31 गेंद) (जोहानिसबर्ग, 2015), सकीबुल गनी, बिहार बनाम अरुणाचल प्रदेश (32 गेंद) (रांची, 2025), इशान किशन, झारखंड बनाम कर्नाटक (33 गेंद) (अहमदाबाद, 2025)।

वैभव सूर्यवंशी ने जड़ा रिकॉर्ड दोहरा शतक

यूएई के खिलाफ दोहा के मैदान पर सिर्फ 28 गेंदों मेंशतक जड़ने के बाद भी वैभव रुके नहींऔर वह लगातार बल्ले से चौके और छक्के बरसाते चले गए। वैभव को हालांकि बीच में एक जीवनदान भी मिला तो उन्होंने फिर दुनिया का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ डाला। वैभव ने सिर्फ 52 गेंदों में यूएई के खिलाफ लिस्ट ए क्रिकेट यानी वनडे का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा। वैभव ने 52 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया तो इसके बाद 53वीं गेंद पर वह कैच आउट हो गए। इससे वैभव 53 गेंदों में सात चौके और 28 छक्कों की मदद से 204 रन की ताबड़तोड़ वर्ल्ड रिकॉर्ड पारी खेलकर चलते बने। वैभव से पहले सबसे तेज दोहरा शतक 103 गेंदों में दर्ज था। यानी करीब आधी गेंदों में ही वैभव ने दोहरा शतक ठोक दिया और अब दुनिया में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

भारत ने वैभव सूर्यवंशी के ताबड़तोड़ दोहरे शतक की बदौलत 250 रन का लक्ष्य सिर्फ 14.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। भारत के लिए वैभव के अलावा 19 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 27 रन की नाबाद पारी रिंकू सिंह ने खेली। इससे टीम इंडिया ने 214 गेंद पहले ही मैच जीत लिया और सेमीफाइनल में भी जगह पक्की कर ली। ग्रुप बी में तीन में से दो जीत के साथ इंडिया ए की टीम चार अंक लेकर पहले स्थान पर आ गई है, जबकि उसका नेट रन रेट भी 3.523 का हो गया है।

बैट और बॉल के बीच संतुलन जरूरी, बल्लेबाजों के पक्ष में झुक रहा टी-20 क्रिकेट : बाबर आजम

नई दिल्ली, 24 नवंबर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने कहा है कि टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों और गेंदबाजों को बराबर मौके मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में छोटे मैदान, बेहतर बैट और फील्डिंग प्रतिबंधों के कारण क्रिकेटर बल्लेबाजों की ओर झुकता जा रहा है। बाबर ने कहा- 'जरुरी नहीं है कि हर मैदान पर 200 या ज्यादा रन बने। हर देश और मैदान की परिस्थितियां अलग होती हैं। इसलिए पिच और कंडीशन में गेंदबाजों के लिए भी कुछ होना चाहिए। बाबर फिलहाल इंटरनेशनल लीग टी-20 (20) में खेल रहे हैं। वे पहली बार यह लीग खेल रहे हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के अपने डेब्यू मैच में 86 रन की पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

बाबर के नाम टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन: बाबर आजम टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 4,596 रन हैं। वे इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा 50 स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 42 बार यह उपलब्धि हासिल की है। बाबर 145 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 85 मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की है। लगातार 55 टी-20 इंटरनेशनल में कप्तानी करने का रिकॉर्ड भी उनके ही नाम है।

प्रियांश आर्या ने टी-20 का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया

मुश्ताक अली ट्रॉफी में 68 गेंद पर 181 रन बनाए, रिकॉर्ड 19 छक्के लगाए



नई दिल्ली, 24 नवंबर। दिल्ली के प्रियांश आर्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ 68 गेंदों पर 181 रन की पारी खेली। यह 20 क्रिकेट में किसी भी भारतीय का सबसे बड़ा स्कोर है। वे इस फॉर्मेट में दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्कोरर भी बन गए हैं। वहीं, वह बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने एरोन फिंच का रिकॉर्ड तोड़ा। फिंच ने 2018 में 172 रन बनाए थे। प्रियांश की इस पारी की बदौलत दिल्ली ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 275 रन बनाए। जवाब में तमिलनाडु की टीम सभी विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। इस मैच को दिल्ली ने 116 रन से जीत लिया।

19 छक्के लगाए, स्ट्राइक रेट 266.18 का रहा : प्रियांश ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 266.18 रहा। उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों के सबसे बड़े स्कोर के मामले में केएल राहुल को पीछे छोड़ा। राहुल ने 2026 में दिल्ली की ओर से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ 152 रन बनाए थे। सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में सबसे बड़ी पारी तिलक वर्मा ने खेली है। तिलक ने 2024 में मेघालय के खिलाफ 67 गेंदों पर नाबाद 151 रन बनाए थे।

रजत पाटीदार का सीजन का रिकॉर्ड भी तोड़ा: सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में इस सीजन में प्रियांश से पहले सबसे बड़ी पारी का रिकॉर्ड मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार के नाम था। उन्होंने असम के खिलाफ 48 गेंदों पर नाबाद 135 रन बनाए थे। प्रियांश ने इस स्कोर को 46 रन से पीछे छोड़ दिया।

नीतीश राणा के साथ 118 रन की साझेदारी की: प्रियांश ने यश ढुल के साथ पहले विकेट के लिए 17 गेंदों पर 30 रन जोड़े। यश 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद उन्होंने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 46 गेंदों पर 118 रन की साझेदारी की। राणा ने 17 गेंदों पर 18 रन बनाए। प्रियांश 18.4 ओवर में मणिमारन सिद्धार्थ की गेंद पर रितिक ईश्वरन के हाथों कैच आउट हुए। इससे पहले उन्होंने अनुज रावत के साथ चौथे विकेट के लिए 40 गेंदों पर 87 रन जोड़े।

आईसीसी का गेंद पर लार लगाने के प्रतिबंध को हटाने से इंकार

नई दिल्ली, 24 नवंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की भारतीय कप्तान शुभमन गिल की अपील के बावजूद स्वास्थ्य और क्रिकेट संबंधी कारणों से गेंद को चमकाने के लिए लार के उपयोग पर लगाए गए प्रतिबंध की समीक्षा करने की कोई योजना नहीं है। वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर खेले गए पहले टेस्ट मैच के ड्रॉ होने के बाद गिल ने कूकाबुरा गेंद के बहुत जल्दी नरम हो जाने के संदर्भ में कहा था कि खिलाड़ियों को गेंद को चमकाने के लिए लार का उपयोग करने की अनुमति देने से बल्लेबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। पीटीआई को मिली जानकारी के अनुसार विश्व क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था का रवैया अभी पहले जैसा ही है।

कोविड-19 महामारी के बाद खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के स्वास्थ्य को देखते हुए पहली बार 2020 में गेंद पर लार के लगाना प्रतिबंधित कर दिया गया था। इसके कुछ वर्षों बाद आईसीसी के खेल की परिस्थितियों से जुड़े नियमों में इसे स्थायी नियम बना दिया गया था। यह मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब के क्रिकेट नियमों के अनुरूप था, जिनके अनुसार गेंद की स्थिति को बदलने के लार का उपयोग करने को भी किसी भी अन्य अनुचित तरीके की तरह माना जाता है। खिलाड़ी मैदान पर मीठे पदार्थों, च्युइंग गम और मिंट जैसी चीजों का उपयोग करते हैं और ऐसे में लार लगाने पर गेंद की स्थिति काफी हद तक बदल सकती है। इसके अलावा इसके इस्तेमाल की निगरानी करना और इसे नियंत्रित करना भी बहुत मुश्किल है।

इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराया

// फिल सॉल्ट और एनेरिन डोनाल्ड की फिफ्टी, 151 रन की साझेदारी की //

नई दिल्ली, 24 नवंबर। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टी-20 मुकाबले में 8 विकेट से हरा दिया। टीम ने 185 रन का लक्ष्य सिर्फ 13.1 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसके साथ ही तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है। क्वींसलैंड के कैरारा ओवल में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड के ओपनर एनेरिन डोनाल्ड और फिल सॉल्ट ने 151 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। डोनाल्ड ने 85 और सॉल्ट ने 58 रन बनाए।

डोनाल्ड ने 18 गेंदों में जड़ी फिफ्टी

इंग्लैंड की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। एनेरिन डोनाल्ड ने सिर्फ 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह इंग्लैंड के लिए टी-20 इंटरनेशनल में संयुक्त रूप से तीसरी सबसे तेज फिफ्टी है। डोनाल्ड ने 32 गेंदों पर 85 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 9 छक्के लगाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे ओपनर फिल सॉल्ट ने भी 30 गेंदों पर 58 रन की पारी खेली। उन्होंने 5 चौके और 4 छक्के लगाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े। यह साझेदारी 10.1 ओवर में टूटी, जब डोनाल्ड को राइली मेरेडिथ ने जैक एडवर्ड्स के हाथों कैच कराया।



13.1 ओवर में इंग्लैंड ने मैच जीता

डोनाल्ड के आउट होने के बाद कप्तान हैरी ब्रूक और टॉम बैंटन ने टीम को जीत तक पहुंचाया। ब्रूक 9 गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बैंटन ने 8 गेंदों पर 26 रन बनाए। उन्होंने 3 छक्के लगाए। इंग्लैंड ने 13.1 ओवर में 188 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। टीम की पारी में कुल 16 छक्के लगे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए निखिल और डेविस ने बनाए रन

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 58 रन तक 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद निखिल चौधरी और जोएल डेविस ने पारी संभाली। निखिल ने 35 गेंदों पर 45 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, जोएल डेविस ने 25 गेंदों पर 39 रन की पारी खेली। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी हुई।

आखिरी 5 ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने बनाए 66 रन

ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए आखिरी 5 ओवर में 66 रन बनाए। बेन ड्वारशुइस ने सिर्फ 4 गेंदों पर नाबाद 18 रन बनाए। उन्होंने पारी के आखिरी ओवर में सैम करन की लगातार 3 गेंदों पर छक्के लगाए। जोएल डेविस ने भी 39 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सैम करन और हेनरी क्रोकोम्ब ने 2-2 विकेट लिए। जेमी ओवरटन और आदिल राशिद को एक-एक विकेट मिला।

सीरीज 1-1 से बराबर, तीसरा मैच निर्णायक

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीरीज में वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया ने पहला टी-20 मुकाबला जीता था, जबकि दूसरे मैच में इंग्लैंड ने 8 विकेट से जीत दर्ज की। अब दोनों टीमों के बीच तीसरा और आखिरी टी-20 मुकाबला सीरीज का फैसला करेगा।

यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट : नैना और नारायणा एकेडमी जीती, आदित्य यादव का तूफानी शतक



जयपुर, 24 नवंबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में नैना एकेडमी ने शास्त्री एकेडमी को 51 रन से तथा नारायणा एकेडमी ने राजस्थान स्पार्टन एकेडमी को 10 विकेट से हराया। नैना ग्राउंड पर नैना एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आर्यन शर्मा और इजहार खान के 47-47 रनों की मदद से 44.5 ओवर में 169 रन बनाए। जवाब में शास्त्री एकेडमी की टीम पार्थ के 62 रनों के बावजूद 118 रन पर आउट हो गई। इजहार खान ने 14 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि पूर्वांश छावल ने 2 विकेट हासिल किए। दूसरे मुकाबले में राजस्थान स्पार्टन एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 28.2 ओवर में 108 रन बनाए। नारायणा एकेडमी के नरेंद्र चौधरी ने 3 और यश चौधरी ने 2 विकेट लिए। जवाब में नारायणा एकेडमी ने आदित्य यादव के तूफानी शतक की बदौलत महज 5.2 ओवर में बिना विकेट खोए 109 रन बनाकर जीत दर्ज की। आदित्य ने मात्र 28 गेंदों पर नाबाद 103 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और 8 छक्के शामिल रहे।

शक्ति सिंह की कप्तानी में राजस्थान पुलिस फुटबॉल टीम क्वार्टर फाइनल में, युवराज सिंह ने दागे चार गोल



जयपुर, 24 नवंबर। त्रिपुरा के अगरतला में 16 से 28 नवंबर तक आयोजित 75वीं बीएन मलिक मेमोरियल अखिल भारतीय पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 में राजस्थान पुलिस फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। शक्ति सिंह की कप्तानी में टीम ने प्री-क्वार्टर फाइनल में रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स को 7-1 से हराया। ग्रुप- में राजस्थान पुलिस ने चार मुकाबलों में 10 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। टीम ने पहले मैच में त्रिपुरा पुलिस को 5-1 से हराया। इसमें इमरान खान ने तीन और युवराज सिंह ने दो गोल किए। गोवा पुलिस के खिलाफ मुकाबला 2-2 से बराबर रहा। इसमें अमित गोदारा और जयेश आदिवाल ने गोल किए। इसके बाद मणिपुर पुलिस को 3-2 से हराया, जिसमें युवराज सिंह ने दो और जयेश आदिवाल ने एक गोल किया। चौथे मुकाबले में हिमाचल प्रदेश पुलिस को 2-0 से शिकस्त दी। इसमें इमरान खान और करमजीत गुर्जर ने एक-एक गोल किया। 23 नवंबर को खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में राजस्थान पुलिस ने आरपीएफ के खिलाफ पहले हाफ में ही 5-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में दो और गोल कर टीम ने 7-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में युवराज सिंह ने चार, जयेश आदिवाल ने दो और इमरान खान ने एक गोल किया। राजस्थान पुलिस का अगला मुकाबला 25 नवंबर को तुलाबगन स्टेडियम में केरल पुलिस से होगा। टीम के मैनेजर रोशन अली, कोच तरुण कुमार और फिजियो विनोद हैं। कई वर्षों बाद राजस्थान पुलिस फुटबॉल टीम का इस स्तर पर शानदार प्रदर्शन पुलिस विभाग के लिए गौरव का विषय है।

एशियाई सीनियर हैंडबॉल चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में राजस्थान की तीन खिलाड़ी



जयपुर, 24 नवंबर। कजाकिस्तान के अल्माटी में 23 नवंबर से 3 दिसंबर तक आयोजित 21वीं एशियाई सीनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में राजस्थान की तीन खिलाड़ियों टीना, मनीषा जाट और कशिश शर्मा का चयन हुआ है। भारतीय टीम प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अल्माटी पहुंच चुकी है। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि श्रीगंगानगर की टीना पिवट और भीलवाड़ा की मनीषा जाट राइट बैक पोजीशन पर खेलती हैं। दोनों आरएसएससी महिला हैंडबॉल अकादमी की पूर्व खिलाड़ी हैं और वर्तमान में बीएसएफ में कार्यरत हैं। वहीं, सीकर की कशिश शर्मा लेफ्ट विंग पोजीशन पर खेलती हैं और जयपुर स्थित राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की महिला हैंडबॉल अकादमी की खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 11 से 20 नवंबर तक हिमाचल प्रदेश की मोरसिंगी हैंडबॉल नर्सरी में आयोजित किया गया था। तीनों खिलाड़ियों के चयन पर राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल, मानद सचिव यश प्रताप सिंह सहित कार्यकारिणी के सदस्यों ने बधाई देते हुए चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

चार देशों की जूनियर कबड्डी चैम्पियनशिप में भारत का स्वर्ण, राजस्थान के रवि और ईशान का शानदार प्रदर्शन



नेपाल को फाइनल में 57-45 से हराकर भारतीय टीम बनी चैंपियन

जयपुर, 24 नवंबर। नेपाल की राजधानी काठमांडू में 21 से 23 नवंबर तक आयोजित चार देशों की जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में भारतीय बालक टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में भारत ने मेजबान नेपाल को 57-45 से हराकर खिताब जीता। इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के महामंत्री एवं राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने बताया कि प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, बांग्लादेश और थाईलैंड की टीमों ने भाग लिया। भारतीय टीम ने लीग मुकाबलों में थाईलैंड को 75-53 से, नेपाल को 52-43 से और बांग्लादेश को 76-21 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाते हुए नेपाल को 12 अंकों से पराजित किया। इस प्रतियोगिता में राजस्थान के दो खिलाड़ियों रवि कुमार और ईशान सिंह ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और प्रदेश व देश का मान बढ़ाया। तेजस्वी सिंह गहलोत ने दोनों खिलाड़ियों सहित पूरी भारतीय टीम को स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी। भारतीय टीम में हर्षमान, चिंटू, प्रज्वल, श्रीनाथ, हिमांशु, राहुल, नागराज, ईशांत, युवराज, रमेश, श्रीधर, रवि कुमार, दीपक कुमार, आर्यन और विश्वास शामिल थे। टीम के कोच रीशांत और नितिन तोमर तथा मैनेजर आनंद थे।

सिख गुरूओं ने मानवता की रक्षा के लिए सर्वस्व अर्पित किया - भजनलाल

मुख्यमंत्री ने गुरूनानक प्रकाश पर्व पर ''गुरू ग्रंथ साहिब'' को नमन किया

जयपुर, 24 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर राजापार्क में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को नमन किया, मत्था टेका और प्रदेशवासियों से श्री गुरू



गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सिख समाज के लोगो ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को तलवार भेंट की। इस दौरान जयपुर महापौर सुनील कोठारी, राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष अजयपाल सिंह, मुख्य ग्रंथी जगजीत सिंह सहित गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी मौजूद थे।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर स्थित श्री तेग बहादुर साहिब जी तथा अनूपगढ़ स्थित बुड्ढा जोहड़ गुरूद्वारा में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

नानक देव जी के प्रेम, सेवा, समानता और मानवता के बताए मार्ग पर चलने का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंधकार और चुनौतियों के दौरान श्री गुरु नानक देव जी ने बिना किसी भय के सत्य का बिगुल बजाया। उनकी हजारों मील की कठिन यात्राओं में दुर्गम बाधाएं आईं, लेकिन वे कभी नहीं रुके। उनका जीवन हमें सिखाता है कि चुनौतियां होने के बावजूद, एक सच्चे सेवक को घबराए बिना अपने लक्ष्य और समाज के कल्याण के प्रति समर्पित रहना चाहिए।

उन्होंने सिख गुरुओं के त्याग, समर्पण, साहस और बलिदान की महान परंपराओं का स्मरण करते हुए कहा कि सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उन्होंने नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन करते हुए कहा कि धर्म और आस्था की स्वतंत्रता तथा मानव अधिकारों की रक्षा के लिए उनका बलिदान अद्वितीय है। दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन त्याग, वीरता और धर्म की रक्षा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिख समुदाय के कल्याण, उत्थान और धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में जयपुर स्थित गुरुद्वारा श्री तेग बहादुर साहिब जी तथा अनूपगढ़ स्थित बुड्ढा जोहड़ गुरुद्वारा में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिये विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के विद्यार्थियों के छात्रावास हेतु भूमि का आवंटन हो चुका है तथा इसका कार्य शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा।

इस दौरान जयपुर महापौर सुनील कोठारी, राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष अजयपाल सिंह, मुख्य ग्रंथी जगजीत सिंह सहित, गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सिख समाज के लोग उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने जर्मनी के चांसलर से फोन पर बात की

नई दिल्ली, 24 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने रक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौता द्विपक्षीय व्यापार और निवेश के विस्तार के लिए कई नए अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे। उन्होंने भारत-जर्मनी संबंधों में लगातार बनी गति और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते सम्पर्कों पर संतोष व्यक्त किया।

मोदी और मर्ज ने समकालीन वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए बहुपक्षीय मंचों पर भी आपसी सहयोग जारी रखने के महत्व पर जोर दिया।

'पूर्व सैनिक को आरएएस भर्ती 2016 में पात्र मानें'

हाईकोर्ट ने आरपीएससी को आदेश दिए हैं कि अगर इनका मैरिट लिस्ट में चयन होता है तो इन्हें प्रमोशन, वेतन वृद्धि और वरिष्ठता का लाभ भी दिया जाए

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 24 नवम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक पूर्व सैनिक की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और आरपीएससी को आदेश दिए हैं कि वे उसे वर्ष 2016 की आरएएस /आरटीएस भर्ती में पात्र मानें और अगर मैरिट से उसका चयन होता है तो नियुक्ति दें। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता अगर चयनित होता है तो उसे उस दिन से नियुक्त माना जाए, जिस दिन उससे कम अंक प्राप्त करने वाले किसी अन्य अभ्यर्थी को नियुक्ति दी गई हो। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता को नियुक्ति के बाद प्रमोशन, वेतन वृद्धि व वरिष्ठता का लाभ भी दिया जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि आरपीएससी इस संबंध में 90 दिन के भीतर कार्रवाई करे। न्यायाधीश गणेशराम मीणा ने ये आदेश शैलेन्द्र सिंह शेखावत की ओर से दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी.सिंह और उनके सहायक अधिवक्ता आंचल सिंह पैरवी के लिए पेश हुए थे।

- आरएएस भर्ती में ''एक्स सर्विस मैन'' और ''नॉन गजेटेड एम्प्लॉइज़'' के लिए अलग-अलग अनुभव और आवेदन स्वीकार करने की तारीख रखने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी भी जताई।
- अदालत ने कहा कि आरपीएससी के नियम मनमाने और भेदभाव वाले प्रतीत होते हैं। इसलिए आरपीएससी पूर्व सैनिक शैलेन्द्र सिंह को पात्र माने और उनके प्रकरण में 90 दिन के भीतर कार्रवाई करे।

मामले के तथ्यों के अनुसार, शैलेन्द्र सिंह शेखावत 31 जुलाई 2016 को सेना से सेवानिवृत हुए थे। उन्होंने आरपीएससी द्वारा आरएएस/आरटीएस भर्ती 2016 के लिए 28 अप्रैल 2016 को जारी विज्ञप्ति में आवेदन किया था। याचिकाकर्ता की अदालत से गुहार थी कि आरपीएससी ने उनकी पात्रता इसलिए रद्द कर दी, क्योंकि आवेदन भरने की आखिरी तिथि 25 जून तक याचिकाकर्ता आर्मी में कार्यरत था, जबकि आरपीएससी ने गैर राजपत्रित कर्मचारी (नॉन गजेटेड एम्प्लाइज़) के आवेदन 1 जनवरी 2017 तक स्वीकार किए थे।

याचिकाकर्ता शैलेन्द्र सिंह का कहना था कि उसे आर्मी में 15 वर्ष का अनुभव है, जो कि आरएएस भर्ती के लिए पात्रता पाने के लिए पर्याप्त है, भर्ती में भाग लेने के लिए ही उन्होंने वीआरएस लिया था। आर्मी ने उनके डिस्चार्ज के आदेश 17 जून 2016 को पारित कर लिए थे, परंतु डिस्चार्ज प्रक्रिया में अनौपचारिक विलंब के कारण उन्हें 31 जुलाई 2016 को आर्मी से डिस्चार्ज किया गया। उन्होंने कहा कि आरपीएससी एक ही भर्ती में दो तरह के नियम लागू नहीं कर सकती।

जब यह मामला अदालत में लंबित था, तभी आरपीएससी ने आरएएस भर्ती के लिए 14 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2017 तक इंटरव्यू आयोजित किए थे। अदालत ने याचिकाकर्ता शैलेन्द्र सिंह को राहत देते हुए इंटरव्यू में भाग लेने के आदेश दिए थे, इंटरव्यू के परिणाम 14 सितंबर 2026 को हाईकोर्ट में पेश किए थे।

इस मामले की सुनवाई के दौरान यह भी तथ्य सामने आया कि आरपीएससी ने एक अतिरिक्त विज्ञप्ति जारी करके अभ्यर्थियों को फॉर्म में बदलाव करके पुन: आवेदन अपलोड करने की छूट 25 जुलाई 2016 तक दी थी। इससे स्पष्ट होता था कि शैलेन्द्र सिंह इस तारीख से मात्र 6 दिन बाद ही सेवानिवृत हो गए थे। उल्लेखनीय है कि भर्ती की लिखित परीक्षा 27 मार्च 2017 को हुई थी, यानी कि याचिकाकर्ता उस दिन सेवानिवृत्त हो चुके थे।

वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी.सिंह की ओर से कहा गया कि एक तरफ आरपीएससी गैर राजपत्रित कर्मचारियों के लिए यह नियम लागू कर रही है कि आवेदन फॉर्म दाखिल करने के 4 महीने बाद तक उनके पास परीक्षा में पात्र बनने के लिए कम से कम 5 वर्ष का कार्य अनुभव हो। दूसरी ओर एक्स सर्विस मैन के लिए पात्रता रखी गई कि 15 वर्ष का अनुभव व आवेदन भरने से पहले सेवानिवृति हो।

उधर आरपीएससी की ओर से कहा गया कि नियम है कि उन्हें आवेदन के आखिरी दिन से पहले ही सेवानिवृत्त होना चाहिए। अदालत ने कहा कि किसी भी भर्ती में अगर किसी भी श्रेणी पर कोई शर्त या नियम लागू किया जा रहा है तो उसके पीछे कोई तर्कसंगत कारण होना चाहिए और ये श्रेणियां किसी तर्कसंगत तरीके से बनाई हुई होनी चाहिए। अदालत ने कहा कि आरपीएससी ने ''एक्स सर्विस मैन'' और ''नॉन गजेटेड एम्पलाइज़'' के लिए जो नियम रखे हैं, वे मनमाने और भेदभाव जैसे प्रतीत होते हैं। इसलिए आरपीएससी को याचिकाकर्ता की पात्रता को मानना होगा।

यूपी क पूर्व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और देशराज अग्रवाल समेत अन्य लोगों के खिलाफ हजरतगंज थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया। 28 वर्ष तक चली लंबी न्यायिक प्रक्रिया और विवेचना के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कई गवाहों के बयान दर्ज कराए और साक्ष्य प्रस्तुत किए गए।

विशेष न्यायाधीश उमाकांत जिंदल ने मामले की सुनवाई के बाद इसी नवंबर माह तारीख में फैसला सुरक्षित रखते हुए हुए अगली तारीख 24 नवंबर को तय की थीं।

जेनसेन हुआंग की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी अपने कामकाज में पूरी तरह अक्षम और अप्रभावी साबित हुआ है। बोर्ड ने अपने पुराने फैसले को तुरंत पलट दिया और हुआंग का वापस स्वागत किया, तथा खुद ही अपनी पेशेवर क्षमता और कार्यकुशलता पर सवाल खड़े कर दिए।

एक समझदार मैनेजमैंट की मांग यह होती है कि जेनसेन हुआंग की जगह लेने के लिए कोई वैकल्पिक व्यक्ति या कम से कम कुछ संभावित नाम पहले से तैयार होने चाहिए थे। लेकिन उत्तराधिकारी चुनने की ऐसी कोई योजना नहीं बनाई गई थी। बोर्ड के पास न तो कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी था, न ही दूसरी पंक्ति का नेतृत्व, और न ही किसी अन्य संभावित सीईओ के बारे में कोई विचार किया गया था।

यह बोर्ड कई वर्षों से बिना किसी बदलाव के काम कर रहा था, लेकिन इसने कभी अपनी कार्यक्षमता का आकलन नहीं किया। बोर्ड के एक तिहाई सदस्य तो दशकों से अपने पदों पर बने हुए थे। इनमें से एक तिहाई निदेशक ऐसे थे, जो 33 साल से भी अधिक समय से इस पद पर कार्यरत थे।

ये निदेशक, बाज़ार में पहले से मौजूद खिलाड़ियों की कंपनी के स्थापित अधिकारियों की क्षमता की समीक्षा और आकलन करने में भी विफल रहे। ये लोग या तो बहुत अधिक उम्र के थे या फिर हुआंग के एहसानों के तले बहुत ज्यादा दबे हुए थे। ऐसे में सुझाव दिया जा रहा है कि मौजूदा बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स को भंग कर देना चाहिए और उसकी जगह प्रतिष्ठित विशेषज्ञों वाला एक नया बोर्ड गठित किया जाना चाहिए।

जिला प्रमुख : कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनाने के लिए इन जिलों में बड़े पैमाने पर सेंधमारी करनी पड़ेगी। वहीं, छह जिले -बाड़मेर, भरतपुर, चूरू, डीडवाना-कुचामन और राजसमंद में कांग्रेस के पास बढ़त तो है, लेकिन भाजपा बहुत पीछे नहीं है। ऐसे में इन जिलों को कांग्रेस के लिए सुरक्षित नहीं माना जा रहा।

नागौर स्पष्ट रूप से हनुमान बेनीवाल की पार्टी आरएलपी के खाते में जाता दिख रहा है। यहां बहुमत के लिए 19 सीट चाहिए, जो आरएलपी के पास हैं और भाजपा व कांग्रेस के पास क्रमश: 7 और 11 सीटें है। ऐसे में दोनों ही दलों को अपना बोर्ड बनाने के लिए आरएलपी में बड़ी तोड़फोड़ करनी होगी, जो बेनीवाल के गढ में शायद ही सम्भव हो पाए। जिला प्रमुख चुनाव के लिए बुधवार सुबह 10 बजे जिला परिषद सदस्यों की बैठक होगी। सुबह 11 बजे तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे। 11:30 बजे नामांकन पत्रों की जांच होगी और दोपहर 1 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद, चुनाव चिह्न आवंटित होंगे। दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्त होते ही मतगणना कर परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। पंचायतीराज चुनाव में दल-बदल विरोधी कानून और पार्टी व्हिप लागू नहीं होने के कारण सदस्य दूसरी पार्टी के पक्ष में भी मतदान कर सकते हैं। ऐसे में स्पष्ट बहुमत वाली पार्टियों के सामने भी अपने सदस्यों को एकजुट रखने की चुनौती बनी हुई है।

युवती ने पुलिसकर्मी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि उसे जयपुर में रहते हुए 20 साल से अधिक हो गए हैं, लेकिन इस घटना के बाद से वह मानसिक रूप से परेशान है और दो दिन से रो रही है। उसका कहना है कि वह पैसिफिक मॉल के सामने ऑटो में बैठी थी, तभी एक कार उसका पीछा करने लगी। युवती ने आरोप लगाया कि कार पुलिस की थी और उसमें मौजूद कांस्टेबल ने ऑटो चालक से उसका मोबाइल नंबर मांगने को कहा।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो के संबंध में जानकारी ली जा रही है। मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ न्यायोचित कार्रवाई की जाएगी। युवती की ओर से लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

हाई कोर्ट ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने को कहा था। अदालत ने कहा कि छह साल बीतने के बाद अभी इस इस संबंध में कोई ठोस जवाब पेश नहीं किया गया है। ऐसे में मुख्य सचिव पर हर्जाना लगाना उचित है।

याचिका में कहा गया कि साल 1986 में शहर में पहला फैमिली कोर्ट खुला था। तीन दशक बीतने के बाद भी यहां सुविधाओं का अभाव है। यहां आने वाली महिलाओं और बच्चों के लिए बैठने की व्यवस्था और कैंटीन व टॉयलेट की सुविधाओं का भी अभाव है। गौरतलब है कि मामले की सुनवाई के दौरान 20 जुलाई, 2018 को तत्कालीन मुख्य सचिव ने अदालत में पेश होकर कोर्ट को आश्वस्त किया था कि फैमिली कोर्ट में अगले दो माह में सुविधाएं मुहैया करा दी जाएंगी।

कार्तिक पूर्णिमा पर 38 लाख लोगों ने हरिद्वार में गंगा स्नान किया

ब्रह्म मुहूर्त में शुरु हुआ स्नान का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा

हरिद्वार, 24 नवंबर। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को उत्तराखंड में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हरिद्वार से लेकर ऋषिकेश और प्रदेश के अन्य प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। हरिद्वार में ही मंगलवार शाम तक 38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पुण्य अर्जित किया।

देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु हरकी पैड़ी स्थित ब्रह्मकुंड समेत, सभी प्रमुख घाटों पर पहुंचे। तड़के ब्रह्म मुहूर्त से ही स्नान का सिलसिला शुरू हो गया था, जो दिनभर जारी रहा। पुलिस कप्तान नवनीत सिंह के अनुसार, मंगलवार शाम छह बजे तक 38 लाख 90 हजार श्रद्धालु गंगा स्नान कर चुके हैं। अभी भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन जारी है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद दान-पुण्य किया और मंदिरों में पूजा-अर्चना की। स्नान के बाद घाटों पर दीपदान की परंपरा भी निभाई गई। घाटों के साथ ही मंदिरों और बाजारों में भी दिनभर चहल-पहल बनी रही। कार्तिक पूर्णिमा का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन को देव दीपावली के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध कर देवताओं को मुक्ति दिलाई थी। इस विजय की खुशी में देवताओं ने दीपोत्सव मनाया था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने इसी दिन मत्स्य अवतार धारण किया था। इस कारण कार्तिक पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन गंगा स्नान, दीपदान और दान का विशेष फल मिलता है। कार्तिक माह को भगवान विष्णु और शिव, दोनों का प्रिय माह माना जाता है।

- श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद दान-पुण्य किया, मंदिरों में पूजा-अर्चना की तथा घाटों पर दीप दान की परम्परा भी निभाई।

'शेख हसीना को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को 5 अगस्त 2024 को बाँग्लादेश के विमान से भारत लाया गया था, इसलिए अब वे सरकार से मांग करती हैं कि दिल्ली से ढाका लौटने के लिए उनकी हवाई यात्रा की व्यवस्था की जाए।''

उन्होंने यह भी तर्क दिया कि उनकी वापसी की व्यवस्था करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें देश से बाहर रहने के लिए मजबूर करना संविधान के विरुद्ध है।

लेकिन कबीर ने इस मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने ''रॉयटर्स'' से कहा कि ''हसीना एक दोषी अपराधी और फरार आतंकवादी हैं, और ढाका उनकी इस ''कल्पनिक मांग'' पर विचार नहीं करेगा।

इस बीच, बाँग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों और आगजनी की घटनाओं के कारण स्थिति अराजक होती जा रही है। सत्तारूढ बीएनपी के नेतृत्व वाली सरकार ने इन घटनाओं के लिए हसीना की पार्टी को जिम्मेदार ठहराया है।

बाँग्लादेश की नैशनल सिटिज़न पार्टी के नेता और सांसद नाहिद इस्लाम ने सोमवार को बाँग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की और सभी राजनीतिक दलों से ''भारतीय वर्चस्व'' के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। भारत पर यह हमला इसलिए किया गया है, क्योंकि उसने हसीना को निर्वासन के दौरान रहने की जगह दी थी।

नाहिद ने कहा, ''भारत एक हत्यारे को शरण दे रहा है और एक समूह को बांग्लादेश के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल करने की अनुमति दे रहा है। अब हमारी लड़ाई अवामी लीग से नहीं है, बल्कि भारतीय वर्चस्व के खिलाफ है। हमने 5 अगस्त को ही अवामी लीग को हरा दिया था।''

वहीं, ''ढाका ट्रिब्यून'' ने खबर दी है कि इंटरनैशनल क्राइम्स ट्रिब्युनल के मुख्य अभियोजक मोहम्मद अमीनुल इस्लाम ने शेख हसीना को बांग्लादेश वापस लाने के लिए विमान की मांग को ''सिर्फ पागलपन'' बताया।

हादसे में चार बच्चों की मौत, 25 बच्चे गंभीर रुप से घायल

कन्नौज (उत्तर प्रदेश), 24 नवंबर। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में चार स्कूली बच्चों की मौत हो गई, जबकि 25 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ठठिया थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 210 के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। आगरा से पिकनिक मनाकर लौट रही कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की बस को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।

आज से शुरु होगा भारत-नेपाल का संयुक्त युद्ध अभ्यास

काठमांडू, 24 नवंबर। भारत और नेपाल के बीच रक्षा एवं सैन्य सहयोग को और मजबूत करने के उद्देश्य से दोनों देशों की सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण' आयोजित होने जा रहा है। इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए भारतीय सेना की एक टुकड़ी नेपाल पहुंच चुकी है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच यह संयुक्त अभ्यास 25 नवंबर से 8 दिसंबर 2026 तक नेपाल में आयोजित किया जाएगा। नेपाल के रुपन्देही जिले के सालझंडी स्थित नेपाली सैनिक बैटल स्कूल में होने वाले इस अभ्यास में भारतीय सेना की 12 कुमाऊं रेजिमेंट और नेपाली सेना की ओर से ज्वालादल गण के सैनिक हिस्सा लेंगे। यह संयुक्त सैन्य अभ्यास का 20वां संस्करण है।

संयुक्त अभ्यास 'सूर्य किरण' के दौरान, दोनों देशों के सैनिक एक-दूसरे के साथ मिलकर विभिन्न सैन्य गतिविधियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसका उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल, सैन्य कौशल, पेशेवर दक्षता और संयुक्त रूप से अभियान संचालित करने की क्षमता को मजबूत करना है।

इस तरह के संयुक्त अभ्यास से दोनों देशों के सैनिकों को एक-दूसरे की सैन्य कार्यप्रणाली, रणनीतियों और ऑपरेशनल अनुभवों को समझने का अवसर मिलता है। साथ ही, संयुक्त रूप से किसी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से निपटने की क्षमता विकसित करने में भी मदद मिलती है।

भारत और नेपाल के बीच वर्ष 2010 से हर साल संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण' आयोजित किया जा रहा है।

तीन नेपालियों को 45 दिन बंधक बनाकर रखा

नई दिल्ली/काठमांडू, 24 नवंबर। विदेश में अच्छी नौकरी और बेहतर भविष्य का सपना दिखाकर, सर्बिया भेजने के बहाने दिल्ली लाकर नेपाल के तीन नागरिकों को करीब 45 दिन तक एक होटल के कमरे में बंधक बनाकर रखा गया। नेपाल पुलिस, नेपाली दूतावास, दिल्ली पुलिस और एक सामाजिक संस्था के संयुक्त प्रयास से तीनों को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया। सगरमाथा पर्वतारोही कल्पना महर्जन के अनुसार, तीनों नागरिकों को सर्बिया में रोजगार दिलाने का प्रलोभन देकर नई दिल्ली पहुंचाया गया।

भाजपा ने चुपचाप,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अकाली दल का संयुक्त गठबंधन एक मजबूत विकल्प के रुप में सामने आया है, जो आम आदमी पार्टी सरकार से नाराज मतदाताओं को एकजुट कर सकता है और कांग्रेस के पारंपरिक जनाधार को भी प्रभावित कर सकता है। आम आदमी पार्टी के लिए अब चुनौती यह है कि वह शासन, नशीले पदार्थों की समस्या और ग्रामीण संकट से जुड़े अपने कामकाज का बचाव कैसे करती है।

दोनों दलों के बीच फिर से समझौता होने के कई कारण रहे हैं। अकेले चुनाव लड़ने पर दोनों दलों का प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। जमीनी सर्वेक्षणों से संकेत मिला कि अलग-अलग चुनाव लड़ने पर दोनों में से कोई भी दल मजबूत स्थिति में नहीं था, लेकिन साथ मिलकर वे एक ऐसा विजेता गठबंधन बन सकते हैं, जो ''आप'' के खिलाफ मौजूद नाराज़गी के वोटों को अपनी ओर खींच सके। जिन कृषि कानूनों के कारण इस दोनों का गठबंधन 2022 में टूटा था, वे काफी समय पहले वापस लिये ही जा चुके हैं। इससे दोनों दलों के बीच मतभेद का मुख्य कारण भी खत्म हो गया।

आज की यह घोषणा कई महीनों की गुप्त बातचीत के बाद हुई है। नितिन नबीन और सुखबीर बादल ने पिछले तीन महीनों के दौरान गठबंधन की रूपरेखा तैयार करने के लिए कई बार बातचीत की। कई सर्वेक्षणों के नतीजे प्रधानमंत्री और अमित शाह के साथ साझा किए गए। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी गठबंधन बनाने पर जोर दिया था। इसके बाद अमित शाह ने सुखबीर बादल के साथ कई बैठकें कीं और मतभेद दूर करने की कोशिश की। इनमें अकाली दल की यह मांग भी शामिल थी कि गठबंधन में उसकी वरिष्ठ सहयोगी की भूमिका बनी रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 8 दिसंबर को मोगा में होने वाली रैली में शामिल होने का निर्णय काफी अहम माना जा रहा है। यह रैली पांच बार पंजाब के मुख्यमंत्री रहे प्रकाश सिंह बादल की जयंती के अवसर पर आयोजित की जा रही है। गठबंधन बहाल होने के बाद, यह आयोजन दोनों दलों के पुन: गठजोड़ को दर्शाने वाला पहला बड़ा संयुक्त सार्वजनिक कार्यक्रम होगा।

जहर पीकर युवती...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके सामने ही जहर पी लिया। इसके बाद वह शिकायत देने के लिए थाने पहुंच गई। पुलिस को युवती के बैग से जहर की बोतल भी मिली है। फिलहाल एसएमएस अस्पताल में उसका उपचार जारी है। तबीयत में सुधार होने के बाद पुलिस युवती के बयान दर्ज करेगी।

सांगानेर में तोड़फोड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाकर की, जिसमें राज्य सरकार ने नगर निगम को आदेश दिए थे कि वह कच्चे-पक्के सभी मकानों को नियमित करते हुए पट्टे जारी करेगी। इस पूरे प्रकरण को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने खसरा नंबर 403 पर बने मकानों को तोड़ने की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए, नगर निगम व अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी किए है।

महादेव सट्टा ऐप : ईडी को दिल्ली के वकील का 28 नवम्बर तक का रिमांड मिला

इस हाई प्रोफाइल मामले में रायपुर की विशेष अदालत ने आधी रात तक सुनवाई की

रायपुर, 24 नवंबर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए, दिल्ली के अधिवक्ता हिमांशु शेखर उर्फ मोहित को गिरफ्तार किया है। रायपुर की विशेष पीएमएलए अदालत ने इस हाई-प्रोफाइल मामले में पहली बार आधी रात तक सुनवाई करते हुए आरोपी अधिवक्ता को 28 नवंबर तक ईडी की कस्टोडियल रिमांड पर भेज दिया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, महादेव ऐप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को 13 से 19 नवंबर के बीच रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई थी, जिसमें हिमांशु शेखर की भूमिका सामने आई। आरोप है कि हिमांशु पिछले तीन सालों में कई बार दुबई गया और वहां सौरभ चंद्राकर से मुलाकात की। उसने महादेव ऐप और उसके प्रमोटरों के खिलाफ चल रहे सभी आपराधिक मामलों को रफा-दफा कराने का भरोसा दिलाया था। हिमांशु के देश छोड़कर भागने की आशंका पर ईडी ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। 20 नवंबर को मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दुबई जाते समय इमिग्रेशन ने उसे रोक लिया, जिसके बाद 21 नवंबर तड़के ईडी ने उसे गिरफ्तार किया। हालांकि, मुंबई की पीएमएलए अदालत ने 24 घंटे के नियम का हवाला देते हुए ट्रांजिट रिमांड खारिज कर दी थी।

- ईडी ने अदालत को बताया कि महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप का अवैध संचालन अब भी जारी है, जिसमें कुल आय 92 हजार करोड़ रूपए से अधिक होने का अनुमान है। आज दिल्ली के अधिवक्ता ने राहत दिलाने के नाम पर कथित तौर पर 75 करोड़ रूपए लिये।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908